THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 137 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण शु.5 2083 सोमवार, 17 अगस्त-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

जंगल में फायरिंग, 3 की मौत, सीएम ने जांच के आदेश दिए

बैंगलूरू, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के चामराजनगर में शनिवार को मरिया मंगल जंगल क्षेत्र के पास फायरिंग में तीन लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एंथनी स्वामी, सेबेस्टियन डेविड कुमार और जॉन रोज पीटर शामिल हैं।

एफआईआर के मुताबिक, 14 अगस्त को दो गायें लापता हो गई थीं। अगले दिन तीनों लोग उन्हें खोजने के लिए मरिया मंगल के पास जंगल में गए थे। इसी दौरान वन अधिकारियों ने उन पर गोली चला दी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मामले में मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना की पूरी सच्चाई सामने आएगी।

कौन होते हैं दिमागी नक्सल ?

बीजेपी सांसद किरेन रिजिजू ने समझाई परिभाषा

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दिमागी नक्सल वाले बयान को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है। पीएम मोदी के बयान को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर है। इस बीच केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए उन्हें दो टूक शब्दों में दिमागी नक्सलों की परिभाषा बता दी है।

उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्षी नेताओं को दिमागी नक्सली नहीं कहा। किरेन रिजिजू ने दिमागी नक्सल की सोच रखने वाले तीन तरह के लोगों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि केवल वे लोग दिमागी नक्सली हैं जो माओवादियों का समर्थन करते हैं और भारतीय संविधान को खारिज करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जो अलगाववादियों के साथ खड़े होते हैं और अनुच्छेद 370 का समर्थन करते हैं। इसके साथ ही जो भारत से पूर्वोत्तर को अलग करने के लिए चिकन नेक काटना चाहते हैं।

केंद्रीय मंत्री रिजिजू का यह बयान ऐसे समय में सामने आया है, जब एक दिन पहले लाल किले की प्राचीर से पीएम मोदी ने नक्सलियों के खिलाफ सरकार की लड़ाई में हासिल की गई सफलताओं का जिक्र किया था। इस दौरान

> माओवाद का समर्थन और संविधान को खारिज करने वाले, अलगाववादियों के साथ खड़े होने वाले और अनुच्छेद 370 का समर्थन करने वाले, भारत से पूर्वोत्तर को अलग करने के लिए चिकन नेक काटने की चाहत रखने वाले दिमागी नक्सल हैं।
>
> **किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री**

पीएम मोदी ने कहा था कि वर्षों से माओवादी विचारधारा रखने वाले व्यक्ति देश में सत्ता के गलियारों में और सरकारी समितियों में सलाहकार के रूप में अपनी भूमिकाओं के माध्यम से अपनी जड़ें जमा चुके थे। पीएम ने कहा था कि इस माओवादी मानसिकता ने नीति निर्माण को प्रभावित किया है।

'दिमागी नक्सल' विवाद पर पीएम मोदी की टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि जो लोग उनका विरोध करते हैं, उन्हें 'दिमागी नक्सल' कहा जाता है। इन 'दिमागी नक्सलियों' ने जातिगत जनगणना की मांग की थी। चार साल तक वे कहते रहे कि जातिगत जनगणना नहीं होगी। फिर 30 अप्रैल 2025 को उन्होंने घोषणा की कि जातिगत जनगणना कराई जाएगी। जो भी सवाल उठाता है या उन्हें चुनौती देता है, उसे किसी न किसी नाम से पुकार दिया जाता है। क्या सामाजिक न्याय की मांग करना 'दिमागी नक्सल' है?

बंगाल में कांग्रेस नेता और बेटे को गोली मारी

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में स्वतंत्रता दिवस की रात कांग्रेस नेता अनीसुर रहमान और उनके बेटे की हत्या कर दी गई। घटना बेथुआडहरी रेलगेट के पास हुई। अनीसुर अपने बेटे के साथ कार से घर लौट रहे थे। रास्ते में बदमाशों ने उनकी गाड़ी रोककर अंधाधुंध फायरिंग की। इसके बाद कार का गेट खोलकर दोनों पर धारदार हथियारों से हमला किया। दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

अनीसुर रहमान प्रदेश कांग्रेस समिति के सदस्य और नादिया जिला कांग्रेस के महासचिव थे। जबकि उनका बेटा अबू सुफियान कल्याणी से एलएलबी की पढ़ाई कर रहा था। मृतक के परिजनों ने स्थानीय टीएमसी नेता जुब्बार शेख और उसके सहयोगियों पर राजनीतिक रंजिश के तहत इस हत्याकांड को अंजाम देने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने अनीसुर रहमान और उनके बेटे की हत्या की कड़ी निंदा की।

'बदनाम किया गया, झूठे आरोप लगाए गए'

आशीष बनर्जी की मौत पर ममता का छलका दर्द, शुभेंदु सरकार को घेरा

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तृणमूल कांग्रेस के नेता और पश्चिम बंगाल विधानसभा के पूर्व उपाध्यक्ष आशीष बनर्जी के निधन पर शोक जताया है।

रविवार को बीरभूम जिले में पार्टी कार्यालय में आशीष बनर्जी फंदे से लटके मिले। वह रामपुरहाट विधानसभा क्षेत्र से पांच बार के टीएमसी विधायक थे। आशीष बनर्जी की मौत के बाद राजनीतिक विवाद भी तेज हो गया।

टीएमसी के कई नेताओं ने भाजपा और मीडिया के एक वर्ग पर उनके खिलाफ बदनाम करने वाला अभियान चलाने का आरोप लगाया। इनमें पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी भी शामिल हैं।

ममता बोलीं- बार-बार बदनाम किया गया

ममता बनर्जी ने कहा कि आशीष बनर्जी को बार-बार बदनाम किया गया। उन पर भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाए गए। लगातार दबाव बनाया गया। उन्होंने कहा कि आशीष जमीन से जुड़े नेता थे। अपने विधानसभा क्षेत्र और जिले के लोगों से उनका करीबी रिश्ता था। ममता ने कहा कि आखिरी दिनों में आशीष ने जिस मानसिक और भावनात्मक दबाव का सामना किया, उससे यह त्रासदी और भी दर्दनाक हो जाती है।

उन्होंने कहा, 'पांच बार के विधायक, पूर्व उपाध्यक्ष और चेयरमैन के रूप में आशीष दा ने रामपुरहाट के विकास के लिए खुद को समर्पित किया। उन्होंने लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण काम किए।

इसके बावजूद उन्हें बार-बार बदनाम किया गया, उन पर झूठे आरोप लगाए गए और लगातार दबाव में रखा गया।'

ममता बनर्जी ने कहा कि लंबे समय तक सार्वजनिक जीवन में रहने के बावजूद आशीष को जिस तरह के उत्पीड़न और मानसिक दबाव से गुजरना पड़ा, उस पर सभी को विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'अपने लंबे सार्वजनिक जीवन के बावजूद उन्होंने जिस उत्पीड़न और मानसिक दबाव का सामना किया, वह सोचने पर मजबूर करता है कि राजनीतिक दुश्मनी की मानवीय कीमत क्या होती है।'

ममता बनर्जी ने आशीष बनर्जी को ऐसे नेता के तौर पर याद किया, जिन्होंने अपना पूरा जीवन शिक्षा और जनसेवा के लिए समर्पित किया। उन्होंने कहा कि आशीष की कमी हमेशा महसूस होगी। इससे पहले मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आशंका जताई कि तृणमूल कांग्रेस के भीतर मौजूद भ्रष्ट लोगों ने संभवतः उन्हें डराया-धमकाया हो या किसी ने उन्हें ब्लैकमेल किया हो। शुभेंदु अधिकारी ने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद आशीष बनर्जी के साथ अपने सौहार्दपूर्ण संबंधों का भी उल्लेख किया था।

मंदिर परिसर में नाबालिग बच्ची का यौन उत्पीड़न

66 वर्षीय मैनेजर हिरासत में

हैदराबाद , 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राजधानी हैदराबाद के निकट स्थित एक मंदिर में नाबालिग लड़की के साथ यौन उत्पीड़न का गंभीर मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मंदिर के 66 वर्षीय मैनेजर को हिरासत में ले लिया है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कथित घटना 13 अगस्त को मंदिर परिसर के भीतर घटित हुई थी। स्थानीय लोगों की सजगता से घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल पुलिस टीम मौके पर पहुंची।

पुलिस ने पीड़िता के परिजनों व प्रत्यक्षदर्शियों के आधार पर आरोपी मैनेजर के खिलाफ रामचंद्रपुरम पुलिस थाने में पॉक्सो अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उसे हिरासत में लिया। पुलिस प्रशासन ने बताया कि मामले की गहन जांच जारी है और पीड़िता के बयान दर्ज कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

वाराणसी एयरपोर्ट पर गोली चली, 2 कर्मचारी घायल

शिवसेना नेता पिस्टल की जांच करा रहा था, तभी फायर हुआ; आजमगढ़ से मुंबई जा रहा था

वाराणसी/आजमगढ़, 16 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी एयरपोर्ट पर रविवार सुबह हथियार की जांच के दौरान एक यात्री से गोली चल गई। इससे महिला समेत दो कर्मचारी घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए न्यू लक्ष्मी ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। घटना सुबह करीब 9:30 बजे हुई। यात्री कमलेश राय पत्नी के साथ एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से मुंबई जा रहे थे। उन्होंने विमान में ले जाने वाले हथियार को पहले ही डिक्लेयर किया था। हथियार की जांच के दौरान उससे एक राउंड फायर हो गया। स्थानीय पुलिस को सूचना दे दी गई है।

यात्री को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। आजमगढ़ के रहने वाले कमलेश शिवसेना नेता हैं। मुंबई में पूर्व पार्षद रह चुके हैं। उन्होंने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे और धनंजय सिंह के साथ तस्वीरें डाल रखी है।

यात्री ने पिस्टल की सूचना पहले ही दे दी थी

वाराणसी के लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (बाबतपुर) के डायरेक्टर पुनीत गुप्ता ने बताया- कमलेश अपनी पत्नी के साथ 11.30 बजे की एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट से मुंबई जाने वाले थे। उनके पास लाइसेंसी पिस्टल थी। जांच के दौरान उनसे एक राउंड फायर हो गया। गोली पहले फर्श से टकराई और फिर पास में मौजूद महिला कर्मचारी गया, बिहार निवासी सुमन (32) की जांघ में लगी।

पश्चिम बंगाल में सीजेपी कार्यकर्ता की मौत

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में सीजेपी कार्यकर्ता शेख अब्दुल हफीज के पिता जनाब मफीक की हमले में लगी गंभीर सिर की चोटों से 15 अगस्त को मौत हो गई। सीजेपी के मुताबिक, हफीज 13 अगस्त को अपने गांव के करिसुंडा इलाके के सरकारी स्कूल में राष्ट्रव्यापी अभियान में शामिल हुए थे।

इस दौरान उन्होंने स्कूल के इंफ्रास्ट्रक्चर की स्थिति देखी थी। इसके बाद उसी शाम हथियारबंद लोगों ने उनके निजी घर में जबरन प्रवेश किया। हफीज के मुताबिक, हमलावरों ने उनसे स्कूल की स्थिति उजागर करने के लिए माफी मांगते हुए वीडियो रिकॉर्ड करने को कहा। उनसे यह भी कहने को कहा गया कि उन्होंने यह काम बाहरी प्रभाव में किया था। हफीज के इनकार करने पर उनके परिवार पर हमला किया गया। इसमें हफीज की गर्दन और उनके पिता के सिर में गंभीर चोट आई। अभिजीत दिपके ने कहा कि पार्टी अब्दुल और उनके परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने कहा कि सीजेपी की टीम पश्चिम बंगाल जाएगी और परिवार को न्याय दिलाने की कोशिश करेगी।

लॉरी से टकराई बस, 30 लोग सवार थे; 3 की हालत गंभीर

चेन्नई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कांचीपुरम में 30 से ज्यादा कर्मचारियों से भरी कंपनी की बस लॉरी से टकरा गई। हादसा सुंगुवरचत्रम के पास हुआ। ड्राइवर को झपकी आने से बस का नियंत्रण बिगड़ गया। हादसे में कई कर्मचारी घायल हुए, जिनमें 3 की हालत गंभीर है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मनन मिश्रा को मांगनी पड़ी माफी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बार काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन मनन कुमार मिश्रा हैदराबाद की नालसार लॉ यूनिवर्सिटी के छात्रों के एनरोलमेंट पर रोक लगाने और फिर तुरंत फैसला लेने की वजह से सुर्खियों में आ गए हैं। इतना ही नहीं कुछ घंटे बाद उन्होंने छात्र से माफी भी मांगी। इस घटना ने रेगुलेटर के कामकाज पर ध्यान खींचा।

बार काउंसिल 'एडवोकेट्स एक्ट, 1961' के तहत बनी एक कानूनी संस्था है, जिसका काम कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा को रेगुलेट करना है। यह वकीलों के लिए पेशेवर आचरण के नियम तय करती है, अनुशासनात्मक अधिकार का इस्तेमाल करती है और उन यूनिवर्सिटीज को मान्यता देती है जिनकी लॉ डिग्री किसी व्यक्ति को एनरोलमेंट के लिए योग्य बनाती है। एक्ट की धारा 7(1)(जी) इसे राज्य बार काउंसिलों पर सामान्य देखरेख और नियंत्रण का अधिकार भी देती है।

लेकिन इस एक्ट में ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है जो इसे किसी व्यक्ति को वकील के तौर पर रजिस्टर करने की शक्ति दे; यह काम तो स्टेट बार काउंसिल का है कि वह लोगों को अपने रोल में वकील के तौर पर शामिल करे। साफ है कि रेगुलेटर ने छात्रों के खिलाफ सजा वाले कदम उठाकर अपने अधिकार क्षेत्र से बाहर काम किया, जिससे सुप्रीम कोर्ट नाराज हुआ और उसने कहा कि बीसीआई को इस मामले में दखल देने का कोई अधिकार नहीं है। इस विवाद ने बीसीआई के कामकाज पर सवाल खड़े कर दिए हैं कि क्या वह पिछले कुछ सालों में कानूनी पेशे और कानूनी शिक्षा के स्टैंडर्ड को बनाए रखने की अपनी कानूनी जिम्मेदारी को ठीक से निभा पाया है। खुद मिश्रा के बयान को देखें तो बीसीआई अपनी जिम्मेदारी निभाने में बुरी तरह नाकाम रहा है।

रेगुलेटर पर सवालिया निशान

बीजेपी में शामिल होने से पहले बीएसपी और कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर मनन कुमार मिश्रा ने कई बार कहा है कि 35-40% वकीलों के पास फर्जी डिग्रियां हैं और वे जाली डिग्री सर्टिफिकेट के आधार पर अदालतों में प्रैक्टिस कर रहे हैं। हालांकि, बहुत से लोग इस बात को सच मानते हैं, लेकिन यह रेगुलेटर पर एक सवालिया निशान है और इस बात का साफ सबूत है कि गंभीर गड़बड़ियों को रोकने के लिए बनाए गए नियम काम नहीं कर रहे हैं।

बार काउंसिल ऑफ इंडिया की एक और विफलता कानूनी शिक्षा के क्षेत्र में रही है; लॉ कॉलेजों की बढ़ती संख्या के बीच यह शिक्षा का स्तर बनाए रखने में नाकाम रहा है। इनमें से कुछ कॉलेज तो असल में लॉ की डिग्रियां बेच रहे हैं, जहां छात्रों को क्लास में जाने से भी छूट दी जाती है। इस पेशे में प्रोफेशनलिज्म न लाने और हड़ताल करने वाले गलत काम करने वाले वकीलों के खिलाफ कार्रवाई न करने के कारण इसे अक्सर सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी का सामना करना पड़ा है।

'ड्रग किंगपिन' वीरेंद्र बसोया को कोर्ट ने कस्टडी में भेजा

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पुणे की अदालत ने कथित ड्रग किंगपिन वीरेंद्र सिंह बसोया को 21 अगस्त तक एनसीबी कस्टडी में भेज दिया है। बसोया को यूएई से भारत लाया गया था और उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ड्रग तस्करी के कथित नेटवर्क को संचालित करने का आरोप है। जांच में पुणे और दिल्ली से बड़ी मात्रा में मेफेड्रोन की बरामदगी हुई है।

एनसीबी के मुताबिक, बसोया इस सिंडिकेट का कथित मास्टरमाइंड था और उसके खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस भी जारी किया गया था। दिल्ली की एक अदालत ने एनसीबी की उस अर्जी को मंजूरी दी थी, जिसमें बसोया की तीन दिन की ट्रांजिट रिमांड मांगी गई थी, ताकि उसे पुणे की अदालत में पेश किया जा सके। इसके बाद रविवार को उसे भारी पुलिस सुरक्षा के बीच पुणे की अदालत में पेश किया गया। अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि आरोपी लंबे समय तक विदेश में रहा था।

राहुल गांधी ने कहा छात्रों की आवाज़ को 'दबाया नहीं जा सकता'

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को उन छात्रों के साहस की तारीफ़ की जिन्होंने कथित पेपर लीक के खिलाफ़ विरोध किया और पुलिस की कार्रवाई का सामना किया। उन्होंने खास तौर पर उन लड़कियों का ज़िक्र किया जिन्हें बीजेपी के गुंडों की बदसलूकी, गाली-गलौज और हिंसा का शिकार होना पड़ा।

गांधी ने सोशल मीडिया पर उन छात्रों के साथ अपनी बातचीत का एक वीडियो शेयर किया, जिन्होंने पिछले महीने पेपर लीक के मुद्दे पर तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफ़े की मांग को लेकर विरोध किया था और 20 जुलाई को कथित पुलिस ज़्यादतियों का सामना किया था। गांधी ने उन छात्रों के अनुभव सुने जिन्होंने आवाज़ उठाने के बाद पुलिस की बर्बरता और उत्पीड़न का सामना किया था। गांधी और छात्रों के बीच यह बातचीत इसी महीने की शुरुआत में हुई थी।

वीडियो के साथ हिंदी में किए गए एक पोस्ट में गांधी ने कहा, भारत के युवाओं ने जिस साहस और मज़बूती के साथ मोदी जी के हिंसक शासन के ख़िलाफ़ खड़े होकर जवाबदेही की मांग की है, वह तारीफ़ के काबिल है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि उन्होंने शांति, प्यार और मज़ाक-मज़ाक में अपनी आवाज़ उठाई। लेकिन अब, उनकी आवाज़ को दबाया नहीं जा सकता। गांधी ने बताया कि 22 अगस्त को पुणे में छात्रों की गूंज नाम का कार्यक्रम हो रहा है, जिसमें वे छात्रों से बातचीत करेंगे और इस बार यह कार्यक्रम सिर्फ़ लड़कियों के लिए होगा।

तृणमूल नेता अनुब्रत मंडल के पूर्व बॉडीगार्ड पर शिकंजा

फ्लैट से 800 ग्राम सोना और लाखों की नकदी मिली

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में पुलिस ने एक बार फिर भारी मात्रा में नकदी और सोना बरामद किया है। तृणमूल कांग्रेस के नेता अनुब्रत मंडल के पूर्व बॉडीगार्ड सैगल हुसैन के बोलपुर स्थित फ्लैट से करीब 800 ग्राम सोना और लगभग 13 लाख रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने हुसैन को गिरफ्तार कर लिया है।

अदालत ने आरोपी को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई बीरभूम के पत्थर माफिया टुलू मंडल से जुड़े एक मामले की जांच के दौरान की गई। बोलपुर के बाइपास इलाके में स्थित हुसैन के फ्लैट पर पुलिस ने तलाशी ली। तलाशी के दौरान नकदी और सोने के अलावा बड़ी संख्या में जमीन के दस्तावेज भी मिले।

बीजेपी में बड़े फेरबदल की तैयारी

नितिन नवीन की नई टीम का आज हो सकता है ऐलान

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। हाल के उपचुनाव में बीजेपी की करारी शिकस्त मिलने के बाद अब नई जानकारी सामने आ रही है। मीडिया सूत्रों के हवाले से जानकारी आ रही है कि कल यानी 17 अगस्त को बीजेपी में बड़े फेरबदल किए जा सकते हैं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन अपनी नई टीम का भी ऐलान कर सकते हैं। बता दें कि हार के उपचुनाव में हार के बाद से नितिन नवीन की लीडरशिप पर सवाल उठने लगे थे। वहीं आगे 2027 में उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात समेत कई राज्यों में चुनाव के बिगुल बजने वाले हैं। ऐसे में वर्तमान हालात को देखते हुए यह फैसला अहम माना जा रहा है।

युवा चेहरे तो मिल सकती है जिम्मेदारी

मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक हाल के जेन-जी आंदोलन को देखते हुए बीजेपी की नई टीम में युवा चेहरों को जिम्मेदारी मिल सकती है ताकि युवाओं की भावना को सही तरीके से समझा जा सके और उस हिसाब से रणनीति बनाई जा सके। बता दें कि हाल के जेन-जी आंदोलन ने सरकार को झुकने को मजबूर कर दिया। यहां तक कि केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान तक को इस्तीफा देना पड़ गया। अब ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आगामी उत्तर प्रदेश समेत 7 राज्यों को विधानसभा चुनाव में जेन-जी को कैसे साधा जाए। यूपी में 15 फीसदी के करीब जेन-जी वोटर्स हैं जो कि चुनाव परिणाम को उलटफेर करने का माद्दा रखते हैं।

बता दें कि 2027 में सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा, मणिपुर, हिमाचल प्रदेश और गुजरात में विधानसभा चुनाव होना है। जो कि नितिन नवीन के लिए बड़ी चुनौती मानी जा रही है। अब इसे देखते हुए नितिन नवीन भी कल यानी 17 अगस्त को अपनी नई टीम का ऐलान कर सकते हैं। इनमें सबसे मुश्किल चुनाव उत्तर प्रदेश का है जिसमें मैनेजमेंट काफी मुश्किल होता है।

कांग्रेस ने महिला आरक्षण की अपील पर मोदी पर निशाना साधा, कहा- फोकस 'मोदी को बचाने' पर है

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा विपक्षी दलों से परिसीमन (डिलिमिटेशन) से जुड़े महिला आरक्षण बिल का समर्थन करने की अपील के एक दिन बाद, रविवार को कांग्रेस ने उन पर ड्रामा करने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने कहा कि सरकार को 2029 के आम चुनावों के लिए लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या के आधार पर 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करना चाहिए।

कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री मोदी की अपील के पीछे की मंशा पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि लाल किले से उपदेश देने के बजाय, उन्हें 2029 के चुनावों के लिए लोकसभा की मौजूदा सदस्य संख्या पर आरक्षण लागू करना चाहिए।

स्वतंत्रता दिवस के भाषण में विपक्षी दलों से पीएम की अपील के बारे में पूछे जाने पर रमेश ने कहा कि घटनाक्रम को समझना ज़रूरी है। उन्होंने बताया कि 1993 में 73वां और 74वां संविधान संशोधन बिल पास किया गया था, जिसके तहत पंचायतों, ज़िला परिषदों, ब्लॉक पंचायतों और नगर पालिकाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई आरक्षण की व्यवस्था की गई थी। रमेश ने बताया कि इसके लिए ज़मीनी काम राजीव गांधी ने किया था और संविधान में यह प्रावधान लाने में उनकी अहम भूमिका थी।

उन्होंने कहा, सितंबर 2023 में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' सर्वसम्मति से पास हुआ था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने ही ज़ोर देकर कहा था कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिला आरक्षण तुरंत लागू किया जाना चाहिए। रमेश ने कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने बार-बार मांग की है कि लोकसभा की 543 सदस्यों वाली मौजूदा संख्या के आधार पर महिला आरक्षण लागू किया जाए, जिसका मतलब है कि महिलाओं के लिए 182 सीटें आरक्षित हों। अचानक, 16 अप्रैल 2026 को रात 11 बजे, जब संसद में परिसीमन के मुद्दे पर चर्चा हो रही थी, 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023' को अधिसूचित (नोटिफाई) कर दिया गया।

सोनिया जी आपके पाप को जनता माफ नहीं करेगी : शाह

वंदे मातरम कैसे रोका, हम सबने देखा; शर्म बची है तो देश से माफी मांगें

चित्तौड़गढ़/ अलवर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के निंबाहेड़ा में कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने वंदे मातरम को भुला दिया था। वंदे मातरम के 150वें साल पर पीएम मोदी ने लाल किले से वंदे मातरम को सम्मान वापस दिलाने का काम किया है।

शाह ने कहा- कांग्रेस की निर्लज्जता देखिए& कांग्रेस पार्टी मुख्यालय पर वंदे मातरम का गान हो रहा था। बीच में ही कांग्रेस की नेत्री सोनिया जी ने कांग्रेस अध्यक्ष को गान रोकने को कहा। यह गान फिर से सम्मान प्राप्त कर रहा है, वो भी सोनिया जी को रास नहीं आता।

गृह मंत्री ने कहा कि सोनिया जी 140 करोड़ की जनता आपको देख रही है। आपके द्वारा किया गया ये पाप इस देश की जनता कभी माफ नहीं करेगी। कांग्रेसियों में जरा भी शर्म बची है तो हाथ जोड़कर बंकिम बाबू की अमर आत्मा और जनता से माफी मांगनी चाहिए। राजस्थान दौरे पर आए अमित शाह ने निंबाहेड़ा में पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। उन्होंने चित्तौड़गढ़ समेत 15 जिलों के 5659 करोड़ के 944 कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

इसके बाद अमित शाह अलवर पहुंचे, जहां ने सरस डेयरी के नए प्लांट का शिलान्यास किया। साथ ही जयपुर डेयरी को आधुनिक करने के काम का भी शिलान्यास किया। अमित शाह ने कहा- राजस्थान में एक दिन में 11 हजार 953 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण- शिलान्यास हुआ है। इसे कहते हैं डबल इंजन की सरकार। शाह ने अलवर मेडिकल कॉलेज का नाम अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से घोषित किया।

शाह ने कहा- गहलोत जी और उनके नेता झगड़ा लगाने में ही लगे हैं। मैं आज कह जाता हूं कि कांग्रेस वालों,आपका सूपड़ा साफ होने वाला है। अमित शाह ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक संकल्प के साथ 'ज्ञान' के विजन को पूरा कर रहे हैं। उन्होंने ज्ञान का अर्थ गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी बताया। उन्होंने कहा कि 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने के लिए इन चारों वर्गों को ताकतवर बनाना जरूरी है।

अलवर में अमित शाह के दौरे को लेकर खैरथल-तिजारा कांग्रेस अध्यक्ष समेत कई नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया है। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि उन्हें रात भर होटल में नजरबंद किया गया।

अलवर में शाह की सभा स्थल की ओर जा रहे कांग्रेस नेता दीनबंधु शर्मा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। दीनबंधु शर्मा ने काले गुब्बारे आसमान में उड़ाने की कोशिश की थी।

बीएसएफ ने बॉर्डर पर पकड़ी हेरोइन, दो पैकेट हुए बरामद

अमृतसर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। संयुक्त कार्रवाई के दौरान बीएसएफ और पुलिस ने बीओपी भरोपाल के पास हेरोइन बरामद की है। बीएसएफ की 181 बटालियन की ए कंपनी के कंपनी कमांडर राकेश नेगी की शिकायत पर गरिंडा थाना पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बरामद हेरोइन का कुल वजन 1 किलो 990 ग्राम है। पुलिस के अनुसार, बीओपी भरोपाल इलाके से हेरोइन के दो पैकेट बरामद होने की सूचना मिलने के बाद जांच अधिकारी एएसआई साहिब सिंह मौके पर पहुंचे। तलाशी के दौरान हेरोइन के अलावा एक मोमी लिफाफा और 203 ग्राम पैकिंग सामग्री भी बरामद हुई।

ड्रग किट से जांच करने पर पदार्थ के हेरोइन होने की पुष्टि हुई। बरामदगी के बाद पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21-सी और 61-85 के तहत मामला दर्ज किया है। फिलहाल आरोपी की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि हेरोइन सीमा क्षेत्र में कैसे पहुंची और इसे वहां कौन छोड़कर गया। वहीं, पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे संभावित सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य सुरागों के आधार पर आरोपी तक पहुंचने का प्रयास कर रही है।

'वंदे मातरम' पर घमासानः बंकिम चंद्र के वंशज ने सोनिया गांधी से की माफी की मांग

बोले- यह लाखों शहीदों का अपमान

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा विधायक और बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के सीधे वंशज सुमित्रो चटर्जी ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस पर 'वंदे मातरम' के पूरे संस्करण को लेकर हुई कथित घटना पर गहरा दुख जताया है। उन्होंने सोनिया गांधी से भारत के नागरिकों, विशेषकर पश्चिम बंगाल के लोगों से बिना शर्त माफी मांगने की अपील की। चटर्जी ने अपने पत्र में 'वंदे मातरम' के ऐतिहासिक महत्व और स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका का उल्लेख करते हुए अरबिंदो, खुदीराम बोस, बिपिन चंद्र पाल, सरला देवी चौधरानी, बाल गंगाधर तिलक और रवींद्रनाथ टैगोर से जुड़े कई ऐतिहासिक प्रसंग भी गिनाए।

'ऐतिहासिक गलती को बेशर्मी से दोहराना'

अपने पत्र में चटर्जी ने लिखा कि जब देश स्वतंत्रता की 80वीं वर्षगांठ मना रहा था और 'पूरा देश मातृभूमि की पूजा में लीन था', उस समय अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) मुख्यालय में हुई घटनाएं 'न केवल दुर्भाग्यपूर्ण थीं, बल्कि एक ऐतिहासिक गलती को बेशर्मी से दोहराना थीं।' उन्होंने कहा कि जब कांग्रेस कार्यकर्ता 'वंदे मातरम' का पूरा संस्करण गा रहे थे, तब सोनिया गांधी की 'स्पष्ट बेचैनी, नाराजगी और इसे रोकने की बार-बार की कोशिशों' ने उन्हें बेहद दुखी किया।

पत्र में भाजपा विधायक ने स्वतंत्रता आंदोलन में 'वंदे मातरम' की भूमिका को भी रेखांकित किया। उन्होंने राष्ट्रवादी नेता बिपिन चंद्र पाल का हवाला देते हुए कहा कि बंगाल विभाजन के बाद यह गीत हर क्रांतिकारी की जुबान पर था। 'स्वदेशी', 'बहिष्कार' और 'वंदे मातरम' आजादी की लड़ाई के जीवंत प्रतीक बन गए थे।

'आपकी असहिष्णुता शहीदों के बलिदान का अपमान'

चटर्जी ने अपने पत्र में लिखा, 'एक आम भारतीय नागरिक, एक देशभक्त और सबसे बढ़कर, ऋषि बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार का सीधा वंशज होने के नाते, मैं आज गहरे दर्द, खालीपन और दुख के साथ यह पत्र लिख रहा हूं।' वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व का जिक्र करते हुए चटर्जी ने अरबिंदो का हवाला दिया। उन्होंने लिखा, 'अरबिंदो ने वंदे मातरम को केवल एक मंत्र नहीं, बल्कि 'देशभक्ति का धर्म' बताया था। चटर्जी ने कहा कि इस मंत्र ने खुदीराम बोस समेत अनगिनत निडर क्रांतिकारियों को फांसी के फंदे का सामना करने और हंसते-हंसते मौत को गले लगाने के लिए प्रेरित किया। आज, स्वतंत्र भारत की धरती पर उसी मंत्र वंदे मातरम के पूरे पाठ के प्रति आपकी असहिष्णुता लाखों शहीदों के बलिदान का गंभीर अपमान लगती है।

1905 के कांग्रेस अधिवेशन से लेकर 1938 तक के प्रसंग गिनाए

चटर्जी ने 1905 के बनारस कांग्रेस अधिवेशन में सरला देवी चौधरानी द्वारा पूरा गीत गाए जाने का भी उल्लेख किया। उन्होंने 1909 में राजद्रोह के मुकदमे के दौरान बाल गंगाधर तिलक को उनके समर्थकों द्वारा 'वंदे मातरम' गाते हुए सुनाए जाने और 1938 में उस्मानिया यूनिवर्सिटी में हुए राष्ट्रवादी छात्र आंदोलन का भी जिक्र किया।

टैगोर और 'वंदे मातरम' के जादुई शब्दों की याद दिलाई

चटर्जी ने 1896 में कलकत्ता में हुए इंडियन नेशनल कांग्रेस के अधिवेशन का भी उल्लेख किया, जहां रवींद्रनाथ टैगोर ने 'वंदे मातरम' गाया था। उन्होंने टैगोर के उन शब्दों को भी दोहराया, जिनमें उन्होंने इस गीत के 'जादुई शब्दों' का जिक्र करते हुए कहा था कि इनमें बाधाओं को तोड़ने और लोगों के दिलों को छूने की शक्ति है।

घरौंडा में हाईटेंशन तार टूटने से कैंटर में दौड़ा करंट, रिटायर्ड फौजी की मौत; 20 झुलसे

करनाल, 16 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के बागड़ धाम दर्शन के लिए निकला श्रद्धालुओं का जत्था रात एक दर्दनाक हादसे का शिकार हो गया। करनाल की घरौंडा की अनोखा कॉलोनी से करीब 60 महिला, पुरुष और बच्चों को लेकर जा रहे कैंटर पर हाईटेंशन बिजली की लाइन टूटकर गिर गई। इस हादसे में रिटायर्ड फौजी नरेश कुमार (47) की करंट लगने से मौत हो गई, जबकि करीब 20 श्रद्धालु झुलस गए। तार के संपर्क में आते ही कैंटर में करंट दौड़ गया और देखते-ही-देखते उसमें आग लग गई। आग लगने के बाद कैंटर के टायर भी तेज धमाके के साथ फट गए। हादसा इतना भयावह था कि कैंटर में सवार लोगों में चीख-पुकार मच गई। कई श्रद्धालुओं ने अपनी जान बचाने के लिए कैंटर से कूदकर खुद को सुरक्षित किया।

आसपास के लोग आवाज सुनकर तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायलों को कैंटर से बाहर निकाला। इसके बाद घायलों को घरौंडा के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद सात गंभीर घायलों को उनकी हालत को देखते हुए करनाल रेफर किया गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की।

घर में उगाई हाइड्रोपोनिक गांजे की फसल, यूट्यूब से तैयार की लैब

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के गणपत पाटिल नगर में हाइड्रोपोनिक (गांजे की फसल) को घर में उगाने का मामला सामने आया है। इसमें कुछ लोगों के द्वारा घर में गांजा उगाया जा रहा था। आरोपियों गांजा उगाने के लिए घर में लैब बनाकर वैज्ञानिक तरीके का इस्तेमाल किया। गांजा लैब तैयार करने के लिए यूट्यूब का सहारा लिया गया। बताया जा रहा है कि यूट्यूब वीडियो देखकर गांजा लैब बनाई गई। पुलिस ने बोरीवली के गणपत पाटिल नगर में हाइड्रोपोनिक खेती की लैब को ध्वस्त कर दिया है। यह लैब गणपत पाटिल नगर के एक कमरे में बनाई गई थी। हाइड्रोपोनिक गांजा तापमान, नमी और पीएच लेवल को कंट्रोल करके और ग्रो एलईडी लाइट सेटअप और दूसरे इक्विपमेंट की मदद से उगाया जाता था। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान 1.62 लाख रुपये की कीमत का 54 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा ज़ब्त किया है। साथ ही, पुलिस ने 2.5 लाख रुपये कीमत का 189 ग्राम गीला गांजा और इक्विपमेंट भी सीज किया है। पुलिस की यह कार्रवाई एमएचबी कॉलोनी में हुई है।

पुलिस की कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस ने इस मामले में बब्बू कामत नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है और मुख्य आरोपी राहुल ठाकुर की तलाश अभी जारी है। अब तक की जांच से पता चला है कि हाइड्रोपोनिक गांजे की लैब एक यूट्यूब वीडियो देखने के बाद बनाई गई थी। फिलहाल पुलिस मामले में आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है।

नेवी नगर में दर्दनाक हादसा

घर में मृत मिला नौसैनिक का परिवार; जांच में जुटी पुलिस

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। 15 अगस्त को जहां पूरे देश आजादी के जश्न में डूबा था वहीं, मुंबई के कोलाबा स्थित नेवी नगर में एक बेहद दुखद घटना सामने आई है। जहां भारतीय नौसेना के एक नाविक, उनकी पत्नी और दो बच्चे अपने आवास पर मृत पाए गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। भारतीय नौसेना ने भी घटना को गंभीरता से लेते हुए जांच में हरसंभव सहयोग देने की बात कही है।

पुलिस के अनुसार, नेवी नगर स्थित आवास में नौसैनिक और उनके परिवार के सदस्यों के मृत पाए जाने की सूचना मिली थी। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से इलाके में शोक और चिंता का माहौल है। फिलहाल पुलिस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आखिर परिवार के साथ क्या हुआ। घटना के कारणों को लेकर अभी पुलिस की ओर से कोई अंतिम जानकारी सामने नहीं आई है। जांच के दौरान पुलिस मौके से जरूरी साक्ष्य जुटाने के साथ-साथ परिवार से जुड़े लोगों और अन्य संभावित प्रत्यक्षदर्शियों से भी जानकारी हासिल करने में जुटी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

ड्यूटी के दौरान अग्निवीर जवान की मौत

बेहद गरीब परिवार से था कुलविंदर तबीयत बिगड़ने से गई जान

बरनाला, 16 अगस्त (एजेंसियां)। विधानसभा हलका भदौड़ के गांव काहनेके में उस समय मातम छा गया, जब गरीब परिवार से ताल्लुक रखने वाले 23 वर्षीय अग्निवीर सैनिक कुलविंदर सिंह की फिरोजपुर में ड्यूटी के दौरान तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। करीब तीन साल पहले सेना की 113 इंजीनियर यूनिट में भर्ती हुए कुलविंदर सिंह की परिवार की आर्थिक स्थिति सुधारने और देश की सेवा करने का सपना लेकर सेना में शामिल हुए थे। उनकी असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। कुलविंदर सिंह की पार्थिव देह तिरंगे में लिपटकर उनके पैतृक गांव काहनेके पहुंची। सेना के अधिकारी लेफ्टिनेंट शिव लोचन के नेतृत्व में सैन्य टुकड़ी ने उन्हें पूरे सैन्य सम्मान के साथ अंतिम सलामी दी। इसके बाद धार्मिक रीति-रिवाजों के अनुसार उनका अंतिम संस्कार किया गया। सेना की ओर से शहीद के माता-पिता और भाई को तिरंगा सौंपा गया। कुलविंदर सिंह के पिता जगसीर सिंह ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर है और परिवार दिहाड़ी मजदूरी कर मुश्किल से गुजारा करता है। उन्होंने बताया कि जब बेटे की तबीयत खराब होने की सूचना मिली तो आर्थिक तंगी के कारण उनके पास फिरोजपुर जाकर बेटे से मिलने तक के लिए किराए के पैसे नहीं थे। उन्होंने कहा कि कुलविंदर ही परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य था। परिवार में अब माता-पिता और एक छोटा भाई रह गए हैं। परिवार ने पंजाब और केंद्र सरकार से आर्थिक सहायता देने तथा परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। ग्रामीणों ने भी सरकार से परिवार की आर्थिक स्थिति को देखते हुए तत्काल सहायता उपलब्ध करवाने की अपील की। थाना रूड़ेके कलां के एसएचओ गुरमिंदर सिंह सहित पुलिस पार्टी ने भी परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। कुलविंदर सिंह के निधन से पूरे गांव और इलाके में शोक की लहर है।

सीसीटीवी में कैद हुई हत्याः कल्याणपुरी में सफाई कर्मचारी को चाकू से वार कर उतारा मौत के घाट, आप ने सरकार को घेरा

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्वी दिल्ली के कल्याणपुरी के 20 ब्लॉक इलाके में सफाई कर्मचारी की चाकू मारकर हत्या किए जाने से सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि सफाई कर्मचारी रोज की तरह अपने काम में व्यस्त था, तभी अचानक एक व्यक्ति वहां पहुंचा और उस पर चाकू से कई वार कर दिए। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में सफाई कर्मचारी काम करता दिखाई देता है और अचानक हमलावर उस पर हमला कर देता है। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है। हत्या के पीछे की वजह क्या रही और वारदात में कोई अन्य व्यक्ति शामिल था या नहीं, इसकी जांच की जा रही है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। राजधानी दिल्ली में काम कर रहे एक सफाई कर्मचारी की इस तरह हत्या किए जाने से सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है

कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने पीएम मोदी को जवाब दिया

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी। चिदंबरम ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'दिमागी नक्सल' वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा, मुझे 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है। चिदंबरम की यह टिप्पणी मोदी की उस चेतावनी के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने 'दिमागी नक्सलियों' के बारे में कहा था कि वे सिस्टम में घुस गए हैं और नीतियों को प्रभावित करके समाज के लिए खतरा बने हुए हैं। प्रधानमंत्री ने नागरिकों से उन्हें पहचानने और अलग-थलग करने का आग्रह किया था।

भारत के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले से बोलते हुए मोदी ने कहा कि देश जंगलों से सशस्त्र नक्सलवाद को खत्म करने में सफल रहा है, लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि इसकी विचारधारा का समर्थन करने वाले लोग हिंसा और अराजकता को बढ़ावा देने के मौके तलाश रहे हैं। इन टिप्पणियों का जवाब देते हुए चिदंबरम ने

एक्स पर लिखाः मुझे 'दिमागी नक्सल' होने पर गर्व है! मोदी ने कहा कि माओवादी सोच वाले लोगों ने सालों से सत्ता के गलियारों में अपनी जगह बना ली है, वे सरकारी समितियों में सलाहकार के तौर पर काम कर रहे हैं और सार्वजनिक नीतियों को प्रभावित कर रहे हैं। उन्होंने इस चुनौती को कम न आंकने की चेतावनी दी और अधिक सतर्कता बरतने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि दशकों के नक्सलवाद और माओवादी हिंसा ने लाखों युवाओं के जीवन और सपनों को बर्बाद कर दिया है। उन्होंने दावा किया कि इस संघर्ष में 3,500 से अधिक पुलिस और सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं; यह संख्या युद्धों में मारे गए सैनिकों की संख्या से भी अधिक है। मोदी ने कहा कि एक समय नक्सलवाद ने हिंसा के जरिए भारत के बड़े हिस्सों और वहां की बड़ी आबादी को अपनी गिरफ्त में ले रखा था। उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आई उनकी सरकार ने नक्सलवाद को खत्म करने को प्राथमिकता दी है।

मोदी ने कहा, दशकों पुरानी चुनौतियों को खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि नक्सलवाद और माओवाद ने लाखों युवाओं का भविष्य बर्बाद किया है, अनगिनत बेटों की जान ली है और परिवारों को तबाह किया है। उन्होंने कहा कि अब नक्सली और माओवादी हिंसा को खत्म किया जा रहा है और जिन इलाकों में कभी उग्रवाद का असर था, वहां हिंसा और खून-खराबे की जगह विकास और तिरंगे ने ले ली है।

आप पार्षद हेमा के पति श्रीचंद वोहरा के खिलाफ संपत्ति विवाद में एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के जैतपुर वार्ड से आम आदमी पार्टी की निगम पार्षद हेमा श्रीचंद वोहरा के पति व आप नेता श्रीचंद वोहरा के खिलाफ संपत्ति विवाद को लेकर मामला दर्ज किया गया है। यह मामला कालिंदी कुंज थाने में दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता राकेश कुमार ने आरोप लगाया है कि जैतपुर एक्सटेंशन पार्ट-आईआई स्थित एक संपत्ति का ग्राउंड फ्लोर उन्होंने श्रीचंद वोहरा को अस्थायी उपयोग के लिए दिया था। आरोप है कि कई बार कहने के बाद भी फ्लैट खाली नहीं किया और उल्टे उन्हें जान से मारने व झूठे आपराधिक मामलों में फंसाने की धमकी दी गई। पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ और उपलब्ध दस्तावेजों की जांच व सत्यापन के बाद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

'बासी और बदबूदार चिकन', कस्टमर की शिकायत पर कर्नाटक एफडीए का एक्शन; केएफसी आउटलेट किया सील

बेंगलुरु, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंगलुरु में केएफसी का एक आउटलेट तब जांच के दायरे में आ गया, जब एक ग्राहक की शिकायत के बाद फूड सेफ्टी अधिकारियों ने अचानक वहां जाकर जांच की। ग्राहक ने आरोप लगाया था कि रेस्टोरेंट ने बदबूदार चिकन बेचा था। एक कस्टमर ने आउटलेट से ऑनलाइन चिकन पेरी-पेरी लेग्स ऑर्डर किया और जब ऑर्डर मिला तो वह बासी और बदबूदार था। इसके बाद ग्राहक ने शिकायत दर्ज की। शिकायत पर कार्रवाई करते हुए फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने आउटलेट पर छापा मारा।

बच्चों की मांग पर बना स्कूल

अब प्रियंका गांधी करेंगी उद्घाटन; सीएम सुक्खू बोले- निजी दौरा

शिमला, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के हिमाचल प्रदेश दौरे को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया है कि यह उनका कोई आधिकारिक कार्यक्रम नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रियंका गांधी निजी दौरे पर हिमाचल आई हैं और इसी दौरान वह एक स्कूल भवन का उद्घाटन करेंगी। सीएम सुक्खू के अनुसार यह वही स्कूल परियोजना है, जिसे प्रियंका गांधी ने शुरू करवाने के निर्देश दिए थे। उन्होंने बताया कि आपदा के दौरान प्रियंका गांधी ने संबंधित क्षेत्र का दौरा किया था। उस समय वहां के स्कूली बच्चों ने उनसे नया स्कूल भवन बनवाने का आग्रह किया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों की मांग के बाद स्कूल भवन के निर्माण की दिशा में काम किया गया और अब भवन तैयार हो चुका है।

प्रियंका गांधी इसी भवन का उद्घाटन करने पहुंचेंगी। सुक्खू ने कहा कि प्रियंका गांधी के इस दौरे को सरकार की ओर से किसी आधिकारिक कार्यक्रम के तौर पर निर्धारित नहीं किया गया है। वह निजी तौर पर स्कूल पहुंचकर बच्चों से मुलाकात करेंगी और उनसे बातचीत करने के बाद वापस लौट जाएंगी। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि प्रियंका गांधी का कार्यक्रम मुख्य रूप से बच्चों से संवाद और तैयार स्कूल भवन के उद्घाटन तक सीमित है। उनके दौरे को लेकर किसी सरकारी समारोह का आयोजन नहीं किया गया है। पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शिमला के रिज मैदान पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यमंत्री ने वाजपेयी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर देश और हिमाचल प्रदेश के लिए उनके योगदान को याद किया। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी का हिमाचल प्रदेश से विशेष आत्मीय संबंध रहा। वह मनाली स्थित अपने आवास पर समय-समय पर छुट्टियां बिताने आते थे। हिमाचल की प्राकृतिक सुंदरता से उनका गहरा लगाव रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वाजपेयी ऐसी राजनीति में विश्वास रखते थे, जिसमें सभी को साथ लेकर आगे बढ़ने की भावना थी। उन्होंने कहा कि वर्तमान राजनीतिक दौर में इस तरह की राजनीति कम देखने को मिलती है।

मां से पूछो पिता कौन हैं

सीएम विजय पर तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष का विवादित बयान, विपक्ष बोला- हदें पार कर दी

चेन्नई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष नैनार नागेंद्रन ने सूबे के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को निशाना बनाते हुए एक ऐसी टिप्पणी की है जिससे राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। नागेंद्रन ने सीएम की पैदाइश पर सवाल उठाए हैं।

उन्होंने कहा कि जब लोग घर में पिता को ढूंढते हैं और वह नहीं मिलते, तो उन्हें घर पर मां से पूछना चाहिए कि पिता कौन हैं। उनका ये बयान सुर्खियों में आ गया है, वहीं नागेंद्रन विवादों में घिर गए हैं। बीजेपी के प्रदेश मुख्यालय कमलालयम में एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने विजय के हालिया राजनीतिक बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए नैनार नागेंद्रन ने कहा 'जब लोग सदन में पिता को खोजते हैं और उन्हें नहीं पाते, तो उन्हें घर जाकर मां से पूछना चाहिए कि पिता कौन हैं।

उनके इस बयान के बाद राजनीतिक दलों और नेताओं ने कड़ी आपत्ति जताई। नेताओं ने बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पर राजनीतिक चर्चा की सीमा पार करने और अपमानजनक व्यक्तिगत टिप्पणी करने का आरोप लगाया। मंत्री राजमोहन ने इसे असभ्य और अनुचित करार

दिया है। उन्होंने कहा कि विजय ने भी अपने साथियों को सलाह दी थी कि उकसावे और निजी हमलों के बावजूद राजनीति में मर्यादा बनाए रखनी चाहिए। स्थानीय मीडिया के अनुसार नागेंद्रन के खिलाफ डीजीपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई गई है। नैनार नागेंद्रन की टिप्पणी पर बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के। अन्नामलाई ने भी नाराजगी जताई। वहीं अन्नामलाई ने कहा कि यह टिप्पणी राजनीतिक मर्यादा की सीमा पार करती है। उन्होंने कहा कि सरकार से सवाल करना और राजनीतिक मतभेद लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन किसी नेता के परिवार, खासकर उसकी मां को लेकर व्यक्तिगत टिप्पणी करना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने ऐसी राजनीति को निम्न स्तर का बताया और कहा कि नेताओं को युवाओं और बच्चों के सामने इस तरह का उदाहरण पेश नहीं करना चाहिए। दरअसल विजय ने अप्रैल 2026 के विधानसभा चुनाव में डीएमके की हार के बाद विधानसभा में कुट्टी कथाई यानी एक कहानी सुनाई थी। उन्होंने डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन पर निशाना साधने के लिए इस कहानी का इस्तेमाल किया था। जिसमें उन्होंने मजाकिया अंदाज में विपक्ष के नेता के पिता के ठिकाने का जिक्र किया था। यह कोलाथुर विधानसभा क्षेत्र में स्टालिन की चुनावी हार की तरफ इशारा था। डीएमके सहित कई राजनीतिक दलों ने विजय की इस टिप्पणी की आलोचना की थी। इस बीच विवाद बढ़ने के बाद नैनार नागेंद्रन ने सफाई दी है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि उनका बयान किसी को निशाना बनाकर या किसी गलत मंशा से नहीं दिया गया था। उन्होंने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक फायदे के लिए उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि वह मां, मातृभूमि और मातृभाषा के प्रति गहरी चिंता और सम्मान रखने वाले व्यक्ति हैं।

देवगढ़ में बाढ़ के बीच जिंदगी की जंग, गर्भवती को गोद में उठाकर नाला पार कराया एंबुलेंस में गूंजी किलकारी

भुवनेश्वर (ओडिशा), 16 अगस्त (एजेंसियां)। भुवनेश्वर के देवगढ़ जिले में लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है। बारकोट ब्लॉक के कालियापाल गांव में रविवार को बाढ़ के पानी ने एक गर्भवती महिला की राह रोक दी। टांकुजुरा नाले में पानी का तेज बहाव होने के कारण 108 एंबुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी। ऐसे में आशा दीदी और परिवार के सदस्यों ने गर्भवती को गोद में उठाकर जोखिम के बीच नाला पार कराया। अस्पताल ले जाने के दौरान महिला ने एंबुलेंस में ही एक बेटे को जन्म दे दिया। कालियापाल गांव निवासी संतोष नायक की पत्नी पद्मिनी शबर को रविवार सुबह प्रसव पीड़ा शुरू हुई। संतोष ने तत्काल 108 एंबुलेंस को फोन किया। एंबुलेंस समय पर पहुंच भी गई, लेकिन गांव के पास टांकुजुरा नाले के पुल के ऊपर बाढ़ का पानी बहने के कारण आगे नहीं बढ़ सकी। पुल पर घुटने तक पानी होने से एंबुलेंस को बीच रास्ते में ही रोकना पड़ा।इसके बाद आशा दीदी और स्वजन ने गर्भवती को उठाकर नाला पार कराया और एंबुलेंस तक पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने में हुई देरी के बीच पद्मिनी ने एंबुलेंस में ही बच्चे को जन्म दे दिया।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सोमवार, 17 अगस्त, 2026 3

सुविचार: अगर आप गलत हो या आपसे गलती हो जाए तो तुरंत माफी मांग ले यही सज्जनता है।

केंद्र को बीसी समुदाय की व्यापक जाति जनगणना करानी चाहिए: पोन्नम

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने मांग की है कि केंद्र सरकार राष्ट्रव्यापी जनगणना के हिस्से के रूप में पिछड़े वर्गों (बीसी) की व्यापक जाति जनगणना कराए। उन्होंने केंद्र से आग्रह किया कि यदि भाजपा सरकार वास्तव में बीसी समुदाय के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है, तो जनगणना में 1 अप्रैल, 2025 को घोषित किए गए अनुसार बीसी समुदाय से संबंधित विवरणों को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए। रविवार को गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए, पोन्नम प्रभाकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौती दी, जो खुद को बीसी समुदाय से संबंधित बताते हैं, कि वे इस बात का स्पष्ट हिसाब दें कि उनकी सरकार ने पिछले 12 वर्षों में बीसी समुदाय के कल्याण के लिए क्या किया है। उन्होंने केंद्र से कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए की गई कम से कम एक प्रमुख पहल का नाम बताने को भी कहा।

मंत्री ने केंद्र द्वारा जारी जनगणना प्रश्नावली में ब्रिटिश कोलंबिया से संबंधित आंकड़ों के व्यापक संग्रह के प्रावधानों के अभाव पर कड़ी आपत्ति जताई। पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि जब शुरू में 32 प्रश्नों के साथ घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया गया था, तो प्रश्न संख्या 13 में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) का विवरण मांगा गया था, लेकिन बीसी से संबंधित कोई प्रश्न नहीं था।

उन्होंने याद दिलाया कि केंद्र ने बाद में आश्वासन दिया था कि दूसरे चरण में श्रेणीवार विवरण एकत्र किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी हैदराबाद आए थे, तब उन्होंने उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क के साथ मिलकर उन्हें जनगणना आवेदन का प्रारूप समझाया था और आदिवासी समुदाय के साथ हो रहे अन्याय की ओर उनका ध्यान दिलाया था।

उन्होंने कहा कि हालांकि प्रधानमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया था कि दूसरे चरण में व्यापक आंकड़े एकत्र किए जाएंगे, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि केंद्र द्वारा हाल ही में जारी किए गए 40 प्रश्नों में भी अन्य पिछड़ा वर्ग शब्द का स्पष्ट उल्लेख नहीं है। पोन्नम प्रभाकर ने कहा, यह बेहद आपत्तिजनक है कि 40 प्रश्नों में ओबीसी शब्द को शामिल नहीं किया गया है। उन्होंने केंद्र के रुख की कड़ी निंदा की और मांग की कि ब्रिटिश कोलंबिया से संबंधित आंकड़ों के व्यापक संग्रह को सुनिश्चित करने के लिए जनगणना प्रश्नावली को तत्काल संशोधित किया जाए। मंत्री ने कहा कि बीसी समुदाय की आबादी और उनकी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक स्थितियों पर विश्वसनीय आंकड़े सरकार के लिए उनके विकास हेतु उचित नीतियां और कल्याणकारी कार्यक्रम तैयार करने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने आगे कहा कि आरक्षण पर मौजूदा 50 प्रतिशत की सीमा को हटाने की मांग के लिए सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत करने के लिए विश्वसनीय सांख्यिकीय आंकड़े महत्वपूर्ण होंगे। उन्होंने आगे कहा कि आदिवासी समुदाय की जनसंख्या के सटीक आंकड़ों और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों के वैज्ञानिक रूप से एकत्रित आंकड़ों के बिना आरक्षण से संबंधित कानूनी बाधाओं को दूर करना मुश्किल होगा।

मुख्यमंत्री के खिलाफ जनता का असंतोष बढ़ता जा रहा है: क्रांति किरण

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी के पूर्व विधायक क्रांति किरण ने रविवार को इस बात को शर्मनाक बताया कि राजनीति राज्य की जनता की समस्याओं को सुलझाने के बजाय बीआरएस नेताओं के निजी मामलों पर केंद्रित हो रही है। उन्होंने शहर के तेलंगाना भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह बात कही। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, जिन्होंने अपने ढाई साल के कार्यकाल में विपक्षी नेताओं के खिलाफ झूठे प्रचार और जुबानी हमले किए हैं, कब तक इस तरह की घटिया राजनीति करते रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि रेवंत रेड्डी के खिलाफ जनता का असंतोष बढ़ता जा रहा है। उन्होंने राज्य सरकार पर सूखे से निपटने की रणनीति बनाने के बजाय तांत्रिक अनुष्ठानों के बारे में निराधार कहानियां फैलाकर ध्यान भटकाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। उन्होंने सत्ताधारी दल को चुनौती देते हुए पूछा कि क्या कांग्रेस के मंत्री और शीर्ष नेता मंदिरों में नहीं जाते? उन्होंने पूछा कि क्या मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी स्वयं विपक्ष में रहते हुए मंदिरों में नहीं जाते और पूजा-अर्चना नहीं करते? उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी को कभी संदेह नहीं हुआ कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी अपनी यात्राओं के दौरान केसीआर के पतन या राज्य में जल संकट और सूखे की स्थिति के लिए प्रार्थना कर रहे थे। उन्होंने राज्य सरकार की हर मुद्दे का राजनीतिकरण करके अपने स्वार्थ साधने की आलोचना की। उन्होंने सूखे, पेयजल की कमी और बिजली आपूर्ति की समस्याओं के साथ-साथ गांवों में खराब सड़क स्थितियों और यूरिया ऐप के कारण किसानों को हो रही कठिनाइयों को उजागर किया। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर द्वारा शुरू की गई सभी कल्याणकारी योजनाओं को रोकने के लिए भी राज्य सरकार की आलोचना की।

सूर्यापेट में एपीएसआरटीसी बस ने प्राइवेट बस को टक्कर मारी

तीन लोग घायल

नलगोंडा, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह सूर्यापेट के अकुपमुला में एनएच 65 पर एक एपीएसआरटीसी बस के प्राइवेट ट्रैवल्स बस को पीछे से टक्कर मारने के बाद तीन लोगों को मामूली चोटें आईं।

हादसा तब हुआ जब प्राइवेट ट्रैवल्स बस नरसापुर से हैदराबाद जा रही थी। खबरों के मुताबिक, एपी की बस एलुरु से हैदराबाद जा रही थी, तभी अकुपमुला में उसने प्राइवेट बस को पीछे से टक्कर मार दी। दोनों बसों में कुल 63 यात्री यात्रा कर रहे थे। अधिकारियों ने राहत की सांस ली क्योंकि किसी की जान नहीं गई। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि आरटीसी बस का ड्राइवर केबिन के अंदर फँस गया। फायर डिपार्टमेंट और पुलिस कर्मियों ने क्षतिग्रस्त केबिन से उसे बाहर निकाला। अधिकारियों ने आरटीसी बस ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए दो घंटे से ज़्यादा समय तक मशक्कत की।

स्मार्ट राशन कार्ड से कल्याणकारी योजनाओं का वितरण अधिक पारदर्शी होगा : अजहरुद्दीन

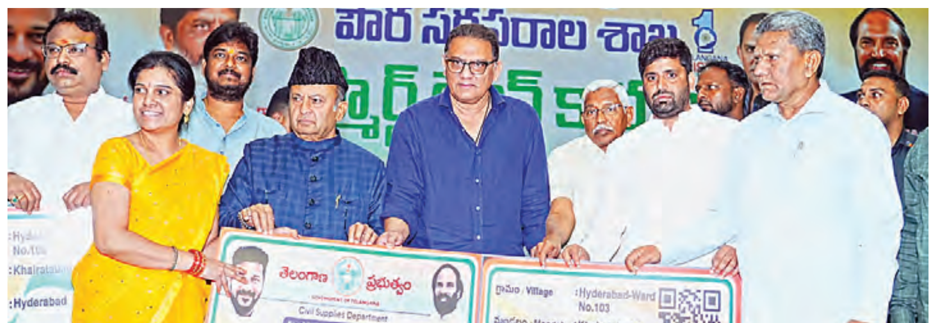

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अल्पसंख्यक कल्याण एवं सार्वजनिक उद्यम मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि तेलंगाना सरकार खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और प्रत्येक पात्र परिवार को पारदर्शी, कुशल और समयबद्ध तरीके से कल्याणकारी लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री रविवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित कोमरम भीम आदिवासी भवन में स्मार्ट राशन कार्ड वितरण कार्यक्रम में बोल रहे थे। सभा को संबोधित करते हुए मोहम्मद अजहरुद्दीन ने कहा कि स्मार्ट राशन कार्डों का वितरण सार्वजनिक वितरण प्रणाली के आधुनिकीकरण और लाभार्थियों के लिए सरकारी सेवाओं को अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि नए स्मार्ट राशन कार्ड लाभार्थियों को अपने राशन कार्ड की जानकारी को साथ रखने और आसानी से देखने में मदद करेंगे, जबकि डिजिटलीकरण से पुरानी राशन पुस्तिकाओं से जुड़ी कठिनाइयां कम होंगी। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शिक्षा को विशेष महत्व दे रहे हैं और कल्याणकारी योजनाओं के वितरण में सुधार के लिए कई उपाय कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, कांग्रेस सरकार ने जनता से वादे किए हैं और हम उन वादों को पूरा करने के लिए पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं। कल्याणकारी योजनाएं पात्र लाभार्थियों तक सीधे, पारदर्शी तरीके से और बिना किसी अनावश्यक कठिनाई के पहुंचनी चाहिए। मंत्री ने लाभार्थियों से स्मार्ट राशन कार्ड और सरकारी कल्याण कार्यक्रमों का पूरा लाभ उठाने का आग्रह किया। कार्यक्रम में सांसद अनिल कुमार यादव, एमएलसी कोदंडराम, एमएलसी मिर्जा रहमत बेग, एआईएमआईएम विधायक मीर जुल्फिकार अली और कौसर मोहिउद्दीन, जुबली हिल्स विधायक नवीन यादव, खैरताबाद विधायक दानम नागेंद्र और श्री गणेश, हैदराबाद जिला कलेक्टर प्रियंका आला, अतिरिक्त कलेक्टर (स्थानीय निकाय) जितेंद्र रेड्डी, आरडीओ सिकंदराबाद साईराम, नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारी और लाभार्थी उपस्थित थे।

सांसद रघुनंदन राव ने जिम्नास्टिक एसोसिएशन की बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जिम्नास्टिक एसोसिएशन के अध्यक्ष और मेडक से सांसद माधवनेनी रघुनंदन राव ने आज एसोसिएशन की कार्यकारी समिति की बैठक में भाग लिया और विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक के दौरान वाई. रविंदर को सह-अध्यक्ष के रूप में नामित किया गया, जबकि वामशी कृष्णा और मुस्तफा को सह-संयुक्त सचिव के रूप में नामित किया गया। चर्चा में राज्य में जिम्नास्टिक के विकास, युवा एथलीटों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों और जिला स्तरीय अकादमियों को मजबूत करने पर भी ध्यान केंद्रित किया गया।

खाद्य और औषधि विनियमन को मजबूत करने के लिए टीजी सेफ की स्थापना

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण विभागों को एक एकीकृत प्रशासनिक ढांचे के तहत विलय करके तेलंगाना खाद्य और आवश्यक औषधि मानक प्राधिकरण (टीजी सेफ) की स्थापना की है। इस नए प्राधिकरण का उद्देश्य खाद्य पदार्थों, दवाओं और सौंदर्य प्रसाधनों के विनियमन को मजबूत करना है, जिसमें लाइसेंसिंग, निरीक्षण, नमूनाकरण, परीक्षण और प्रवर्तन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। टीजी सेफ में औषधि प्रशासन, खाद्य सुरक्षा, प्रवर्तन, कानूनी एवं अभियोजन, प्रयोगशाला और प्रशासन के लिए अलग-अलग विभाग होंगे। अनियमितताओं और मिलावटों के खिलाफ निगरानी बढ़ाने के लिए, टीजी सेफ खुफिया जानकारी और जोखिम के आधार पर निरीक्षण करेगा। पुलिस महानिदेशक प्रवर्तन गतिविधियों में सहयोग के लिए प्राधिकरण को पुलिस कर्मियों की तैनाती करेंगे। पहले चरण में, टीजी सेफ का संचालन क्योर क्षेत्र में शुरू किया जाएगा, जहां बड़ी संख्या में खाद्य व्यवसाय और दवा से संबंधित प्रतिष्ठान स्थित हैं। सरकार खाद्य एवं औषधि नियामक प्रणाली के आधुनिकीकरण के लिए राज्य स्तरीय समिति का गठन भी करेगी। यह समिति परीक्षण, खुफिया जानकारी जुटाने, डेटा विश्लेषण, कानूनी सहायता और प्रयोगशाला अवसंरचना को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित करेगी। टीजी सेफ की स्थापना का उद्देश्य जन स्वास्थ्य और उपभोक्ता सुरक्षा को अधिक प्राथमिकता देना है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी जीओ एमएस संख्या 67 के अनुसार, नए प्राधिकरण से संबंधित आदेश 15 अगस्त, 2026 से लागू होंगे। सरकार ने अविनाश मोहंती को टीजी सेफ का आयुक्त नियुक्त किया है और उन्हें अतिरिक्त जिम्मेदारियां सौंपी हैं। मोहंती वर्तमान में औषधि नियंत्रण प्रशासन के महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। एकीकृत नियामक ढांचे के हिस्से के रूप में, टीजी सेफ कमिश्नर खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण दोनों विभागों पर प्रशासनिक नियंत्रण रखेंगे। तेलंगाना सरकार ने अविनाश मोहंती को तेलंगाना सेफ्टी अथॉरिटी (टीजी एसएएफई) का आयुक्त नियुक्त करने की औपचारिक अधिसूचना जारी कर राजपत्र में घोषणा कर दी है।

इरिसेट में देशभक्ति की भावना के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी और दूरसंचार संस्थान (इरिसेट) सिकंदराबाद, परिसर में 80वां स्वतंत्रता दिवस, हर्षोल्लास एवं देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर महानिदेशक/इरिसेट पीयूष कुमार गुप्ता ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने से पूर्व राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का सामूहिक गायन किया गया। तत्पश्चात् इस अवसर पर संकाय, कर्मचारियों एवं प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए महानिदेशक, पीयूष कुमार गुप्ता ने बताया कि संस्थान द्वारा भारतीय रेल के सिगनल एवं दूरसंचार प्रोफेशनल्स के अतिरिक्त क्रॉस-फंक्शनल विभागों तथा उद्योग जगत से जुड़े हितधारकों के लिए भी नए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने की पहल की गई है। संस्थान द्वारा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग, कवच, लॉन्ग टर्म इवैल्यूएशन, डेटा साइंस एवं एआई एप्लीकेशंस, क्लाउड कंप्यूटिंग, बिग डेटा एनालिसिस तथा साइबर सुरक्षा जैसी आधुनिक तकनीकों पर प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा हैं, ताकि रेलवे द्वारा इन तकनीकों को प्रभावी एवं कुशलतापूर्वक अपनाया जा सके। महानिदेशक ने यह भी बताया कि प्रशिक्षण संबंधी प्रमुख कार्यनिष्पादन संकेतकों, जैसे आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या, प्रशिक्षित प्रशिक्षुओं की संख्या तथा प्रशिक्षु-दिनों की संख्या में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इसके उपरांत महानिदेशक ने परेड की सलामी ली। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षुओं एवं कर्मचारियों द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए गए।

महिला शिक्षक भावी भारत की निर्माता हैं: न्यायमूर्ति जी. राधारानी

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कई वक्ताओं ने यह मत व्यक्त किया कि बच्चों को शिक्षित करने और उन्हें भविष्य के भारत के नागरिक के रूप में ढालने की गंभीर जिम्मेदारी शिक्षकों पर, और विशेष रूप से महिला शिक्षकों पर है। रविवार को टीएस-यूटीएफ द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय महिला शिक्षक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए, सेवानिवृत्त उच्च न्यायालय न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. राधारानी ने कहा कि संविधान द्वारा प्रदत्त अनेक अधिकारों का पूर्णतः कार्यान्वयन नहीं हो रहा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि प्रत्येक महिला को विशिष्ट अधिकार प्राप्त हैं और कहा कि इन अधिकारों को पूर्णतः समझकर और विद्यार्थियों को उचित शिक्षा देकर शिक्षक उन्हें सर्वांगीण व्यक्तित्व के रूप में ढाल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आज के प्रौद्योगिकी-प्रधान समाज में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, विभिन्न सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाएं महिलाओं को पीछे धकेल रही हैं। उन्होंने प्रत्येक महिला शिक्षक से संविधान और राजनीति की व्यापक समझ प्राप्त करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में बोलते हुए, एआईडीडब्लूए की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मरियम धवाले ने मौजूदा सरकारों द्वारा अपनाई गई जनविरोधी नीतियों के कारण आम जनता, विशेषकर महिलाओं द्वारा झेली जा रही गंभीर कठिनाइयों और श्रम शोषण पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि एसबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, महिलाओं के अवैतनिक घरेलू श्रम का आर्थिक मूल्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का कम से कम 6% है। उन्होंने आगे कहा कि रोजगार के साथ-साथ घर-परिवार संभालने का बोझ महिलाओं के स्वास्थ्य पर भारी पड़ता है। उन्होंने केंद्र सरकार की नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की आलोचना करते हुए इसे प्रतिगामी बताया और तर्क दिया कि यह शिक्षा प्रणाली के निगमीकरण, निजीकरण और सांप्रदायिकरण (भगवाकरण) का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने बताया कि केंद्र की शिक्षा विरोधी नीतियों के कारण 10% से 20% लड़कियां उच्च शिक्षा प्राप्त करने में असमर्थ हैं और लगभग 20% बच्चे स्कूल से बाहर हैं या पढ़ाई छोड़ चुके हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा 2023-24 के लिए जारी आंकड़ों का हवाला देते हुए उन्होंने चिंता व्यक्त की कि देश भर में दस लाख से अधिक छात्र पढ़ाई छोड़ चुके हैं और एक लाख से अधिक सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सबसे अधिक स्कूल बंद होने वाले राज्यों की सूची में जम्मू-कश्मीर सबसे ऊपर है, जिसके बाद असम, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र शीर्ष दस राज्यों में शामिल हैं।

इब्राहिमपट्टनम श्री नेचर्स वैली रिसोर्ट मे कुमावत समाज उप्पल काँचवानी सिंगारम द्वारा आयोजित सावन की सैर मे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम, खेल-कूद व भोजन कार्यक्रम मे उपस्थित समाज बन्धु व महिलाएँ ।

सीएम बोले- बीआरएस ने सरकार गिराने के लिए तंत्र-मंत्र कराया

नेता कर्नाटक-तमिलनाडु के मंदिरों में जाकर पूजा कर रहे

संगारेड्डी, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने शनिवार को भारतीय राष्ट्र समिति नेताओं पर कांग्रेस सरकार को बदनाम करने के लिए तंत्र-मंत्र कराने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नेताओं ने राज्य में सूखा, किसानों की परेशानी और कांग्रेस सरकार के गिरने की प्रार्थना की।

उन्होंने बिना नाम लिए बीआरएस विधायक पर कर्नाटक और तमिलनाडु के मंदिरों में जाकर तंत्र-मंत्र कराने का आरोप लगाया। सीएम ने यह बात संगारेड्डी में एक कार्यक्रम में कही। तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ ने भी 4 अगस्त को आरोप लगाया था कि हरीश राव ने राज्य में बारिश रोकने के लिए क्षुद्र पूजा (तंत्र-मंत्र) की थी।

दूसरी ओर बीआरएस विधायक हरीश राव ने सीएम के आरोपों पर पलटवार करते हुए उन पर स्वतंत्रता दिवस के दिन झूठ बोलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, अधूरी किसान कर्जमाफी और खाद की कमी जैसे मुद्दे लगातार उठाते रहे हैं, इसलिए सीएम उनके खिलाफ ऐसे बयान दे रहे हैं। वह किसानों, बेरोजगार युवाओं और छात्रों की आवाज उठाते रहेंगे।

उन्होंने सीएम के आरोपों को लेकर मानहानि का मुकदमा दायर करने की बात भी कही। इससे पहले 13 अगस्त को भी सीएम रेड्डी ने आरोप लगाया था कि बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस सरकार को बदनाम करने के लिए तंत्र-मंत्र और काला जादू कराया।

फल बेचने वाले और उसके भाई पर हमले के मामले में 12 लोगों पर केस दर्ज

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। फिल्म नगर पुलिस ने फल बेचने वाले शेख मुबारक अली और उनके भाई मुशर्रफ अली पर कथित हमले के बाद 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना दोनों गुटों के बीच पहले से चल रहे विवाद का नतीजा थी। शिकायत करने वालों का आरोप है कि 10 अगस्त को मोहन कोल्लापुरी, अशोक और उनके साथी उनकी दुकान पर आए, गाली-गलौज की और उन्हें धमकाया। पुलिस ने बताया कि दोनों गुटों के बीच पहले भी इसी मुद्दे पर तीन बार झगड़ा हो चुका था। शिकायत के आधार पर फिल्म नगर पुलिस ने 12 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया और जांच शुरू कर दी।

बंडलागुड़ा स्थित एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोसिएशन सीरवी समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित 15 अगस्त झंडा रोहण कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष वेनाराम चोयल, उपाध्यक्ष धनाराम देवड़ा, चोगालाल गेहलोत, सहसचिव मोहनलाल चोयल, कोषाध्यक्ष लक्ष्मणराम परिहार, सहकोषाध्यक्ष स्वरुपराम पँवर, सलाहकार देवाराम, जगदीश प्रसाद काग, डायाराम सोलंकी, मनोनित सदस्य जुगराज सोलंकी, पदाधिकारी व समाज बन्धु ।

अचानक आग का गोला बनी यात्री बस, धू-धू कर जली; बस स्टैंड में मची अफरा-तफरी, बड़ा हादसा टला

मुजफ्फरपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर बिहार के सबसे बड़े बस पड़ाव बैरिया बस स्टैंड में रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब बस स्टैंड में खड़ी एक यात्री बस में अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी बस धू-धू कर जलने लगी। आग लगने और तेज धुआं उठने के बाद मौके पर स्थानीय लोगों और यात्रियों के बीच अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। लोग पानी लाकर बस में लगी आग पर काबू पाने का प्रयास करने लगे। इस दौरान पूरे आसमान में काले धुएं का गुबार छा गया। आग की लपटें उठती देख बस स्टैंड पर मौजूद यात्रियों और बस कर्मियों के बीच हड़कंप मच गया। इस दौरान आसपास खड़ी अन्य बसों को भी वहां से हटा दिया गया, ताकि आग की चपेट में आने से उन्हें नुकसान न हो। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गई।

प्रणब मुखर्जी ने नमन किया था विक्रमशिला

अब द्रौपदी मुर्मु करेंगी वीर तिलकामांझी की प्रतिमा का अनावरण

भागलपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। ऐतिहासिक अंग की धरती एक बार फिर देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद के स्वागत के लिए तैयार हो रही है। करीब नौ वर्ष के लंबे अंतराल के बाद भागलपुर में दूसरी बार देश के राष्ट्रपति के कदम पड़ने जा रहे हैं। वर्ष 2017 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने प्राचीन ज्ञान के केंद्र विक्रमशिला की धरती को नमन किया था।

आगामी 2 सितंबर को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के भागलपुर आने का आधिकारिक कार्यक्रम प्रस्तावित है। वह तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय (टीएमबीयू) के प्रशासनिक भवन परिसर में स्वतंत्रता आंदोलन के महानायक अमर शहीद वीर तिलकामांझी की आदमकद प्रतिमा का अनावरण करेंगी। वर्ष 2017 (प्रणब मुखर्जी) 3 अप्रैल 2017 को तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी कहलगांव स्थित प्राचीन विक्रमशिला विश्वविद्यालय के पुरावशेषों को देखने पहुंचे थे, जिसने अंग क्षेत्र की प्राचीन शैक्षणिक विरासत को वैश्विक पहचान दिलाई। वर्ष 2026 (द्रौपदी मुर्मु) अब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु अंग क्षेत्र के उस वीर जननायक की विरासत को राष्ट्रीय पटल पर स्थापित करेंगी, जिन्होंने ब्रिटिश हुकूमत की चूलें हिला दी थीं।

यह विश्वविद्यालय के इतिहास का भी सबसे गौरवशाली क्षण होगा, क्योंकि द्रौपदी मुर्मु टीएमबीयू परिसर में कदम रखने वाली देश की पहली राष्ट्रपति बनेंगी। प्रतिमा स्थापना की पूरी पृष्ठभूमि साझा करते हुए अमर शहीद तिलकामांझी प्रतिमा स्थापना समिति के सचिव डॉ. मृत्युंजय सिंह गंगा ने बताया कि वर्ष 2024 की सीनेट बैठक में तत्कालीन सिंडिकेट सदस्य सह एमएलसी डॉ। संजीव सिंह ने विश्वविद्यालय परिसर में तिलकामांझी की प्रतिमा स्थापित करने का ठोस प्रस्ताव रखा था। इसके बाद विश्वविद्यालय स्तर पर एक उच्चस्तरीय निर्माण समिति गठित की गई। प्रतिमा निर्माण पूर्ण होने के बाद इसे राष्ट्रपति के हाथों लोकार्पित कराने का प्रयास शुरू हुआ।

राजभवन में आयोजित एक समारोह के दौरान तत्कालीन कुलपति प्रो। जवाहर लाल की मुलाकात राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से हुई। जैसे ही राष्ट्रपति को ज्ञात हुआ कि वे तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय से हैं, उन्होंने वीर तिलकामांझी के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की।

17 अगस्त को पटना आएगी केंद्रीय टीम, इन जिलों के खनिज ब्लॉकों की नीलामी की प्रक्रिया चल रही है

पटना, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में खनिज संसाधनों की तलाश अब बड़े स्तर पर रंग लाती नजर आ रही है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की रिपोर्ट के आधार पर राज्य में चिह्नित 14 वृहद खनिज ब्लॉकों को नीलामी के लिए आगे बढ़ाया जा रहा है। गया और रोहतास में कई महत्वपूर्ण खनिजों के भंडार मिलने से राज्य में खनन आधारित उद्योगों और निवेश की नई संभावनाएं बनी हैं। विशेषज्ञों की मानें तो इन खनिज ब्लॉकों के विकसित होने के बाद भविष्य में करीब 5,000 करोड़ रुपये का राजस्व मिल सकता है। खनिज सर्वेक्षण में गया जिले के खिजरसराय प्रखंड के सपनेरी और रोश्याटी तथा बांकेबाजार प्रखंड की लुटुआ पंचायत के आसपास खनिज ब्लॉक चिह्नित किए गए हैं। यहां मैग्नेटाइट समेत धात्विक खनिजों की मौजूदगी सामने आई है।

'श्रीराम अवतार में होगी मोदी की मूर्ति

वो हमारे भगवान':किन्नर बोर्ड के उपाध्यक्ष बोले-सरकार के अप्रूवल का इंतजार

पटना, 16 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भगवान श्रीराम के समान हैं। वे श्रीराम के अवतार हैं। नरेंद्र मोदी मेरे लिए आराध्य हैं और उनके खिलाफ किसी भी तरह की आपत्तिजनक टिप्पणी का किन्नर समाज विरोध करेगा।' ये बातें बिहार सरकार के किन्नर कल्याण बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ। राजन सिंह ने कही हैं। उन्होंने कहा कि पटना में करीब 5 एकड़ जमीन पर लगभग 112 करोड़ रुपए की लागत से मंदिर बनाने की योजना है। इस मंदिर सोने की मूर्ति स्थापित करेंगे। दरअसल, किन्नर कल्याण बोर्ड की 29 जुलाई को बैठक हुई थी। इस बैठक में मंदिर निर्माण का प्रस्ताव सबकी सहमति से पारित किया गया। बोर्ड के उपाध्यक्ष डॉ। राजन सिंह ने कहा कि मंदिर निर्माण के लिए राशि की कमी पड़ने पर किन्नर समाज के लोग मिलकर सहयोग करेंगे। समाज के लोग मंदिर के लिए सोने-चांदी की वस्तुएं भी दान करने को तैयार हैं। हालांकि, मंदिर निर्माण के प्रस्ताव को अभी राज्य सरकार की अंतिम मंजूरी नहीं मिली है। डॉ. राजन सिंह ने पीएम नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा, '2019 में ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों के लिए कानून बनाया गया।

इसके बाद किन्नर समुदाय के लोगों के लिए शिक्षा, रोजगार और सरकारी सेवाओं के क्षेत्र में नए अवसर खुले हैं। आज किन्नर समाज के लोग दरोगा, होमगार्ड, सिपाही, डॉक्टर और इंजीनियर बन रहे हैं। हमारे जैसे लोगों को भी सरकार और बोर्ड में जिम्मेदारियां मिल रही हैं। इसी वजह से किन्नर समुदाय के लोगों ने उन्हें भगवान का दर्जा दिया है।'

बीए की छात्रा की संदिग्ध मौत आईटीआई परीक्षा देकर लौटने के बाद घर में मिला शव

कानपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। शहर के बाबूपुरवा इलाके में तड़के एक 18 वर्षीय युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया। युवती की पहचान ऐंजल मिश्रा उर्फ कोमल के रूप में हुई है। वह बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी और साथ ही आईटीआई की परीक्षा भी दे रही थी। परिजनों के मुताबिक, शुक्रवार को वह आईटीआई की परीक्षा देने गोंडा गई थी और देर शाम परीक्षा देकर वापस कानपुर लौटी थी। घर लौटने के बाद उसने अपने पिता के साथ खाना खाया। इसके बाद कुछ समय तक मोबाइल चलाने के बाद वह सोने की बात कहकर कमरे में चली गई। रात में परिवार के लोग सो गए। शनिवार तड़के करीब 3 बजे पिता आशीष कुमार मिश्रा की नींद खुली। लेकिन वह वहां मौजूद नहीं थी। बेटी के कमरे में न मिलने पर पिता ने घर के दूसरे हिस्सों में तलाश शुरू की।

तेजस्वी यादव के राजभवन मार्च पर बीजेपी का हमला कहा- उन्हें झारखंड में पदयात्रा करना चाहिए

पटना, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में छात्रों के प्रदर्शन के दौरान पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव राजभवन तक मार्च करने वाले हैं। राजद के इस कदम पर बीजेपी ने करारा हमला किया है। उनका कहना है कि तेजस्वी यादव को झारखंड में छात्रों के समर्थन में पदयात्रा करना चाहिए। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि तेजस्वी यादव को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास पर जाकर वहां मार्च निकालना चाहिए। वहां छात्र पिछले दो हफ़्तों से भूख हड़ताल पर बैठे हैं।

वहां भी पेपर लीक हुआ था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और तेजस्वी यादव को झारखंड में मार्च निकालना चाहिए और मुख्यमंत्री आवास

तक मार्च करना चाहिए। उन्हें जंतर-मंतर तो दिखता है, लेकिन रांची नहीं दिखती। पेपर लीक कैसे हुआ? बिहार में छात्र आंदोलन के दौरान पुलिस की तरफ से एके 47 का इस्तेमाल किया गया था, जिसके खिलाफ राजद बड़ा प्रदर्शन करने जा रहा है। इसके लिए महागठबंधन के सभी नेताओं से 19 अगस्त को बिहार आने की अपील की गई है। वहीं, राजद के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव 19 अगस्त को सुबह 11 बजे सभी विधायक, एमएलसी और कार्यकर्ताओं के साथ राजभवन तक मार्च करेंगे।

तेजस्वी का कहना है कि बिहार को पुलिस स्टेट बनाया जा रहा है और छात्रों के खिलाफ बर्बरता करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सरकार कार्रवाई नहीं कर रही है। राजद ने सीएम सम्राट चौधरी से माफी की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि छात्र कुछ इंच से बच गए, वरना उनकी जान जा सकती थी। उन्होंने महागठबंधन के नेताओं को भी बिहार बुलाया है।

'देश को ही गाली देता है'

राहुल गांधी पर बरसे केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह

पटना, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी पर राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' का अपमान करने के आरोप लग रहे हैं। इसपर बीजेपी हमलावर है। बीजेपी के कई नेताओं के इसपर प्रतिक्रिया सामने आ रही है। अब केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी को इस मामले में घेरा है और उन्हें पॉलिटिकल जोकर करार दे दिया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी से और क्या उम्मीद कर सकते हैं जो देश के बाहर जाकर देश को ही गाली देता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वो देश के युवाओं को भ्रमित करने और भड़काने के अलावा और क्या ही करते हैं। मीडिया से बातचीत में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, कांग्रेस का मतलब राहुल गांधी है। खड़गे कांग्रेस नहीं हैं।

यह बात ध्यान में रखिएगा। राहुल गांधी का एक भी वक्तव्य देख लें, जिसमें वो किसी युवा को दिशा देने की बात कहें हों। देश में भ्रम पैदा करना, युवाओं को भड़काना, देश कभी देश बांग्लादेश हो जाएगा, कभी नेपाल बन जाएगा, बस ऐसी ही कामना करते है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज ने कहा, राहुल गांधी का स्वभाव ऐसा है कि या तो वे बहुत ज़्यादा फ्रस्टेट हैं, या मानसिक तनाव में हैं, या फिर उनके दिमाग में अर्बन नक्सलवाद भरा है। अब तक उन्होंने जो कुछ भी किया है, उससे देश में तबाही और अफरा-तफरी ही मची है। जब भी वे विदेश जाते हैं, तो मैं मीडिया से कहूंगा कि उनके सभी भाषणों और बयानों को खंगाले। जब भी वो अमेरिका जाते हैं, तो जॉर्ज सोरोस के एजेंडे पर काम करते हैं।

सोरोस का एजेंडा भारत को तोड़ो, तबाह करो, शक्तिवीहीन करो भारत को। उन्होंने आगे कहा, राहुल गांधी बाहर जाते हैं देश को गाली देते हैं, जो देश को गाली देगा उसको वंदे मातरम पर कहां से भरोसा हो, जो देश को गाली देगा उसको भारत माता पर कहां से भरोसा होगा। जो केवल नौटंकी करके किसी का अपमान करे और सोचे की मैं सही हूं। इसलिए राहुल गांधी एक ऐसे व्यक्ति के रूप में स्थापित हुए हैं जो देश की राजनीति में किसी पॉलिटिकल जोकर से कम नहीं है और ये देश का दुर्भाग्य है।

बेकाबू कार पलटी, ड्राइवर समेत तीन की मौत

हाथरस, 16 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है, जबकि चार घायल हो गए। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, शनिवार रात एटा हाईवे पर एक भीषण सड़क दुर्घटना हुई। नोएडा से बांगरमऊ जा रही एक कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई और बच्चा समेत चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना सिकंदरा राव से 6 किलोमीटर आगे गांव उमरावपुर के पास लगभग 2:30 बजे हुई। कार इंडिकेटर बोर्ड को तोड़ती हुई पुलिया की साइड में जा पलटी। कार में बच्चा समेत कुल सात लोग सवार थे। मृतकों में कार चालक राम जी पुत्र संजय पाल उर्फ पप्पू, अवधेश पुत्र नामालूम और जगतपाल पुत्र पुत्तीलाल शामिल हैं।

लखनऊ में 5 घंटे बारिश, सड़कें तालाब बनीं, बाइक डूबी

चित्रकूट में यूपी-एमपी को जोड़ने वाला पुल जलमग्न; सभी 75 जिलों में अलर्ट

लखनऊ/वाराणसी/प्रयागराज/कानपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी में मानसून ने एक बार फिर जोर पकड़ लिया है। रविवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, बरेली समेत 10 शहरों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। गोरखपुर समेत 20 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। लखनऊ में तड़के 3 बजे झमाझम बारिश शुरू हुई। 5 घंटे तक लगातार बारिश हुई। शहर के कई इलाकों में सड़कों पर 3-4 फीट पानी भर गया। जलभराव में कई बाइकें बंद हो गईं। गलियां तालाब बन गईं। पानी घरों और दुकानों में घुस गया।

कारें आधी डूबी नजर आईं। इधर, प्रदेश में गंगा, यमुना समेत 11 नदियां उफान पर हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी और बरदहा नदी का जलस्तर भी बढ़ने लगा है। रामघाट की सीढ़ियां डूब गई हैं। मानिकपुर में यूपी-एमपी को जोड़ने वाला छोटा पुल (रपटा) पिछले 36 घंटों से जलमग्न है। उन्नाव में गंगा का पानी घरों में घुस गया। लोग छतों पर रहने को मजबूर हैं। गलियों में नावें चल रही हैं। वाराणसी में घाट किनारे बने 100 से अधिक छोटे मंदिर डूब गए हैं। हरिश्चंद्र घाट का शवदाह स्थल भी जलमग्न हो गया है।

आज यूपी के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 25 शहरों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। सीएम योगी ने भी अफसरों को फील्ड पर उतरकर हालात का जायजा लेने के निर्देश दिए हैं।

'राम जी से घात का पैसा' धर्म-दान पात्र का पैसा

अखिलेश यादव ने कविता के जरिए कसा बीजेपी पर तंज

लखनऊ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक एआई जनरेटेड वीडियो शेयर कर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा है। वीडियो में मंदिर चंदे और कथित अनियमितताओं को लेकर बीजेपी पर तंज कसा गया है। अखिलेश यादव की ओर से शेयर किए गए इस वीडियो में एक एआई गाना दिखाया गया है, जिसके जरिए बीजेपी पर आरोपों को लेकर राजनीतिक हमला किया गया है। वीडियो में गाने के बोल के जरिए कथित तौर पर "चंदा चोरी" का मुद्दा उठाया गया है। इसमें कहा गया है कि "ऐसा पैसा नहीं चाहिए" और मंदिर से जुड़े दान को लेकर सवाल खड़े किए गए हैं। हालांकि वीडियो में लगाए गए आरोप राजनीतिक बयानबाजी का हिस्सा हैं। राम जी से घात का पैसा, धर्म-दान पात्र का पैसा, भाजपा के पाप का पैसा नहीं चाहिए, नहीं चाहिए, ऐसा पैसा नहीं चाहिए। ऐसा पैसा नहीं फलेगा, ज्यादा दिन

नहीं चलेगा, जो लेगा उसको पाप लगेगा। जब भाजपा से कोई आए, पैसे का लालच दिखाए, तो बैठाकर पूछो क्यों चुराया मंदिर का मान, क्यों गिराया? कहना, नहीं चाहिए ऐसा पैसा, नहीं चाहिए। जिस पैसे से पड़ेगा पाप, उसको नहीं लगाना हाथ, वरना लग जाएगा श्राप, पाप कर देगा सब नाश। इसीलिए राम जी से घात का पैसा, धर्म-दान पात्र का पैसा, भाजपा के पाप का पैसा नहीं चाहिए। अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यह वीडियो साझा किया। वीडियो में एआई तकनीक से तैयार किए गए गीत और दृश्यों का इस्तेमाल किया गया है। गाने के जरिए बीजेपी पर धार्मिक भावनाओं और मंदिर से जुड़े मुद्दों को लेकर हमला करने की कोशिश की गई है। समाजवादी पार्टी लगातार बीजेपी सरकार पर विभिन्न मुद्दों को लेकर निशाना साधती रही है। इसी कड़ी में अखिलेश यादव ने इस बार एआई वीडियो को राजनीतिक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया है।

एआई वीडियो में गाने के जरिए कहा गया है कि "राम जी से घात का पैसा, धर्म-दान पात्र का पैसा, भाजपा के पाप का पैसा नहीं चाहिए।" इसके अलावा वीडियो में लोगों से ऐसे पैसे को स्वीकार नहीं करने की अपील जैसे संदेश दिखाए गए हैं।

पीएम के दिमागी नक्सल बयान पर सपा सांसद बोलीं- 'युवाओं को पहले दें जवाब'

मुरादाबाद, 16 अगस्त (एजेंसियां)। मुरादाबाद की समाजवादी पार्टी की सांसद रुचिवीरा ने प्रधानमंत्री के लाल किले से दिमागी नक्सल के बयान पर प्रतिक्रिया दी है। रुचिवीरा ने कहा है कि पीएम मोदी को लाल किले के इस मंच को राजनैतिक मंच नहीं बनाना चाहिए। पीएम मोदी को राम मंदिर के चढ़ावे में हुए चोरी पर बात करनी चाहिए। इसके अलावा रुचिवीरा ने आरएसएस के पंजीकरण की मांग और सीएम योगी के जौहर यूनिवर्सिटी पर की गई टिप्पणी पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहती हूं कि लाल किले के इस मंच को राजनीतिक मंच न बनाये, देश में भाईचारा और सौहार्द रखने की बात होनी चाहिए, हमारे युवाओं पर जो दरिंदगी हुई है इसका जवाब दे प्रधानमंत्री, उनसे जो वादे किये गए थे वो पूरे किए जाए।

प्रधानमंत्री को राम मंदिर में रामभक्तों के चढ़ावे की जो चोरी हुई है, उसके बारे में बताना चाहिए, हमारे युवाओं के लिए प्रधानमंत्री को ऐसी बात नहीं करनी चाहिए, ये उनकी पीड़ा है जो वो सड़कों पर आए। रुचिवीरा ने इसके अलावा कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के पंजीकरण की मांग को सही ठहराया। बीजेपी के राष्ट्रीय महासचिव बी एल संतोष के बयान पर पलटवार करते हुए सपा सांसद ने कहा कि हर संगठन का पंजीकरण होता है तो आरएसएस का पंजीकरण होना चाहिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कि जौहर वाली टिप्पणी को सपा नेत्री ने स्वतंत्रता सैनानियों का अपमान बताया। उन्होंने तल्ख लहजे कहा, मुख्यमंत्री का पद एक संवैधानिक पद है, मोहम्मद अली जौहर वो देशभक्त थे जिन्होंने लंदन में कहा था कि मैं देश की आादी का परवाना लेने के लिए आया हूं। मैं गुलाम देश में नहीं जाऊंगा।

ऐसे में मुख्यमंत्री का ये बयान स्वतंत्रता सैनानियों का अपमान है। बता दें कि सीएम योगी ने कहा था कि जौहर यूनिवर्सिटी का नाम ऐसे व्यक्ति के नाम पर रखा गया जो देश के विभाजन का जिम्मेदार था।

पप्पू यादव बोले-प्रधानमंत्री जेन-जी को बौद्धिक नक्सली कह रहे: छात्रों की बात नहीं सुनी गई तो बिहार बंद करेंगे

पटना, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव आज रविवार को एक दिन के उपवास पर हैं। पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर हाथों में भगत सिंह की फोटो लेकर उपवास पर बैठे हैं। वे रिसर्च के छात्रों के आंदोलन में शामिल हुए हैं। मौके पर सांसद ने कहा, 'प्रधानमंत्री देश के बच्चों को बौद्धिक नक्सली कह रहे हैं। बिहार में छात्रों की बात नहीं सुनी जा रही है। अगर सरकार मांगें नहीं मानती है तो बिहार बंद करेंगे, अनिश्चितकालीन उपवास पर बैठेंगे।' इधर, सांसद के उपवास को लेकर पुलिस-प्रशासन भी मुस्तैद हो गई है। धरना स्थल के पास फोर्स बुलाई गई है। पटना के गर्दनीबाग में 'ऑल पीएचडी।

होल्डर एंड रिसर्च स्कॉलर एसोसिएशन ऑफ बिहार' के बैनर तले कैंडिडेट्स पिछले 13 दिनों से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठे हैं। सहायक प्राध्यापक बहाली में यूजीसी विनियमन 2018 के मेज़ 3ए लागू करने, बिहार में डोमिसाइल नीति प्रभावी करने और 70वीं बीपीएससी परीक्षा निरस्त करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर उपवास कर रहे हैं। रिसर्च स्कॉलर का कहना है कि सरकार से लगातार मांगों पर कार्रवाई की अपील की जा रही है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई है।

इससे पहले पप्पू यादव गर्दनीबाग पहुंचे थे और रिसर्च स्कॉलर के आंदोलन में शामिल होकर उनकी मांगों का समर्थन किया था। रिसर्च स्कॉलर की प्रमुख मांग सहायक प्राध्यापक बहाली में यूजीसी विनियमन 2018 के मेज़ 3ए को लागू करना है।

पूजा पाल बोलीं- अतीक का परिवार कत्ल-ए-आम करने वाला :बदमाशी इनके जेहन में ; ये लोग कभी नहीं सुधर सकते

प्रयागराज, 16 अगस्त (एजेंसियां)। यूपी भाजपा उपाध्यक्ष पूजा पाल ने माफिया अतीक अहमद के बेटों को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा- जिनके खून में बदमाशी हो, यातनाएं देने वाले हों, जमीन हड़पने वाले हों, कत्ल-ए-आम करने वाले हों, उनकी सोच कभी नहीं बदल सकती। अतीक को बदलना होता, तो बदल चुका होता। अपने बच्चों में अच्छे संस्कार देकर जाता। मैं कहती हूं कि वो चाहे जेल में रहें या जेल से बाहर आएं, उनकी सोच कभी नहीं बदल सकती। दरअसल, विधायक पल्लवी पटेल समेत कई नेता अबान की मौत पर दुख जताने अतीक परिवार के पास गए थे। इसी को लेकर पूजा पाल ने नाराजगी जताई। पूजा पाल ने कहा- यह मानना मुश्किल है कि जेल जाने या कठिन परिस्थितियों से गुजरने के बाद ऐसे लोग सुधर जाएंगे। जिनकी सोच में ही अपराध और दूसरों को पीड़ा पहुंचाना शामिल हो, वे कभी नहीं बदल सकते। कुछ लोग मानते हैं कि जेल में रहने या जीवन की बड़ी घटनाओं के बाद इंसान बदल जाता है, लेकिन मैं इससे सहमत नहीं हूं। जिनके खून में ही बदमाशी हो, जिनकी सोच लोगों को दुख देने, जमीन हड़पने, कत्लेआम करने और शोषण करने की हो, वे चाहे जेल में रहें या बाहर, उनकी मानसिकता नहीं बदल सकती।

पूजा पाल ने आगे कहा कि अतीक अहमद का परिवार पहले से ही कई मुश्किलों और बिखराव का सामना कर रहा है। इसके बावजूद उनके व्यवहार और सोच में कोई बदलाव दिखाई नहीं देता। यह अतीक अहमद के परिवार के लोग हैं, कभी नहीं सुधर सकते।

सौरभ हत्याकांड: गवाह बुलाने के प्रार्थना पत्र पर सुनवाई आज

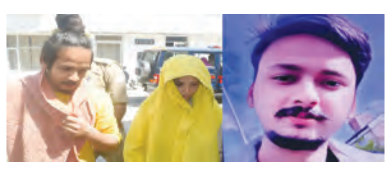

मेरठ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बहुचर्चित सौरव राजपूत हत्याकांड में जिला जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में अभियोजन की ओर से डीजीसी क्रिमिनल केके चौबे के द्वारा बहस पूरी कर ली गई है। अब धारा 311 के तहत चार गवाह बुलाने के लिए अदालत में प्रार्थना पत्र दिया था। जिस पर शुक्रवार को डिफेंस काउंसिल की ओर से आपत्ति दाखिल की गई। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र की सुनवाई पर सोमवार की तिथि नियत की है। ब्रह्मपुरी निवासी मुस्कान रस्तोगी उर्फ सोभी ने 2016 में इंदिरानगर निवासी सौरभ से प्रेम विवाह किया था। 2019 में मुस्कान ने बेटी पीहू को जन्म दिया। इसी वर्ष मुस्कान की मुलाकात सहपाठी साहिल से हुई।

मुस्कान और सौरभ के प्यार में साहिल की एंट्री होते ही बात तलाक तक पहुंच गई। सौरभ मर्चेंट नेवी की नौकरी छोड़कर लंदन चला गया। साहिल और मुस्कान एक दूसरे के करीब आ गए। सौरभ के लंदन से वापस आने के बाद साहिल और मुस्कान ने उसकी बेरहमी से हत्या कर दी। शव के टुकड़े कर ड्रम में रखकर सीमेंट से भर दिया था। पुलिस ने घटना का राजफाश करते हुए दोनों आरोपितों को जेल भेज दिया था।

घटना बड़ी ही संवेदनशील थी दोनों पर कोर्ट में पेशी के दौरान अधिवक्ताओं ने हमला भी कर दिया था। अभियोजन की ओर से मुकदमे में डीजीसी क्रिमिनल केके चौबे एवं डिफेंस काउंसिल के द्वारा बहस पूरी की जा चुकी है, लेकिन अभियोजन की ओर से केके चौबे द्वारा न्यायालय में चार गवाह से कुछ और सवाल पूछताछ करने के लिए उन्हें अदालत में बुलाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था।

पड़ोसी देश म्यांमार में 3 .5 की तीव्रता का आया भूकंप डोली धरती

यांगून, 16 अगस्त (एजेंसियां)। म्यांमार में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.5 दर्ज की गई। इतनी तीव्रता का भूकंप आमतौर पर हल्के स्तर का माना जाता है। फिलहाल उपलब्ध जानकारी में भूकंप से किसी बड़े नुकसान या जनहानि की पुष्टि नहीं हुई है। म्यांमार में हाल के दिनों में भी हल्के भूकंप के झटके दर्ज किए गए हैं। म्यांमार भूकंपीय गतिविधियों वाले क्षेत्र में स्थित है और देश में पहले भी कई बड़े भूकंप आ चुके हैं। मार्च 2025 में म्यांमार में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था, जिसने बड़े स्तर पर तबाही मचाई थी। इससे पहले अप्रैल के महीने में भी म्यांमार में 3.3 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

राहुल को मिले नोटिस पर संजय राउत ने पूछा- इडियट असंसदीय शब्द कैसे?

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिप्रक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को लोकसभा सचिवालय ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ इडियट कहने के मामले में दो नोटिस भेजकर जवाब मांगा है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि राहुल ने सदन में संसदीय नियमों का पालन नहीं किया और असंसदीय भाषा का इस्तेमाल किया है। अब इस नोटिस पर अब शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने राहुल गांधी का बचाव किया और फिर गृह मंत्री पर ही सवाल खड़े कर दिए। राउत ने नोटिस पर सवाल खड़े किए और पूछा कि इडियट कहना कबसे असंसदीय हो गया।

शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने नोटिस पर कहा, उन्हें क्यों नोटिस भेजा गया है? उन्होंने किसी को 'इडियट' कहा, क्या 'इडियट' कहना कोई असंसदीय शब्द है? हमारे गृह मंत्री, जिसने जंतर-मंतर पर छोटे बच्चों के खिलाफ पैलेट गन चलवाई, आंसू गैस छोड़े, कील वाली लाठियों से उन्हें मारा, यदि वे संसद में नहीं आते हैं और जवाब नहीं देते हैं तो उन्हें आप क्या कहेंगे? इडियट ही है न सब। आमिर खान की एक फिल्म भी आई थी, '3 इडियट'। उसे बहुत से पुरस्कार मिले हैं। अगर 'इडियट' शब्द असंसदीय है तो इस फिल्म को सेंसर ने मंजूर कैसे किया? उन्होंने आगे कहा, स्टुपिडिटी असंसदीय नहीं है, है ना? अगर राहुल गांधी को नोटिस मिला है, तो वो सरकार की बेवकूफी है। राहुल गांधी के सच बोलने में कुछ गलत नहीं है। संजय राउत ने गिरीश महाजन, नासिक के चंपत राय सहित कई बीजेपी के नेताओं को इडियट कह डाला और कहा कि सारे इडियट सरकार चला रहे हैं।

ये इडियट की कैबिनेट है। बता दें कि संसद में पेपर लीक बिल पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने एक छात्र के हवाले से 'इडियट' और 'अंधभक्त शब्दों का इस्तेमाल किया था। इसका सत्तापक्ष ने विरोध किया था। इसके बाद बीजेपी सांसद अनुराग सिंह ठाकुर और संजय जायसवाल ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से इसकी शिकायत की थी। इस शिकायत के बाद लोकसभा की समिति ने नेता प्रतिपक्ष को नोटिस जारी किया था। समिति ने 28 अगस्त 2026 तक राहुल को अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा है।

मोदी-शाह पर लगाए वंदे मातरम के अपमान का आरोप

वहीं, वंदे मातरम के विवाद पर भी संजय राउत ने अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, वंदे मातरम के 6 पैरा हैं, जो आवश्यक हैं और कानून में इसी 6 लाइन को अनिवार्य किया गया है। जब ये कानून पास हो रहा था तब देश के पीएम और गृह मंत्री सदन में नहीं थे। यही सबसे बड़ा अपमान है। पार्टी के मुखपत्र सामना में भी वंदे मातरम को लेकर राउत ने पीएम मोदी और अमित शाह पर सवाल उठाए थे और कहा था कि क्या मोदी, अमित शाह आदि लोग 'टेलीप्रॉम्प्टर' के बिना 'वंदे मातरम' की छह पंक्तियां बिना गलती के गाकर दिखाएंगे?

लूटपाट गिरोह के चार आरोपी गिरफ्तार, तेजधार हथियार और नशीली गोलियां बरामद

जालंधर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पुलिस कमिश्नरेट जालंधर ने शहर में लूट और झपटमारी की वारदातों को अंजाम देने वाले आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए तेजधार हथियार दिखाकर मोबाइल फोन लूटने वाले 4 आरोपियों को काबू किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो लूटे गए मोबाइल फोन, दो बाइक और 30 नशीली गोलियां बरामद की हैं। पुलिस के अनुसार, भगत सिंह कॉलोनी स्थित बाबा बालक नाथ मोड़ के पास एक व्यक्ति को चार बाइक सवार युवकों ने दातर दिखाकर रोक लिया और उसका मोबाइल फोन छीनकर फरार हो गए। मामले में थाना डिवीजन नंबर-1 में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सुहेल खान, अभिषेक उर्फ गंजा और रिशव यादव को गिरफ्तार किया,

जिम्बाब्वे में फेरी पलटने से 72 लोगों की मौत

इनमें 18 बच्चे भी शामिल, 90 की जगह 153 लोगों को ले जा रही थी नाव

लुसाका, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जिम्बाब्वे में इस हफ्ते करीबा झील पर एक ओवरलोडेड फेरी पलटने से 70 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई, जिसमें अठारह बच्चे भी शामिल हैं। रेस्क्यू टीम ने कई अन्य यात्रियों की लाशें बरामद कीं। इसके बाद पुलिस ने 72 मौतों की पुष्टि की। यह फेरी तेज लहरों में पलट गई थी। पुलिस ने कहा कि 26 और लाशें बरामद की गई हैं, जिससे मरने वालों की संख्या 72 हो गई है। इसी महीने की शुरुआत में इंडोनेशिया में भी बोट में आग लगने से बड़ा हादसा हुआ था। यह पुरानी फेरी करीबा शहर से देश के उत्तर-पश्चिम में ग्रामीण और मछली पकड़ने वाले समुदायों की ओर जा रही थी, जहां सड़कें खराब हैं और पब्लिक ट्रांसपोर्ट कम है। अधिकारियों ने यह नहीं बताया है कि कितने लोग सवार थे या कितने लापता हैं हादसे का शिकार हुई नाव का संचालन एक सरकारी एजेंसी कर रही थी।

इस नौका का इस्तेमाल करिबा झील के आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोगों को तट पर स्थित करिबा शहर तक ले जाने के लिए किया जाता है। अनुमान है कि यात्रियों की संख्या 153 तक है, जबकि अधिकारियों का कहना है कि फेरी की क्षमता 90 है। जिम्बाब्वे की डिजास्टर मैनेजमेंट एजेंसी ने कहा है कि 77 लोगों को बचाया गया। अधिकारी ने बताया कि 77 लोगों को बचाकर झील के एक छोटे द्वीप पर पहुंचा दिया गया और उन्हें वापस लाने के लिए नौकाएं भेजी गईं। अधिकारियों ने शुरू में कहा था कि सवार बच्चों की संख्या पता नहीं थी, क्योंकि टिकट लेने की उम्र से कम उम्र के बच्चों को यात्रियों के अनुमान में शामिल नहीं किया गया था।

बाद में जारी पुलिस लिस्ट से पता चला कि मरने वाले 16 बच्चे 10 साल या उससे कम उम्र के थे, जिनमें सबसे छोटा सिर्फ एक साल का था। करिबा दुनिया की सबसे बड़ी इंसानों की बनाई झील है, जिसे 1950 के दशक के आखिर और 1960 के दशक की शुरुआत में जम्बेजी नदी पर डैम बनाकर बनाया गया था। यह 200 किलोमीटर से ज्यादा फैली हुई है और कुछ जगहों पर 40 किलोमीटर तक चौड़ी है। जिम्बाब्वे और जाम्बिया इस झील को शेयर करते हैं,

हंगरी में भीषण सड़क हादसा बस पलटने से 12 लोगों की मौत 10 से ज्यादा घायल

बुडापेस्ट, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्वी हंगरी के मेजोकेरेजटेस शहर के पास एम3 मोटरवे पर रविवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। पोलैंड के पर्यटकों को ले जा रही एक बस अनियंत्रित होकर खाई में गिरकर पलट गई। इस भीषण हादसे में 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और कम से कम 10 अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को तुरंत पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दुर्घटनाग्रस्त बस में 57 यात्री और दो ड्राइवर सवार थे। यह बस न्यिरग्यहाज़ा शहर की ओर बढ़ रही थी।

शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस का मानना है कि सड़क के सीधे हिस्से पर अचानक ड्राइवर को नींद की झपकी आ गई थी, जिससे वाहन पर से नियंत्रण खो गया और यह दुर्घटना हुई। हादसे के बाद सामने आई तस्वीरों में बस खाई में एक तरफ पलटी हुई दिख रही है, जिसकी खिड़कियां पूरी तरह टूट चुकी हैं और यात्रियों का सामान सड़कों व आसपास बिखरा हुआ है। पुलिस ने बस ड्राइवर को हिरासत में लिया है। हंगरी के प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार ने सोशल मीडिया के जरिए इस दुखद घटना की जानकारी दी और मृतकों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल को मेदांता अस्पताल से मिली छुट्टी

गुरुग्राम, 16 अगस्त (एजेंसियां)। नांदेड के गुरुद्वारा परिसर में हमले में घायल शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल को रविवार दोपहर गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हाथ में लगी चोट की जांच के लिए शनिवार को उनका सीटी स्कैन कराया गया था। सूत्रों के अनुसार जांच में चोट की स्थिति बहुत अधिक गंभीर नहीं पाई गई। इसके बाद चिकित्सकों ने उन्हें अस्पताल से छुट्टी देने का निर्णय लिया। छुट्टी मिलने के बाद सुखबीर बादल परिवार के सदस्यों के साथ दिल्ली के लिए रवाना हो गए। सुखबीर सिंह बादल को शुक्रवार शाम हाथ में लगी चोट के उपचार के लिए मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में उनका उपचार प्लास्टिक सर्जन डॉ. संजय महेंद्रू के मार्गदर्शन में किया गया। शनिवार को सीटी स्कैन के साथ उनकी शुगर समेत अन्य जरूरी जांच भी कराई गई थीं।

चिकित्सकों ने उनकी चोट की स्थिति पर लगातार निगरानी रखी। अस्पताल की ओर से हालांकि कोई औपचारिक स्वास्थ्य बुलेटिन जारी नहीं किया गया। बता दें कि नांदेड स्थित गुरुद्वारा माता साहिब देवां जी में दर्शन के दौरान सुखबीर बादल पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। हमले में उनके हाथ में चोट लगी थी। घटना के बाद उन्हें स्थानीय अस्पताल ले जाकर प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद विशेषज्ञ उपचार के लिए उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल लाया गया था। मेदांता में भर्ती रहने के दौरान उनके साथ परिवार के सदस्य मौजूद रहे। सुरक्षा और चिकित्सकीय कारणों से उनसे मिलने वालों की संख्या सीमित रखी गई थी। रविवार को छुट्टी मिलने के बाद परिवार उन्हें लेकर दिल्ली रवाना हो गया।

रिश्वत लेते तावडू सदर थाने की महिला हेड कॉन्स्टेबल गिरफ्तार, एसीबी ने 15 हजार रुपये के साथ दबोचा

नूंह, 16 अगस्त (एजेंसियां)। फरीदाबाद एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने तावडू सदर थाना परिसर में कार्रवाई करते हुए हेड कॉन्स्टेबल प्रियंका को 15 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। कार्रवाई थाना परिसर स्थित महिला कक्ष में की गई और करीब पांच घंटे तक एसीबी की टीम मौके पर जांच में जुटी रही। गिरफ्तारी के बाद थाना परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामला करीब चार महीने पहले तावडू उपमंडल के एक गांव से युवती के लापता होने से जुड़ा है। जांच के दौरान युवती को फरीदाबाद के धौज गांव स्थित एक महिला के मकान से बरामद किया गया था। पुलिस ने गुमशुदगी के मामले में उक्त महिला को भी आरोपित बनाया था। आरोप है कि मामले की जांच कर रही हेड कॉन्स्टेबल प्रियंका ने आरोपित महिला का नाम केस से हटाने के एवज में 15 हजार रुपये की रिश्वत मांगी थी। रिश्वत की मांग से परेशान महिला ने इसकी शिकायत फरीदाबाद एसीबी से की। शिकायत का सत्यापन करने के बाद एसीबी टीम ने जाल बिछाया। तय योजना के अनुसार महिला कक्ष में रिश्वत की रकम लेते ही टीम ने हेड कॉन्स्टेबल प्रियंका को दबोच लिया।

50 करोड़ की ठगी का खेल मास्टरमाइंड पति-पत्नी समेत 4 अरेस्ट

कोलार, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के कोलार जिले से साइबर और फाइनेंशियल फ्रॉड का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां 'वर्क-फ्रॉम-होम' (घर से काम) का झांसा देकर और जमा राशि को दोगुना करने का लालच देकर 7 से 8 हजार मासूम लोगों से 50 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी की गई है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए इस पूरे रैकेट का पर्दाफाश किया है और गिरोह के सरगना पति-पत्नी समेत चार मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। यह पूरा फर्जीवाड़ा 'श्री कालिकादेवी एंटरप्राइजेज' नाम की एक संस्था के जरिए चलाया जा रहा था।

कोलार, बेंगलुरु समेत पड़ोसी राज्यों आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु में भी इसकी शाखाएं खोलकर लोगों को जाल में फंसाया गया। गिरफ्तार आरोपियों में भूमि किरण शेट्टी (28 वर्ष), आरती (23 वर्ष), राम्या और वेंकटचलपति उर्फ स्वामी शामिल हैं। आरोपी किरण और आरती लोगों को ब्लो टॉर्च, मोमबत्ती और पेपर प्लेट जैसी दैनिक उपयोग की वस्तुओं की पैकिंग का काम घर बैठे देने का वादा करते थे। पैकिंग का काम और मोटा कमीशन देने के एवज में ग्राहकों से प्रति व्यक्ति लाखों रुपये का एडवांस डिपॉजिट जमा करवाया जाता था।

कतर के कब्जे में हैं ईरान के तीन पायलट तेहरान के इस दावे पर क्या बोला दोहा?

तेहरान, 16 अगस्त (एजेंसियां)। ईरान ने दावा किया था कि कतर ने उनके तीन पायलट को हिरासत में रखा है। कतर ने ईरान के इस दावे के खारिज कर दिया है। ईरान का कहना था कि ये पायलट एक मिलिट्री मिशन के दौरान फाइटर जेट से इजेक्ट होने के बाद जिंदा पकड़े गए थे। कतर का कहना है कि विमान के कतर एयरस्पेस में घुसने के बाद उनमें से एक पायलट मृत पाया गया था। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया, "ईरान के पायलट्स ने मार्च में कतर एयरस्पेस का उल्लंघन किया था। वहीं जब उन्होंने कतर के अधिकारियों ने संपर्क करने की कोशिश की तो ईरान की तरफ से इसका कोई जवाब नहीं दिया गया था।" प्रवक्ता ने बताया, "बाद में कतर की सर्च और रेस्क्यू टीमों ने एक पायलट का शव बरामद किया। कतर ने शव सौंपने के लिए ईरान से संपर्क भी किया, लेकिन ऑपरेशन की जानकारी की समीक्षा करने के इनविटेशन पर भी तेहरान ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया है।" कतर की तरफ से ये खंडन तब किया गया जब ईरान की सरकारी एजेंसी ईरान ने एक बड़े सैन्य अधिकारी के हवाले से यह कहा था, " मार्च 2026 में ईरानी लड़ाकू विमान कतर में एक सैन्य अड्डे पर हमला करने गए थे। विमान दुश्मन की फायरिंग से क्षतिग्रस्त हो गए। तीन पायलट्स ने पैराशूट से कूदकर अपनी जान बचाई, लेकिन कतर की सेना ने उन तीनों को जिंदा पकड़ लिया।"

ईरान की सशस्त्र सेना के जनरल स्टाफ ने रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति (आईसीआरसी) को एक पत्र लिखा। इस पत्र में उन्होंने तीनों ईरानी पायलटों की रिहाई के लिए मदद मांगी है। ईरान का कहना है कि ये पायलट मार्च 2026 में कतर में एक दुश्मन सैन्य अड्डे पर हमला करने गए थे। उस समय उनके विमानों पर फायरिंग हुई और वे पकड़े गए। ये पूरा घटनाक्रम उस बड़े युद्ध का हिस्सा था जो 28 फरवरी से शुरू हुआ था, जब अमेरिका और इजराइल ने ईरान पर हमले किए थे।

झारखंड में तड़के ट्रेन हादसा

मधुपुर जा रही श्रावणी मेला स्पेशल की बोगी बेपटरी जानें कैसे टली बड़ी अनहोनी

रांची, 16 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड में रांची रेल मंडल के अंतर्गत आने वाले सिल्ली-बोकारो रेलखंड पर रविवार तड़के एक बड़ा रेल हादसा होते-होते टल गया। कांवड़ियों को लेकर जा रही श्रावणी मेला स्पेशल ट्रेन की एक बोगी अचानक पटरी से नीचे उतर गई। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी भी यात्री के हताहत या घायल होने की कोई खबर नहीं है, जिससे रेलवे प्रशासन और यात्रियों ने राहत की सांस ली। मिली जानकारी के अनुसार, ट्रेन संख्या 08895 श्रावणी मेला स्पेशल श्रद्धालुओं और यात्रियों को लेकर मधुपुर की ओर जा रही थी। रविवार तड़के करीब 2:30 बजे सिल्ली-बोकारो रेलखंड पर पोल संख्या 354/एसए4 के पास ट्रेन के इंजन से तीसरी बोगी (कोच नंबर एसईसी 64776) बेपटरी हो गई।

रात के अंधेरे में अचानक तेज झटका लगने और बोगी के बेपटरी होने से ट्रेन के अंदर सो रहे यात्रियों में हड़कंप मच गया और कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की सूचना मिलते ही रांची रेल मंडल के वरिष्ठ अधिकारी और रेलवे की तकनीकी टीम तुरंत मौके पर पहुंची। रेलवे ने स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया और प्रभावित रेलखंड पर परिचालन बाधित न हो, इसके लिए कई ट्रेनों के रूट में बदलाव किया गया। फंसे हुए यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए रेलवे ने तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की और उन्हें दूसरी ट्रेनों के माध्यम से आगे भेजा।

जेपीएससी-जेएसएससी आंदोलन

20 अगस्त को सीएम आवास का छात्र करेंगे घेराव, खुले मंच से किया ऐलान

रांची, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जेपीएससी-जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन कर रहे छात्रों ने शनिवार को बड़ा ऐलान किया है। छात्रों ने कहा कि 20 अगस्त को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के आवास का घेराव किया जाएगा। वहीं, आंदोलन के अगले चरण में रविवार को झारखंड के सभी 24 जिलों में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कांग्रेस नेता राहुल गांधी का पुतला दहन करने की घोषणा की गयी है। राजधानी रांची में अलबर्ट एक्का चौक पर हेमंत सोरेन और राहुल गांधी का पुतला दहन किया जाएगा। छात्रों ने कहा कि आंदोलन को 22 दिन हो चुके हैं, लेकिन उनकी प्रमुख मांगों पर अब तक समाधान नहीं हुआ है। छात्र नेताओं ने कहा कि उनका आंदोलन तब तक जारी रहेगा, जब तक 11वीं से 13वीं जेपीएससी और जेएसएससी सीजीएल परीक्षा को रद्द करने तथा पूरे मामले की सीबीआई जांच की मांग पूरी नहीं हो जाती। आंदोलनकारी छात्रों का आरोप है कि भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर उनकी ओर से लगातार आवाज उठायी जा रही है, लेकिन अब तक उनकी मांगों पर अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई है। छात्रों ने कहा कि मांगें पूरी होने तक आंदोलन को वापस नहीं लिया जाएगा।

किसानों के दिल्ली कूच को लेकर जींद पुलिस अलर्ट

जींद, 16 अगस्त (एजेंसियां)। किसान संगठनों के खनौरी दाता सिंहवाला बॉर्डर से दिल्ली के जंतर-मंतर के लिए शुरू होने वाले पैदल मार्च को लेकर जींद जिला प्रशासन और पुलिस पूरी तरह मुस्तैद हो गई है। कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नरवाना नहर पुल और बॉर्डर क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया है। गैर-एसकेएम किसान संगठनों की इस पैदल यात्रा का नेतृत्व किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल कर रहे हैं। यात्रा में 51 मुख्य किसानों के साथ करीब 200 अन्य किसान भी पैदल चलेंगे, जिसका 29 अगस्त को दिल्ली जंतर-मंतर पहुंचने का कार्यक्रम तय किया गया है। पैदल यात्रा को रोकने और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने के लिए नरवाना नहर पुल के पास भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। मौके पर कंक्रीट के पक्के बैरिकेड्स, वाटर कैनन और वज्र वाहन खड़े कर दिए गए हैं। किसान नेताओं के अनुसार, यह यात्रा आंदोलन के दौरान जान गंवाने वाले किसान शुभकरण की स्मृति में निकाली जा रही है।

पीएम तारिक रहमान के लिए शेख हसीना का प्रत्यर्पण कराना क्यों है मुश्किल? कहां फंसा है पेंच

ढाका, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश की तारिक रहमान सरकार ने पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण की अपनी मांग फिर से दोहराया है, लेकिन भारत ने साफ कर दिया है कि ये मामला सिर्फ कूटनीतिक बातचीत से हल नहीं हो सकता। भारत के सीनियर अधिकारियों ने इशारा दिया है कि प्रत्यर्पण के किसी भी गुजारिश की जांच आखिरकार देश की न्यायिक प्रक्रिया के जरिए ही की जानी चाहिए। अधिकारियों के मुताबिक, भारतीय अदालतों को ये तय करना होगा कि शेख हसीना पर लगे आरोप भारतीय कानून के तहत अपराध की कैटेगरी में आते हैं या नहीं।

इसलिए आखिरी फैसला पूरी तरह से राजनीतिक या कूटनीतिक न होकर न्यायिक होगा। साथ ही खबर है कि भारत इस सेंसेटिव मसले का हल खोजने के लिए बांग्लादेश सरकार के साथ बातचीत कर रहा है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि बांग्लादेश के

एक्सट्रैडिशन रिक्वेस्ट की जांच तय प्रक्रियाओं के तहत की जा रही है। अधिकारियों ने ये भी बताया है कि ढाका ने 2013 में दोनों देशों के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि के तहत जरूरी कानूनी दस्तावेज सौंपे हैं। ये संधि उन लोगों को सौंपने का प्रावधान करती है जिन पर आरोप हैं, जिन्हें दोषी ठहराया गया है या जिन्हें अदालत की तरफ से सुनाई गई सजा काटनी है। इसमें यह भी बताया गया है कि प्रत्यर्पण के लायक अपराधों पर दूसरे देश के न्यायिक अधिकारियों की तरफ से विचार किया जाता है। इस संधि में पॉलिटिकल नेचर वाले अपराधों को शामिल नहीं किया गया है, हालांकि कई गंभीर अपराधों को इस सुरक्षा दायरे से बाहर रखा गया है। इनमें हत्या, गैर-इरादतन हत्या, मारपीट, फायर आर्म्स का इस्तेमाल और हत्या के लिए उकसाना शामिल हैं।

भारत का प्रत्यर्पण अधिनियम, 1962 भी एक न्यायिक प्रक्रिया तय करता है। एक जांच मजिस्ट्रेट ये देख सकता है कि क्या विदेशी देश ने प्रथम दृष्टया कोई मामला बनाया है। अगर पर्याप्त आधार मौजूद हैं, तो एक्सट्रैडिशन की सिफारिश की जा सकती है। नहीं तो, उस शख्स को बरी किया जा सकता है। अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुई राजनीतिक उथल-पुथल के बाद से शे हसीना भारत में ही हैं। खबरों के मुताबिक, उन्होंने संकेत दिया है कि वो दिसंबर 2026 में बांग्लादेश लौटना चाहती हैं।

शिकारियों का एनकाउंटर करने वाले वनकर्मियों के खिलाफ एफआईआर, मृतकों के परिजन बोले- 'खोए जानवर ढूंढ़ने गए थे'

बेंगलूरू, 16 अगस्त (एजेंसियां)। कर्नाटक के चामराजनगर में जंगल के अंदर शिकारियों का एनकाउंटर करने वाले पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मारे गए तीनों लोगों के परिवार का दावा है कि वे बेगुनाह थे। वहीं, वन विभाग का आरोप है कि प्रतिबंध के बावजूद वे जंगली जानवरों का शिकार करने आए थे। सुबह चामराजनगर के मरियमंगला वन क्षेत्र में तीन लोगों की गोली लगने से मौत हो गई थी। इसके बाद, हनूर पुलिस ने हनूर वन रेंज के वन अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। मारे गए लोगों में से एक की पत्नी की औपचारिक शिकायत के बाद, भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया गया है। वन विभाग का दावा है कि ये लोग संरक्षित क्षेत्र में अवैध गतिविधियों में शामिल शिकारी थे।

7वीं पास कर रहे थे लोगों का इलाज, 5 डॉक्टरों के खिलाफ हुई कार्रवाई, 1.19 लाख रुपये की दवाएं जब्त

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुंबई के गोवंडी, देवनार, बांद्रा इलाके में फर्जी डॉक्टरों पर मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बड़ा एक्शन लिया है। होम्योपैथी की डिग्री लेकर एलोपैथी दावों से इलाज करने वाले डॉक्टरों पर कार्रवाई की गई है। इस दौरान एक आरोपी डॉक्टर तो सिर्फ सातवीं पास निकला। मुंबई पुलिस ने जिन डॉक्टर पर कार्रवाई की, उन्होंने इंडिया टीवी के कैमरे पर माफी भी मांगी। कुल पांच डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इनमें से किसी के भी पास मेडिकल लाइसेंस नहीं था। कुछ डॉक्टरों के पास होम्योपैथिक की डिग्री थी, लेकिन वह एलोपैथिक इलाज कर रहे थे।

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच की यूनिट 6 और 8 ने बृहन्मुंबई महानगरपालिका के चिकित्सा अधिकारियों के साथ मिलकर शहर में फर्जी तरीके से प्रैक्टिस कर रहे पांच डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई की है। पांचों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और फिर जिनके पास बीएचएमएस डिग्री थी, उन्हें नोटिस देकर छोड़ दिया, उनके क्लीनिक से एलोपैथिक दवाइयां भी सीज कर ली। इनमें चार क्लीनिक देवनार के जाकिर हुसैन नगर और गोवंडी इलाके में, जबकि एक क्लीनिक नौपाड़ा-बांद्रा पूर्व इलाके में स्थित थी। पुलिस के मुताबिक, ये कथित डॉक्टर बिना आवश्यक मेडिकल योग्यता और लाइसेंस के मरीजों की जांच और उनका इलाज कर रहे थे। इनमें से कोई भी महाराष्ट्र मेडिकल काउंसिल में पंजीकृत नहीं था। पुलिस के अनुसार, सभी क्लीनिक सामान्य मेडिकल सेंटर की तरह संचालित किए जा रहे थे। गोवंडी स्थित आयशा क्लीनिक के बोर्ड पर डॉ। मेहमूद आलम को बीएचएमएस (बैचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी) बताया गया था।

बोर्ड पर अन्य योग्यताएं और रजिस्ट्रेशन नंबर भी दर्ज था। गोवंडी के ही गायत्री क्लीनिक के बाहर लगे बोर्ड पर डॉ. एके। दुबे को बीएचएमएस फैमिली फिजिशियन बताया गया था। बोर्ड पर सुबह और शाम मरीजों को देखने का समय भी लिखा हुआ था।

स्वतंत्र वार्ता
सोमवार, 17 अगस्त - 2026

घोषणाओं ने उम्मीदें जगाई

लाल किले से लगातार 13वीं बार राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद प्रधानमंत्री ने देश के सामने विकास का जो दृष्टिकोण रखा, उसमें विकसित भारत का संकल्प प्रमुख था। उन्होंने देश के सामने मौजूद चुनौतियों का उल्लेख करने के साथ नई पहलों की घोषणा भी की। इससे यह स्पष्ट है कि सरकार विकास की गति को तेज करने के साथ समस्याओं के समाधान को भी अपनी प्राथमिकता मानती है। लेकिन यह प्राथमिकता केवल केंद्र सरकार तक सीमित नहीं रह सकती। योजनाओं का वास्तविक असर तो राज्यों में दिखाई देता है, इसलिए केंद्र और राज्य सरकारों का एक टीम की तरह काम करना अनिवार्य है। विकसित भारत का लक्ष्य केवल समस्याओं की पहचान कर लेने से कभी पूरा नहीं होगा। जरूरी यह है कि समस्याओं के समाधान के प्रभावी तरीके विकसित किए जाएं और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में विश्वसनीय मानक तथा गुणवत्ता सुनिश्चित हो। आज स्थिति यह है कि कई महत्वाकांक्षी योजनाएं अपेक्षित परिणाम नहीं दे पा रही हैं। कहीं क्रियान्वयन कमजोर है तो कहीं निगरानी और जवाबदेही का अभाव है। ऐसे में विकास की अगली छलांग के लिए घोषणाओं से अधिक उनके जमीन पर परिणामों को महत्व देना होगा। प्रधानमंत्री ने एक करोड़ युवाओं को एआई का प्रशिक्षण देने और छात्रों को ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा उपलब्ध कराने की घोषणा की है। देखा जाए तो दोनों पहलें समय की मांग हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता रोजगार और अर्थव्यवस्था का स्वरूप तेजी से बदल रही है। ऐसे में युवाओं को नई तकनीक से जोड़ना जरूरी है। लेकिन एआई प्रशिक्षण केवल प्रमाणपत्र देने की कवायद न बन जाए, यह भी सुनिश्चित करना होगा। प्रशिक्षण रोजगारपरक हो और युवाओं को वास्तविक कौशल मिले। इसी तरह ऑनलाइन कोचिंग शिक्षा की पहुंच बढ़ा सकती है, लेकिन उसकी गुणवत्ता ऐसी होनी चाहिए कि वह निजी कोचिंग संस्थानों के दबदबे का प्रभावी विकल्प बन सके। लाल किले से प्रधानमंत्री ने अगली पीढ़ी के सुधारों को लेकर सप्तधारा की शक्ति का उल्लेख किया। इसमें पहली शक्ति मैन्युफैक्चरिंग क्षमता, दूसरी कृषि एवं खाद्य उत्पादन, तीसरी प्रौद्योगिकी एवं नवाचार, चौथी गति शक्ति, पांचवीं रक्षा शक्ति, छठी ग्रीन इकोनॉमी और सातवीं देश की सॉफ्ट पावर है। यह ढांचा भारत की विकास क्षमता को व्यापक रूप से सामने रखता है। लेकिन इन शक्तियों को वास्तविक ताकत तभी मिलेगी, जब समाज के हर हिस्से की भागीदारी सुनिश्चित हो। विकास का अर्थ केवल आर्थिक आंकड़ों में बढ़ोतरी नहीं, बल्कि रोजगार, बेहतर शिक्षा, आधुनिक बुनियादी ढांचे, मजबूत कृषि, तकनीकी क्षमता और पर्यावरणीय संतुलन भी है। यदि विकास का लाभ कुछ क्षेत्रों या वर्गों तक सीमित रहा तो असमानता की समस्या बनी रहेगी। इसलिए सप्तधारा को सामाजिक न्याय और समान अवसर की भावना से जोड़ना होगा। विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा, जब केंद्र और राज्य राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर साझा लक्ष्य के लिए काम करें। योजनाओं की संख्या नहीं, उनके परिणाम विकास की असली कसौटी हों। घोषणाएं उम्मीद जगाती हैं, लेकिन उन्हें जमीन पर उतारने की इच्छाशक्ति, गुणवत्ता और जवाबदेही ही भारत को वास्तव में विकसित बनाएगी।

केवल विषधर नहीं, पारिस्थितिकी के प्रहरी हैं नाग

योगेश कुमार गोयल

भारतीय संस्कृति की सबसे विशिष्ट विशेषताओं में एक यह है कि यहां प्रकृति को केवल संसाधन नहीं बल्कि जीवन का अभिन्न और पूजनीय अंग माना गया है। नदियों, पर्वतों, वृक्षों, पशु-पक्षियों और यहां तक कि धरती के भीतर रहने वाले जीवों के प्रति भी श्रद्धा व्यक्त करने की परंपरा रही है। इसी व्यापक प्रकृति-दृष्टि का विशिष्ट पर्व है नाग पंचमी, जो 17 अगस्त को श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि के अवसर पर मनाई जा रही है। यह पर्व नागों के प्रति धार्मिक आस्था व्यक्त करने के साथ-साथ मनुष्य और वन्यजीवों के बीच सह-अस्तित्व की भारतीय अवधारणा को भी सामने लाता है। हिंदू धार्मिक परंपरा में नागों का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। भगवान शिव के गले में सुशोभित नाग हों, भगवान विष्णु की शेषनाग पर विराजमान दिव्य छवि हो अथवा समुद्र मंथन में वासुकि नाग की भूमिका, भारतीय पौराणिक आख्यानों में नाग बार-बार शक्ति, संरक्षण, रहस्य, अनंतता और प्रकृति की अदृश्य ऊर्जा के प्रतीक के रूप में सामने आते हैं। यही कारण है कि नाग पंचमी पर नाग देवताओं की पूजा का विशेष विधान बताया गया है। कहीं नागों की प्रतिमाओं पर हल्दी, कुमकुम, अक्षत और पुष्प अर्पित किए जाते हैं तो कहीं मिट्टी अथवा कुश से नाग की आकृति बनाकर उसका पूजन किया जाता है। अलग-अलग क्षेत्रों में अनुष्ठानों की विधियां भिन्न हो सकती हैं लेकिन श्रद्धा का भाव लगभग समान है।

नाग पूजा की परंपरा कितनी प्राचीन है, इसका संकेत अनेक पौराणिक ग्रंथों और लोककथाओं में मिलता है। नागवंश की उत्पत्ति का संबंध महर्षि कश्यप और उनकी पत्नी कद्रू से जोड़ा गया है। नागों को पाताल लोक का निवासी बताया गया है। इसे आधुनिक भौगोलिक अवधारणा के रूप में देखने के बजाय प्राचीन भारतीय ब्रह्मांड-कल्पना के संदर्भ में समझना अधिक उचित है। इन आख्यानों में नाग केवल भय उत्पन्न करने वाले जीव नहीं हैं बल्कि वे प्रकृति की ऐसी शक्तियों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिन्हें मनुष्य पूरी तरह नियंत्रित नहीं कर सकता और जिनके साथ संतुलन बनाकर रहना आवश्यक है। नाग पंचमी की विशेषता केवल इतनी नहीं है कि इसमें नागों की पूजा की जाती है। इसकी सबसे बड़ी सांस्कृतिक विशेषता यह है कि यह मनुष्य को उस जीव के प्रति भी सम्मान करना सिखाती है, जिससे वह स्वाभाविक रूप से भयभीत रहता है। सांप को देखकर मनुष्य की पहली प्रतिक्रिया अक्सर डर होती है लेकिन भारतीय परंपरा ने इसी भय को श्रद्धा में बदलने का प्रयास किया। नाग को देवता मानने की परंपरा इस विचार को मजबूत करती है कि प्रकृति में प्रत्येक जीव का अपना महत्व है और मनुष्य को अपनी सुरक्षा के साथ-साथ अन्य जीवों के अस्तित्व का भी सम्मान करना चाहिए।

भारत के विभिन्न हिस्सों में नागों को केवल पौराणिक पात्र के रूप में नहीं बल्कि कुलदेवता, ग्रामदेवता, क्षेत्रपाल और स्थान देवता के रूप में भी पूजा जाता रहा है। अनेक स्थानों के नाम भी नाग परंपरा से जुड़े दिखाई देते हैं। अनंतनाग, शेषनाग, नागपुर, नागालैंड और भागसूनाग जैसे नाम भारतीय सांस्कृतिक स्मृति में नागों की गहरी उपस्थिति की ओर संकेत करते हैं। इस पर्व का एक अत्यंत महत्वपूर्ण पक्ष इसका पर्यावरणीय महत्व है। आधुनिक विज्ञान ने यह स्पष्ट किया है कि सांप पारिस्थितिकी तंत्र के महत्वपूर्ण घटक हैं। खेतों और ग्रामीण क्षेत्रों में पाए जाने वाले अनेक सांप चूहों तथा अन्य कृंतकों को खाते हैं। चूहे फसलों, अनाज और खाद्य भंडार को काफी नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में सांप प्राकृतिक रूप से उनकी संख्या नियंत्रित करने में योगदान देते हैं। खाद्य-श्रृंखला में उनकी भूमिका जैविक संतुलन बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

जस्टिस जामदार जैसे न्यायाधीश हैं तो उम्मीदें हैं

रघु ठाकुर

बांबे हाईकोर्ट के जस्टिस माधव जामदार ने 2 जुलाई 2026 को एक प्रकरण पर सुनवाई करते हुए जो टिप्पणी की वह आज की देश की व्यवस्था और उसके नियंत्रकों पर तो है ही, लोकतंत्र के प्रति उनकी गंभीर चिंताओं को व्यक्त करती है। दरअसल वे एक प्रकरण की सुनवाई कर रहे थे जिसमें एक युवक को सरकार विरोधी नारे लगाने और मुर्दाबाद बोलने के गुनाह में गिरफ्तार कर लिया गया था। श्री जामदार ने अपनी टिप्पणी में कहा कि शांतिपूर्वक आंदोलन करना, विरोध करना यह नागरिकों का अधिकार है और अगर वह विरोध करते हैं तो क्या गुनाह करते हैं? देश के सभी नागरिकों को गुलाम बनाया जा रहा है। वे विरोध प्रदर्शन नहीं कर सकते, आंदोलन नहीं कर सकते, यह सब क्या है?

यह घटना उस समय की है जब उसके कुछ दिन पहले नीट के पेपर लीक हुए थे। इस पेपर लीक से देश के लगभग 22 लाख छात्र प्रभावित हुए और परिक्षायें बढ़ा दी गई थी। यहां तक अनेक छात्रों ने तो निराश होकर आत्महत्या कर ली। मेरी जानकारी के अनुसार जो मीडिया से समय-समय पर प्राप्त हुई लगभग 23 छात्रों ने आत्महत्या की। एक छात्रा प्रियंका ने आत्महत्या के पूर्व बहुत मार्मिक पत्र लिखा कि मैं अब अगली परीक्षा की तैयारी नही कर सकती, मैं पिछली परीक्षा की तैयारी कर थक चुकी हूँ। यद्यपि भारत सरकार ने 21 जून को दोबारा नीट की परिक्षायें कराई और वे ठीक ढंग से हो गई। इसलिये यह प्रश्न उठता है कि अगर दूसरी बार में परिक्षायें ठीक से हो सकती हैं तो पहली बार में क्यों नहीं हो सकती। हम लोगों ने इस लीक कांड का न केवल विरोध किया था बल्कि लगातार विभिन्न माध्यमों से प्रधानमंत्री से मांग की थी कि शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान को बर्खास्त किया जाए। क्योंकि यह उनकी जवाबदारी थी, इतना ही नहीं श्री धर्मेन्द्र प्रधान की उस महिला के साथ पूना के कार्यक्रम के फोटो भी मीडिया में आये थे जिन्हें इस कांड का अपराधी माना गया और उनके ऊपर कार्यवाही की गई। जबकि श्री धर्मेन्द्र प्रधान पर कार्यवाही नहीं हुई। इसके दो कारण बताये जाते हैं , एक यह कि पूना की वह महिला रारुट्रीय स्वयं सेवक समर्थित थी और इसी कारण श्री धर्मेन्द्र प्रधान उनके कार्यक्रम में शामिल हुए थे, दूसरा कि धर्मेन्द्र प्रधान प्रधानमंत्री जी के नजदीकी व विश्वासपात्र हैं इसलिये प्रधानमंत्री ने उन पर कार्यवाही नहीं की। यही दोनों कारण हो सकते हैं। वैसे भी भाजपा सरकार व प्रधानमंत्री संघ से मानसिक व संगठित बेड़ियों से इतने जकड़े हुए है कि वे उसे तोड़ कर बाहर नहीं निकल सकते। इसके पहले भी कई ऐसे गंभीर अपराध हुए हैं जिन्हें प्रधानमंत्री ने चुप रहकर दृरुिट ओझल कर दिया।

देश की सेना की एक अधिकारी सोफिया कुरैशी जिसने आपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना के द्वारा पाक सेना पर हमला कर उसके एक हिस्से को नरुट किया था तथा जिसका खुलासा सूफिया कुरैशी ने किया था, जिसकी बहादुरी की तारीफ सारे देश ने की थी। उसके खिलाफ सांप्रदायिक टिप्पणी श्री विजय शाह जो मप्र शासन के मंत्री थे व हैं ने सार्वजनिक रूप से एक गंदा बयान दिया था। उनने कहा था कि हमारे प्रधानमंत्री ने उन्हीं की बहिन से उनको पिटवाया। याने एक मुस्लिम अधिकारी से पाक सेना पर हमला करवाया। भारत की सेना आज तक कभी भी सांप्रदायिक सोच की नहीं हुई। बल्कि उनके बड़े-बड़े अधिकारियों ने सांप्रदायिकता के विरुद्ध खड़े होकर अपने कर्तव्य को निभाया और बाद में अपनी जान भी देनी पड़ी। जनरल वैद्य जिन्होंने भिंडरवाले के खालिस्तानी प्रयासों और स्वर्ण मंदिर को अपना ठिकाना बनाकर जब रारुट्र विरोधी गतिविधियां शुरू की तब जनरल वैद्य ने ऑपरेशन ब्लू स्टार का नेतृत्व किया था। बाद में खालिस्तानियों ने उनकी सेवानिवृत्ति के बाद पूना में उनकी हत्या की। ऐसे भारतीय सेना के अधिकारियों पर मजहबी दृरुिट से टिप्पणी करना घोर निंदनीय व अपराध है, इसको लेकर देश के सर्वोच्च न्यायालय ने एफआईआर करने का आदेश दिया, परंतु आज एक साल होने के बाद मंत्री जी मंत्री हैं और कोई एफआईआर दर्ज नहीं है। इस पर देश के प्रधानमंत्री कभी कुछ नहीं बोले, कार्यवाही करने की तो दूर की बात है। देश की सरकार के सांप्रदायिक नजरिये का इससे बड़ा प्रमाण और क्या हो सकता है कि सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के एक साल बाद तक एफआईआर दर्ज नहीं हुई। अब तो सुप्रीम कोर्ट के जो माननीय मुख्य न्यायाधीश हैं और जो न्यायाधीश हैं उनकी टिप्पणी व निर्णयों के बारे में कहना क्या? जब पिछले दिनों अयोध्या में चंदा चोरी का प्रकरण सामने आया जिसने देश के करोड़ों रामभक्तों व श्रद्धालुओं को ठगा हुआ सा महसूस करा दिया। यहां तक की उसके बाद अयोध्या में चंदा एकत्रित होने में 74 प्रतिशत की कमी हो गई। दर्शनार्थियों की संख्या में भी भारी गिरावट दर्ज हुई और जिन लोगों ने राम मंदिर के आसपास पूंजी लगाकर होटल या दुकानें बनाई थी, वे अब परेशान हैं क्योंकि दर्शनार्थियों की संख्या बहुत घट गई। केवल जो आसपास के लोग है वही पहुंच रहे हैं, बाहर से आने वालों की संख्या बहुत कम हो गई है। इस चंदा चोरी प्रकरण के बारे में याचिका सुनवाई के लिये सुप्रीम कोर्ट में आई तो भारत के मुख्य न्यायाधीश महोदय ने लंबी पेशी देकर टाल दिया और कहा कि श्इतनी जल्दी सुनवाई की क्या आवश्यकता ह्यै देश के करोड़ों लोगों की आस्था पर चोट पहुंचाने वाले इतने बड़े अपराध के प्रति मुख्य न्यायाधीश की टिप्पणी आश्चर्यजनक है। जब एनसीईआरटी की किताबों में न्यायपालिका में भ्ररुटाचार के आरोपों की संख्या छपी उस पर उन्हें तत्काल सुनवाई जरूरी लगी। उन्होंने तत्काल सुनवाई कर इसे हटाने और जिम्मेदार लोगों पर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री जी की भी बंद जुबान खुल गई और उन्होंने केबिनेट की मीटिंग बुलाकर दुख व्यक्त किया व जिम्मेदारी तय करने के लिये कहा। जबकि वह एक सामान्य सी बात थी जो संसद में उठाये गये प्रश्नों के सरकार द्वारा दिये गये उत्तरों में बताई गई थी। जिससे देश के आम आदमी को कोई दुख नहीं बल्कि सुख ही हुआ। इसी प्रकार जब विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने विश्वविद्यालयों में जाति और योनि को लेकर होने वाले अपराधों के खिलाफ कुद नियम बनाये जो कि स्वतरू सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर बनाये गये थे तब भी देश के सर्वोच्च न्यायालय की आत्मा जागी और उन्होंने याचिका पेश होने के एक दिन पहले ही पीठ पर बैठकर टिप्पणी की, कि इस याचिका को मैं सुनना चाहूँगा। क्योंकि यूजीसी के तार्किक नियमों का विरोध समाज का एक विशेरु तबका और जन सूचनाओं के अनुसार संघ समर्थित युवाओं का तबका इन नियमों के विरुद्ध था, तथा अगले ही दिन सुनवाई कर स्थगन आदेश दे दिया। अगर माननीय मुख्य न्यायाधीश श्री सूर्यकांत जो राममंदिर के चंदा चोरी के मामले को सीबीआई को सौंपने या माननीय न्यायाधीश की देखरेख में, या एसआईटी को अधिकतम 15-20 दिन में जांच रिपोर्ट देने को कहते तो कौन से कानून का उल्लंघन होता। इसी प्रकार की घटना हाल ही में हुई है जिसमें दो जजों की बेंच ने धार की भोजशाला के प्रकरण पर सुनवाई आदेश दिया कि सरकार भोजशाला के बाजू में नमाज पढ़ने को जगह दे। यह आदेश कानून और सामान्य समझ से परे है। अगर माननीय सर्वोच्च न्यायालय यह मानता है कि भोजशाला में वाग्देवी मंदिर था तो उसे वाग्देवी वालों को सौंप देना था, अगर वहां मस्जिद को मानते हैं तो मस्जिद वालों को सौंपते। परंतु सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या के समान हिंदू मानस को संतुरुट करने का रास्ता निकाला। यह नीति न्याय संगत नहीं है, यह केवल माननीय सर्वोच्च न्यायालय के बाध्यकारी और बहुसंख्यक हिंदू समाज को संतुरुट करने के आदेश है।

गरीबी से समृद्धि तक पहुंचने की कहानी

रणंजय सिंह गौरव

विकास की रफ्तार से आगे अब यह तय करना होगा कि भारत की अगली मंजिल कैसी होगी। स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में खड़ा भारत अपने अतीत को देखकर गर्व कर सकता है, लेकिन केवल गर्व से भविष्य नहीं बनता। 15 अगस्त का दिन हर वर्ष हमें आजादी की कीमत याद दिलाता है, मगर इस बार सवाल थोड़ा बड़ा है। करीब आठ दशक की यात्रा के बाद भारत अब किस दिशा में जाएगा? हमारी अगली छलांग केवल अर्थव्यवस्था के आकार से तय होगी या फिर इस बात से कि देश का सामान्य नागरिक कितना सुरक्षित, सक्षम और सम्मानजनक जीवन जी पा रहा है?

1947 के बाद भारत के सामने संसाधनों की कमी, गरीबी, अशिक्षा, खाद्य संकट और सामाजिक असमानता जैसी अनेक चुनौतियां थीं। आज स्थिति बिल्कुल अलग है। भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अपनी जगह बना चुका है। डिजिटल तकनीक ने करोड़ों लोगों को जोड़ा है, सड़क और बिजली का विस्तार हुआ है, अंतरिक्ष कार्यक्रम ने दुनिया में भारत की पहचान मजबूत की है और अनेक क्षेत्रों में देश आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। लेकिन विकास की इस तस्वीर के पीछे कुछ ऐसे प्रश्न भी हैं, जिनसे आंखें चुराकर अगला भारत नहीं बनाया जा सकता।

आज के भारत को समझने के लिए कुछ दशक पीछे जाना जरूरी है। 1960 का भारत आज की पीढ़ी के लिए लगभग अविश्वसनीय दिखाई देगा। गांवों का बड़ा हिस्सा बिजली से दूर था। सूखा और खाद्यान्न संकट राष्ट्रीय चिंता का विषय था। राशन की दुकानों पर कतारें लगना सामान्य बातें हुआ करती थीं। ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में गरीबी का असर जीवन के हर हिस्से पर दिखाई देता था। सामाजिक भेदभाव भी गहरा था। दलितों को सार्वजनिक संसाधनों के इस्तेमाल में अपमान झेलना पड़ता था और कई जगह सामाजिक हैसियत के आधार पर सामान्य मानवीय अधिकार तक सीमित कर दिए जाते थे। लेकिन उस भारत में एक बात आज के भारत के लिए प्रेरणा है। साधन सीमित होने के बावजूद भविष्य को लेकर महत्वाकांक्षा सीमित नहीं थी। उसी दौर में भारत ने लोकतंत्र को मजबूत किया, वैज्ञानिक संस्थानों की नींव रखी गई, शिक्षा के नए केंद्र बनाए और अंतरिक्ष तथा परमाणु ऊर्जा जैसे कठिन क्षेत्रों में कदम रखा। थुंबा से शुरुआती रॉकेट प्रक्षेपण ने उस वैज्ञानिक यात्रा को गति दी, जिसने आगे चलकर इसरो को दुनिया की प्रतिष्ठित अंतरिक्ष एजेंसियों में स्थान दिलाया। भारतीय प्रबंधन संस्थानों जैसे संस्थानों की स्थापना ने उच्च शिक्षा को नई दिशा दी। खेलों में मिल्खा सिंह जैसी प्रतिभाओं ने सीमित संसाधनों के बावजूद देश को वैश्विक पहचान दिलाई। भारतीय क्रिकेट ने भी धीरे-धीरे अंतरराष्ट्रीय आत्मविश्वास हासिल करना शुरू किया। यानी भारत की कहानी केवल गरीबी से समृद्धि तक पहुंचने की कहानी नहीं है। यह कम साधनों से बड़े सपने देखने और धीरे-धीरे उन सपनों को संस्थाओं में बदलने की कहानी भी है।

आज भारत के पास अवसर पहले से कहीं अधिक हैं, लेकिन अवसरों का लाभ हर व्यक्ति तक समान रूप से पहुंचाना अभी बाकी है। देश में लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं, मगर डिग्री और रोजगार के बीच की दूरी चिंता पैदा करती है। आने वाले वर्षों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऑटोमेशन और रोबोटिक्स रोजगार के पारंपरिक स्वरूप को और बदलेंगे। ऐसे समय में केवल डिग्रीधारी युवाओं की संख्या बढ़ाना पर्याप्त नहीं होगा। उन्हें ऐसी शिक्षा चाहिए जो समस्या हल करना सिखाए, तकनीक के साथ काम करना सिखाए और बदलती अर्थव्यवस्था के साथ खुद को बदलने की क्षमता दे। भारत के लिए उसकी युवा आबादी बहुत बड़ा अवसर है, लेकिन अवसर अपने आप उपलब्धि नहीं बनता। यदि पर्याप्त गुणवत्तापूर्ण रोजगार, कौशल और उद्यमिता के अवसर नहीं बने तो जनसांख्यिकीय लाभांश धीरे-धीरे बोझ में बदल सकता है। इसी तरह विकास की दूसरी परीक्षा पर्यावरण के मोर्चे पर है।

भारत को अधिक सड़कें, रेल, उद्योग और आवास चाहिए। लेकिन विकास का अर्थ प्रकृति को लगातार पीछे धकेलना नहीं हो सकता। हिमालयी क्षेत्रों में अनियोजित निर्माण, जंगलों की कमी और कमजोर पर्यावरणीय नियोजन के परिणाम भूस्खलन और बाढ़ जैसी घटनाओं में दिखाई देते हैं। नदियों का प्रदूषण और उनके प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव भी चिंता का विषय है। शहरों की स्थिति भी इसी सवाल को सामने लाती है। भारी बारिश जब महानगरों को घंटों के लिए रोक देती है तो समस्या केवल आसमान से गिरने वाले पानी की नहीं होती। प्राकृतिक जलमार्गों पर अतिक्रमण, कंक्रीट का बढ़ता विस्तार, झीलों और नालों की उपेक्षा तथा कमजोर ड्रेनेज व्यवस्था मिलकर बारिश को आपदा में बदल देते हैं। आधुनिक शहर वह नहीं जिसमें केवल ऊंची इमारतें हों; आधुनिक शहर वह है जो बारिश, गर्मी, बाढ़ और बढ़ती आबादी के दबाव को भी संभाल सके। भारत के भविष्य का एक और महत्वपूर्ण प्रश्न गांवों से जुड़ा है। देश के विकास की कहानी अगर केवल महानगरों की कहानी बन गई तो उसमें एक गंभीर कमी रह जाएगी। रोजगार और बेहतर सुविधाओं की तलाश में गांवों से लगातार पलायन होता है। इसका समाधान गांवों को शहर बनाने में नहीं, बल्कि गांवों में ही सम्मानजनक आर्थिक अवसर पैदा करने में है। खेती को तकनीक, प्रसंस्करण, भंडारण और बाजार से जोड़ना होगा। ग्रामीण उद्योग, पर्यटन, डिजिटल सेवाएं और स्थानीय उद्यमिता रोजगार के नए केंद्र बन सकते हैं।

अगर किसी गांव का युवा अपने गांव में ही अच्छी आय अर्जित कर सकता है, तो पलायन मजबूरी नहीं रहेगा। आर्थिक विकास के साथ असमानता का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। बड़ी अर्थव्यवस्था जरूरी है, लेकिन जीडीपी की वृद्धि तभी सार्थक होगी जब उसके लाभ समाज के व्यापक हिस्से तक पहुंचें। यदि एक ओर आधुनिक उद्योग और तकनीक तेजी से आगे बढ़ें और दूसरी ओर बड़ी आबादी शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार तथा बुनियादी सुरक्षा के लिए संघर्ष करती रहे तो विकास अधूरा रहेगा। इसलिए अगले भारत की कसौटी केवल यह नहीं होनी चाहिए कि अर्थव्यवस्था कितने खरब डॉलर की हुई। यह भी पूछा जाना चाहिए कि कितने नए रोजगार बने, कितने छोटे उद्यम खड़े हुए, कितने गांव आर्थिक रूप से मजबूत हुए और कितने परिवारों की वास्तविक आय तथा जीवन-गुणवत्ता सुधरी। सामाजिक स्तर पर भी भारत को अपनी सबसे बड़ी ताकत विविधता के साथ रहने की क्षमता को और मजबूत करना होगा। सदियों से भारत ने अलग-अलग संस्कृतियों, भाषाओं, विचारों और परंपराओं को अपने भीतर जगह दी है। सामाजिक सुधारों की लंबी यात्रा ने कई पुरानी कुरीतियों को चुनौती दी। सती जैसी अमानवीय प्रथाओं का अंत और बराबरी की ओर बढ़ते कदम बताते हैं कि भारतीय समाज स्थिर नहीं, बल्कि लगातार बदलने वाला समाज है। अब इसी परिवर्तनशीलता की जरूरत भविष्य की चुनौतियों से निपटने में है। एक चुनौती ऐसी भी है जिसे आज पर्याप्त गंभीरता से देखने की जरूरत है भारत की बदलती जनसंख्या संरचना। आज युवा आबादी भारत की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन आने वाले दशकों में यही पीढ़ी बुजुर्ग होगी।

'दिमागी नक्सली', नई बहस और हंगामे का आगाज..!

ऋतुपर्ण दवे

लालकिले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 80वें स्वाधीनता दिवस पर उद्बोधन के दौरान विरोधियों पर कसा गया तंज अब नई और राष्ट्रीय बहस का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री की दिमागी नक्सलवाद कह कर की गई टिप्पणी ने नया सियासी तूफान खड़ा कर दिया है। प्रधानमंत्री ने किसे या किन्हें 'दिमागी नक्सली' कहा, क्या विपक्ष और आंदोलनकारी छात्रों को या सरकार पर उंगली उठाने वाले हरेक को या फिर संसद न चलने देने वाले विपक्ष को? निश्चित रूप से इस टिप्पणी पर अभी आगे काफी कुछ सियासत होनी तय है। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि हथियार उठाने वाले नक्सलियों से तो निपट लिया गया, लेकिन अब देश को 'दिमागी नक्सलियों' से सतर्क रहने और उन्हें अलग-थलग करने की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि नक्सलवाद और माओवादी हिंसा ने दशकों तक देश के बड़े हिस्से को प्रभावित किया जिसमें हजारों लोगों की जान गई। उनका इशारा था कि अब इस चुनौती के एक दूसरे स्वरूप यानी दिमागी नक्सलवाद से निपटना जरूरी हो गया है।

प्रधानमंत्री ने अपनी टिप्पणी में दिमागी नक्सली की कोई स्पष्ट या औपचारिक परिभाषा तो दी नहीं और न ही कोई कानूनी परिभाषा बताई। भले ही उनकी टिप्पणी इशारों में रही, लेकिन राजनीतिक और वैचारिक संदर्भ में इसके मायने बहुत गहरे हैं। जंतर-मंतर पर हाल ही में जिस तरह कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले छात्र आंदोलन हुआ जो देखते-देखते देश का एक बड़ा और अप्रत्याशित आन्दोलन बन खड़ा हुआ। अब उसके फैलते जाने का अंदेशा भी दिखाई दे रहा है। कहीं उसी पर तो यह टिप्पणी नहीं की? या फिर हाल ही में संसद में लगातार गतिरोध बने रहने और नेता विपक्ष राहुल गांधी के तमाम मंचों से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को चुनौती देने की खीझ पर तो निशाना नहीं लगया?सच यह है कि हाल के दिनों में जेन-जी के जंतर-मंतर पर आन्दोलन के बाद 12 वर्षों में पहली बार मोदी सरकार को बैकफुट पर आना पड़ा और शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लेना पड़ा। उससे भी गंभीर और बड़ी बात यह कि इस मुद्दे को विपक्ष खासकर राहुल गाँधी ने लपक लिया और संसद से सड़क तक प्रभावशाली तरीके से उठाया। निश्चित रूप से जेन-जी आन्दोलन के चलते महज युवा ही नहीं बल्कि उनके अभिभावक भी नाराज दिखे। इससे पहली बार लगा कि मोदी सरकार परेशान है। देखते ही देखते छात्रों की पिटाई, बिना वर्दी के पुलिस वालों की मौजूदगी, पैलेट गन और कील लगी लाठियों के उपयोग को राहुल ने राष्ट्रीय मुद्दा बना दिया। कहीं दिमागी नक्सली कहकर उनका इशारा इसी पर तो नहीं था? क्या प्रधानमंत्री ने दिमागी नक्सल' शब्द का इस्तेमाल करके देश को सुरक्षा, वैचारिक स्थिरता और सामाजिक एकता से जुड़ाव रखने का साफ और कड़ा संदेश तो देने की कोशिश तो नहीं की? अपने उद्बोधन के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि युवाओं को हिंसा और अराजकता से दूर रहना होगा और विकास तथा रचनात्मक कार्यों में सहयोग देना होगा। जाहिर है प्रधानमंत्री दिमागी नक्सलवाद के जरिए विरोधियों को लताड़ तो लगा रहे थे। साथ ही रूठे या उनसे नाराज जेन-जी को भी संदेश दे रहे थे कि वो रचनात्मक कार्यों में सहयोग करें। जंगली नक्सली खत्म हो गए हैं लेकिन जो दिमागी नक्सली सिर उठा रहे हैं, उन्हें पहचानने की बात किसके लिए कह गए? उन्होंने आगे जो कहा वह और भी खास है जिसमें जंगल नक्सलियों की जगह अब शहरों, शिक्षण संस्थानों और बौद्धिक मंचों पर सक्रिय 'दिमागी नक्सल' के लेने की बात कह, सरकार का विरोध करने वालों को तिलमिला दिया। उन्होंने इनसे सावधान रहने का आगाह भी किया। हथियारबंद नक्सल तो गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं जिन्हें पहचानना होगा। उन्होंने साफ किया कि यह वर्ग सीधे हथियार नहीं उठाता, बल्कि अपनी विचारधारा से देश में भ्रम और अराजकता फैलाने की फिराक में रहता है। पहले भी अर्बन नक्सली कहे जाने पर हंगामा हुआ था जिस पर संसद में बताया गया कि संसद में 'अर्बन नक्सल' शब्द की कोई औपचारिक कानूनी परिभाषा नहीं है। सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि कानून के तहत इस शब्दावली को परिभाषित नहीं किया गया। हाँ, राजनीतिक बयानों और बहसों में इसका उपयोग अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा और वैचारिक विरोध के संदर्भ में किया जाता है। आगे क्या दिमागी नक्सल पर भी यही होगा।

काँग्रेस ने दिमागी नक्सलवाद पर प्रधानमंत्री की टिप्पणी को उनकी घबराहट बताया तो प्रधानमंत्री मोदी के 'दिमागी नक्सल' बयान पर कॉकरोच जनता पार्टी की प्रतिक्रिया ने इस मुद्दे को चर्चा के केंद्र में ला दिया है। अब सवाल यह है कि सरकार और विपक्ष इस बहस को किस दिशा में ले जाते हैं। राजनीतिक बहस तेज हो गई है। जहाँ सीजेपी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए उल्टा सरकार से सवाल पूछा कि शिक्षित युवाओं को नक्सली कहना कितना उचित है? साथ ही यह भी चेताया कि कि देश के हर जिले में एक नया 'जंतर-मंतर' जन्म ले रहा है।

रक्त पिपासुओं का सम्मेलन

डॉ टी महादेव राव

मच्छरों की महासभा पूरे यौवन पर थी। आ क्र म ण करते शत्रु सेना की तरह बहुत बड़ी संख्या में मच्छर शामिल थे। जो भी मिला वाहन, मनुष्य, पशु पर चढ़कर सारे मच्छर कचरे के डिब्बों, झोपड़ियों, गंदे नालों, गलियों, कालोनियों, गेटेड कम्युनिटी, बंद गटरों, कब्जा किए गए तालाबों, सड़ांध फैलाती कीचड़ और नालियों से बढ़-चढ़कर आए।

शायद लोगों का खून बहुत ज्यादा चूस लिया है, कुछ मच्छर सेठ जैसे बड़े बड़े तोंद लेकर थके से इधर-उधर घूम रहे थे। राजनीतिक मच्छर अपने चेलों के साथ आए। कुछ दलाल बैच शायद इधर-उधर घूमते हुए लोगों से मिलजुल रहे थे। सलाह मशवरा कर रहे थे। मच्छरों के बड़े नेता गला संवारकर माइक के सामने आए। अचानक शोर थम गया। छूते ही हमें मारने वाले मनुष्य फिर एक बार विश्व मलेरिया दिवस समारोह मनाने जा रहा है। हमारे वंश को पूरी तरह नाश करने के लिए, हमें खत्म करने के लिए इस बार किस तरह के निर्णय लेते हैं, कैसे नियम बनाते हैं, यह सोचकर ही घबराहट हो रही है। उनके द्वारा किए जाने वाले कामों से, अपनी कौम की रक्षा करते हुए उसके काट के उपाय ढूंढते हुए आगे बढ़ना है। इस लड़ाई में हमें क्या करना चाहिए इस पर आपके विचार बताएं।

नई पीढ़ी का मच्छर इत्मीनान से उठ खड़ा हुआ। लगता था उसके चमचे ज्यादा ही हैं जो शोर मचा रहे थे। मच्छर के हाथ उठाने पर शोर शांत हुआ मुझे लगता है इन मनुष्यों के विषय में आप कुछ ज्यादा ही परेशान हो रहे हैं। इतने डरने की कोई बात नहीं है। वे कई सालों से मलेरिया दिवस मनाते आ रहे हैं। अभी तक उन्होंने कुछ हासिल नहीं किया। मलेरिया बुखार पर ही विजय न पाने वाला मनुष्य हमें क्या करेगा? प्रश्न किया उसने।

लेकिन हमें इस बात को आसानी से नहीं छोड़ना चाहिए। मच्छरों को खत्म करने कारपोरेट कंपनियां हर दिन टीवी और अखबारों में विज्ञापन दे रही हैं, जो हर क्षण हम पर युद्ध कर रहे हैं। असहमति का स्वर उभरा।

ये सारे क्रिया कर्म तो युद्ध या जनता के ऊपर प्रेम के लिए तो बिल्कुल ही नहीं है। हमें भूत की तरह दिखा सामान्य जन को डरा कर अपना धंधा दिन दूना और रात चौगुना करना ही उनका उद्देश्य है। बाजार में मच्छर अगरबत्ती, रिफिल, वेपराइजर, कार्ड, बैट, क्रीम, लोशन कितने सारे हैं? लेकिन क्या कोई हमें खत्म कर सका है? देखा जाए तो पुराने लोग जिस मच्छरदानी पर भरोसा करते थे, कुछ हद तक वही हम पर असरदार हैं। लेकिन उसमें भी घुसकर काटने वाले विशेष दलों को हम तैयार कर रहे हैं। इसलिए हमें किसी तरह के डर की जरूरत नहीं। कहते हुए ढाढस बंधाया मच्छर ने।

एक और मच्छर ने शिकायत करते हुए कहा ₹घर के चारों तरफ दवाइयां छिड़क रहे हैं धुआं धुआं करके हमें परेशान कर रहे हैं।

वे सब नगरपालिका के नेताओं और अधिकारियों के जेब भरने के काम में आते हैं। इससे जनता का कोई फायदा नहीं होता। घर के चारों तरफ कूडा करकट, गटर भरकर साफ न करने वाले मनुष्य हमें क्या कर सकेंगे? एक और मच्छर ने भरोसा दिलाया।

घर पर कैसे करें नाग पंचमी के दिन पूजा?

पंचांग के अनुसार, नाग पंचमी 2026 में 17 अगस्त, सोमवार को मनाई जाएगी. आइए जानते हैं, घर पर नाग देवता की पूजा कैसे करें, कौन-सी चीजें चढ़ाएं और पूजा का सही तरीका क्या है.

सावन का महीना भगवान शिव और उनकी पूजा-अर्चना के लिए बेहद खास माना जाता है. इसी पवित्र महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन नाग देवताओं की पूजा करने से भगवान भोलेनाथ प्रसन्न होते हैं और साधक को भय, रोग तथा कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है. यदि आप भी इस साल घर पर ही सादगी और सही नियम-कायदों के साथ नाग पंचमी की पूजा करना चाहते हैं, तो यहां जानें पूजा की सबसे आसान विधि, शुभ मुहूर्त और ध्यान रखने योग्य जरूरी बातें।

आज मनाई जाएगी नाग पंचमी 2026?

पंचांग के अनुसार, सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है. साल 2026 में पंचमी तिथि 16 अगस्त को शाम 4 बजकर 52 मिनट से शुरू हो चुकी है और 17 अगस्त को शाम 5 बजे तक रहेगी. उदया तिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 17 अगस्त 2026, सोमवार को मनाया जाएगा. वहीं इस दिन नाग देवता की पूजा के लिए सुबह 5 बजकर 51 मिनट से सुबह 8 बजकर 29 मिनट तक का समय शुभ बताया गया है. ऐसे में श्रद्धालु इस अवधि में घर पर नाग देवता की पूजा कर सकते हैं।

घर पर नाग पंचमी की पूजा कैसे करें?

नाग पंचमी के दिन घर पर पूजा करने के लिए सबसे पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान करने के बाद पूजा की जगह को साफ करके वहां एक चौकी रखें. चौकी पर साफ कपड़ा बिछाकर नाग देवता की तस्वीर या प्रतिमा स्थापित करें. अगर घर में नाग देवता की प्रतिमा उपलब्ध नहीं है तो आप पूजा के लिए नाग देवता का चित्र रख सकते हैं. इसके बाद भगवान शिव और नाग देवता का ध्यान करते हुए पूजा का संकल्प लें।

नाग देवता को क्या अर्पित करें?

पूजा के दौरान नाग देवता को जल, दूध, पुष्प, अक्षत, रोली, हल्दी और चंदन अर्पित किया जा सकता है. इसके बाद धूप और दीप जलाएं. नाग देवता को फल और मिठाई का भोग लगाएं. नाग पंचमी पर नाग देवता को प्रतीकात्मक रूप से दूध चढ़ाने की परंपरा कई जगहों पर देखने को मिलती है।

भगवान शिव की पूजा भी करें

नाग पंचमी का संबंध भगवान शिव से भी माना जाता है, क्योंकि शिवजी के गले में नागराज विराजमान हैं. इसलिए इस दिन नाग देवता के साथ भगवान शिव की पूजा करना भी शुभ माना जाता है. घर के मंदिर में शिवलिंग हो तो उस पर जल अर्पित करें. इसके बाद बेलपत्र, फूल और धतूरा आदि चढ़ाकर भगवान शिव का पूजन करें।

नाग पंचमी पर करें नाग देवता का स्मरण

पूजा के दौरान नाग देवता का स्मरण करते हुए उनसे परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना करें. धार्मिक मान्यता के अनुसार नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने से उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है और परिवार पर उनकी कृपा बनी रहती है. पूजा पूरी होने के बाद नाग देवता की आरती करें और परिवार के सभी सदस्यों को प्रसाद वितरित करें. इस दिन अपनी श्रद्धा के अनुसार जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन या दान करना भी शुभ माना जाता है।

नागपंचमी का सावन में महत्व

सावन महीने की पंचमी तिथि को नागपंचमी मनाने का महत्व होता हैं ऐसी मान्यता है कि इस दिन नागों की पूजा से विषैले सर्पों से बचाव होता है और जीवन में उन्नति और समृद्धि आती है. इसीलिए सावन माह की नाग पंचमी नागों को प्रिय है और उन्हें आनंद देने वाली है। अगर सावन के महीने में आपको सांप नजर आते हैं तो इसे भगवान शिव की कृपा बनी रहती हैं।

नाग पंचमी पर इन नागों की होती है पूजा, क्या है धार्मिक महत्व

श्रावण के शुक्ल पक्ष की पंचमी को नाग पंचमी का त्योहार पूरे देश में श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता है. इस शुभ दिन पर भगवान भोलेनाथ के साथ नाग देवता की पूजा करना सदियों से चली आ रही परंपरा है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, नाग पंचमी पर नाग देवताओं की पूजा करने से कुंडली में मौजूद काल सर्प दोष दूर होता है और जीवन में सुख और शांति आती है.

इस दिन नाग देव और भगवान शिव को दूध, जल, फूल और अनाज अर्पित करना अत्यंत शुभ माना जाता है. नाग पंचमी पर मुख्य रूप से आठ पवित्र नागों की पूजा की जाती है।

शेषनाग (अदिशेष)

हिंदू धर्म में शेषनाग का सर्वोच्च स्थान है. उन्हें 'अनंत' या 'आदिशेष' के नाम से भी जाना जाता है. धार्मिक ग्रंथों के अनुसार, शेषनाग को सभी सर्पों का राजा माना जाता है. ऐसा कहा जाता है कि भगवान विष्णु शेषनाग पर लेटी हुई मुद्रा में विराजमान हैं।

वासुकी

वासुकी भगवान शिव के महान भक्त हैं. भगवान शिव वासुकी को अपने गले में आभूषण के रूप में धारण करते हैं. पुराणों के अनुसार, प्रसिद्ध 'समुद्र मंथन' के दौरान मंदारा पर्वत को मथने के लिए वासुकी सर्प का उपयोग रस्सी के रूप में किया गया था.

पद्म नाग औ महापद्म नाग

पद्म नाग शांति और समृद्धि का प्रतीक है. धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, गोमती नदी के निकट स्थित नेमिषारण्य क्षेत्र पर पद्म नागों का शासन था. ये भव्य और सफेद रंग के सर्प होते हैं. विष्णु पुराण में सर्पों के विभिन्न कुलों का वर्णन करते हुए महापद्म नाग के महत्व को रेखांकित किया गया है.

तक्षक नाग

महाभारत में सर्प तक्षक का विशेष उल्लेख है. ऋषि कद्रू और कश्यप की कोख से उत्पन्न तक्षक, आठ प्रमुख सर्प वंशों में से एक है.

कुलिक नाग

माना जाता है कि यह सर्प ब्राह्मण वंश का है. कहा जाता है कि कुलिक नाग का सृष्टिकर्ता देवता ब्रह्मा के साथ गहरा धार्मिक संबंध है।

कर्कोटक नाग

कर्कोटक नाग को भगवान शिव का सच्चा साथी माना जाता है. पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह नाग सभी नागों में सबसे बुद्धिमान और समझदार होता है.

शंखपाल

शंखपाल आठ नागों में से एक महत्वपूर्ण नाग है. माना जाता है कि सफेद रंग के और शंख के समान पवित्र इस नाग की पूजा करने से घर में समृद्धि बढ़ती है.

शिव पुराण में है 8 नागों का जिक्र

शिव पुराण में सर्पों की उत्पत्ति और महत्व का विस्तार से वर्णन है. नाग पंचमी के दिन सर्प देवता की पूजा करने और उन्हें दूध और अन्य प्रसाद अर्पित करने से कालसर्प दोष के नकारात्मक प्रभाव दूर होते हैं. कुंडली में कालसर्प दोष होने पर व्यक्ति को जीवन में बार-बार बाधाओं, मानसिक अशांति और स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है. ऐसा माना जाता है कि नाग पंचमी के दिन आठ सर्पों की श्रद्धापूर्वक पूजा करने और शिव को जल अर्पित करने से कालसर्प दोष के नकारात्मक प्रभाव कम होते हैं और साधक के मन को शांति और सुकून मिलता है।

गणेश जोशी

नाग पंचमी पर क्यों पूजे जाते हैं सांप? महाभारत काल से जुड़ा रहस्य

सनातन धर्म में श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी का त्योहार मनाया जाता है. इस दिन नाग देवताओं और सर्पों की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है. धार्मिक मान्यता के अनुसार, नाग पंचमी पर नाग देवता की प्रतिमा या गोबर से नाग का चित्र बनाकर दूध, अक्षत, दूर्वा, रोली और फूल अर्पित किए जाते हैं. मान्यता है कि विधि-विधान से नाग देवता की पूजा करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है और सर्प भय से रक्षा होती है. कई लोग इस दिन कालसर्प दोष की शांति के लिए भी पूजा-पाठ और विशेष अनुष्ठान करते हैं।

राजा जन्मेजय और आस्तिक मुनि की पौराणिक कथा

नाग पंचमी पर नाग देवताओं की पूजा करने के पीछे एक पौराणिक कथा महाभारत काल से जुड़ी हुई है. कथा के अनुसार, राजा परीक्षित की मृत्यु तक्षक नाग के डसने से हुई थी. अपने पिता की मृत्यु का बदला लेने के लिए उनके पुत्र राजा जन्मेजय ने सर्पों के विनाश के लिए एक विशाल सर्पसत्र यज्ञ का आयोजन किया.

यज्ञ के प्रभाव से बड़ी संख्या में सर्प खिंचकर अग्निकुंड में गिरने लगे और भस्म होने लगे. देखते ही देखते नाग जाति के अस्तित्व पर संकट मंडराने लगा. तब नागों की रक्षा के लिए ऋषि आस्तिक यज्ञ स्थल पर पहुंचे. उन्होंने अपनी विद्वता और तर्क से राजा जन्मेजय को समझाया और सर्पसत्र यज्ञ को रुकवा दिया।

मान्यता है कि जिस दिन आस्तिक मुनि ने यज्ञ रुकवाकर नागों को अभय दिलाया, वह श्रावण शुक्ल पंचमी का दिन था. इसी वजह से इस दिन नाग देवताओं की पूजा करने की परंपरा जुड़ी मानी जाती है. धार्मिक मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन नाग देवताओं की पूजा करने से सर्पों का भय दूर होता है और उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।

श्रीकृष्ण और कालिया नाग की कहानी
नाग पंचमी से क्या है इसका कनेक्शन?

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति के साथ-साथ कई पावन पर्वों और पौराणिक गाथाओं का साक्षी बनता है. आइए जानते हैं क्या है श्री कृष्ण और कालिया नाग के युद्ध की पूरी कहानी और नाग पंचमी से इसका गहरा संबंध।

सावन का महीना भगवान शिव की भक्ति के साथ-साथ कई धार्मिक पर्वों और पौराणिक कथाओं से भी जुड़ा हुआ है. इसी महीने नाग पंचमी का पर्व मनाया जाता है. इस दिन नाग देवता की पूजा करने की परंपरा है. नाग पंचमी का नाम आते ही भगवान शिव के गले में विराजमान नाग और श्रीकृष्ण की कालिया नाग पर विजय की कथा भी याद आती है. खासतौर पर श्रीकृष्ण और कालिया नाग की कहानी नाग पूजा की परंपरा से जुड़ी एक महत्वपूर्ण पौराणिक कथा मानी जाती है. आइए जानते हैं।

कब मनाई जाएगी नाग पंचमी 2026?

पंचांग के अनुसार, नाग पंचमी हर साल सावन मास के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाई जाती है. वर्ष 2026 में पंचमी तिथि 16 अगस्त की शाम 4 बजकर 52 मिनट से शुरू होगी और 17 अगस्त की शाम 5 बजे तक रहेगी.उदया तिथि के आधार पर नाग पंचमी का पर्व 17 अगस्त 2026, सोमवार को मनाया जाएगा।

आखिर कौन था कालिया नाग?

पौराणिक कथा के अनुसार, कालिया नाम का एक विशाल और जहरीला नाग यमुना नदी में रहने लगा था. उसके विष का प्रभाव इतना ज्यादा था कि यमुना का पानी दूषित हो गया था. उसके आसपास का वातावरण भी विषैला माना जाता था.कहा जाता है कि कालिया नाग के कारण यमुना के आसपास रहने वाले लोगों और पशु-पक्षियों को काफी परेशानी होती थी. लोग उस क्षेत्र में जाने से डरते थे. गोकुल और वृंदावन के लोगों के लिए कालिया नाग एक बड़ी चिंता का कारण बन गया था।

श्रीकृष्ण ने कालिया नाग को कैसे हराया?

एक दिन बाल श्रीकृष्ण अपने मित्रों के साथ यमुना किनारे खेल रहे थे. खेलते-खेलते गेंद यमुना नदी में चली गई. श्रीकृष्ण गेंद निकालने के लिए नदी में कूद गए.नदी में पहुंचते ही उनका सामना कालिया नाग से हुआ. कालिया नाग ने श्रीकृष्ण को अपने फन और शरीर से जकड़ने की कोशिश की. लेकिन श्रीकृष्ण ने उसके बंधन से खुद को मुक्त कर लिया.इसके बाद श्रीकृष्ण और कालिया नाग के बीच संघर्ष हुआ. कथा के अनुसार, श्रीकृष्ण कालिया नाग के फनों पर चढ़ गए और उनके ऊपर नृत्य करने लगे. श्रीकृष्ण के पैरों के प्रहार से कालिया नाग कमजोर पड़ने लगा.

कालिया नाग की पत्नियों ने श्रीकृष्ण से मांगी क्षमा

जब कालिया नाग श्रीकृष्ण के सामने हारने लगा, तब उसकी पत्नियां यानी नागपत्नियां भगवान श्रीकृष्ण के सामने आईं. उन्होंने श्रीकृष्ण से कालिया नाग के प्राणों की रक्षा करने की प्रार्थना की.उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण की प्रार्थना की और कालिया नाग की गलतियों के लिए क्षमा मांगी. श्रीकृष्ण ने उनकी प्रार्थना स्वीकार कर ली. इसके बाद श्रीकृष्ण ने कालिया नाग को यमुना छोड़कर समुद्र में जाने का आदेश दिया. मान्यता है कि श्रीकृष्ण ने कालिया नाग को यह भी आश्वासन दिया कि गरुड़ अब उसे परेशान नहीं करेंगे, क्योंकि उसके शरीर पर श्रीकृष्ण के चरणों के निशान मौजूद होंगे।

नाग पंचमी से कालिया नाग की कथा का क्या संबंध है?

मान्यता के अनुसार, नाग पंचमी का संबंध भगवान श्रीकृष्ण द्वारा यमुना नदी में कालिया नाग का अहंकार तोड़ने और उसे परास्त करने की पौराणिक कथा से है. इसी प्रसंग की याद में नागों के प्रति सम्मान और उनके संरक्षण का यह पर्व मनाया जाता है।

नाग पंचमी पर नाग देवता की पूजा क्यों होती है?

नाग पंचमी के दिन नाग देवता की पूजा करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है. धार्मिक मान्यता है कि नाग देवता की पूजा करने से परिवार की सुख-शांति और समृद्धि की कामना पूरी होती है. कई स्थानों पर इस दिन नाग देवता की प्रतिमा या फोटो को दूध अर्पित करने की परंपरा भी देखने को मिलती है।

नाग पंचमी 2026 क्यों है खास?

साल 2026 में नाग पंचमी 17 अगस्त, सोमवार को पड़ रही है. सावन सोमवार और नाग पंचमी का यह संयोग भगवान शिव और नाग देवता की आराधना के लिहाज से विशेष माना जा रहा है. शिव भक्त इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करने के साथ नाग देवता की पूजा भी कर सकते हैं।

नाग पंचमी क्यों खास है?

नाग पंचमी सिर्फ एक परंपरा या व्रत नहीं है. यह दिन ऊर्जा संतुलन और नकारात्मक प्रभावों को दूर करने का एक विशेष अवसर है. पौराणिक ग्रंथों में वर्णित है कि नागों की पूजा करने से जीवन में सुख, समृद्धि और सुरक्षा आती है. यह दिन विशेष रूप से उन लोगों के लिए बहुत शुभ माना जाता है जिनकी कुंडली में कालसर्प दोष है।

सांपों की पूजा कैसे करें?

नाग देवता की मूर्ति या तस्वीर को दूध से स्नान कराएं.

फिर हल्दी, केसर और धनिया से सजाएं।

गाय का दूध, लड्डू और दर्भा चढ़ाएं. कुछ लोग भगवान सुब्रह्मण्यम के मंदिरों में जाते हैं, तो कुछ लोग सांपों के पास बने गड्ढों में दूध डालकर उनकी पूजा करते हैं।

ऐसा माना जाता है कि इस दिन नाग देवता की पूजा करने से सर्प दंश से सुरक्षा मिलती है।

नागों को भगवान शिव का आभूषण और प्रकृति का रक्षक माना जाता है. इसलिए, ऐसी मान्यता है कि नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से न केवल आध्यात्मिक बल्कि पारिस्थितिक संतुलन भी बना रहता है।

किन सांपों की विशेष पूजा की जाती है?

इस दिन 12 प्रमुख नागों अनंत, वासुकी, शेष, पद्म, कंबाला, कर्कोटक, अश्वितर, धृतराष्ट्र, संकपाल, कालिया, तक्षक और पिंगला की पूजा का विशेष विधान है.

नाग पंचमी के दिन नागों की पूजा करने से क्या फल मिलता है?

अकाल मृत्यु का भय मिट जाता है।

अचानक दुर्घटनाओं से सुरक्षा।

आपको उन बीमारियों से राहत मिलेगी जो आपको लंबे समय से परेशान कर रही थीं।

'हर कदम सही दिशा में उठाया गया...'

शाहरुख खान-अजय देवगन और टाइगर को भेजे गए एफडीए नोटिस पर बोलीं शायना एनसी

शिवसेना की प्रवक्ता शायना एनसी ने महाराष्ट्र फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एफडीए) के उस फैसले का समर्थन किया है, जिसके तहत बॉलीवुड सितारों शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को इलायची ब्रांड के विज्ञापन के लिए नोटिस जारी किए गए हैं।

एफडीए की कार्रवाई के बारे में बात करते हुए शायना ने कहा कि गुटखा और पान मसाला जैसे उत्पाद सेहत के लिए नुकसानदायक हैं और अधिकारियों द्वारा उठाए गए कदमों को जनहित में देखा जाना चाहिए।

शायना एनसी ने क्या कहा?

शायना एनसी ने कहा, 'हम सभी जानते हैं कि गुटखा और पान मसाला सेहत के लिए कितने खतरनाक हैं। हमारे नेता एकनाथजी शिंदे ने कुछ दिन पहले एफडीए कमिश्नर तुकाराम मुंडे जी से मुलाकात की थी। मुझे लगता है कि सही दिशा में उठाए गए हर कदम को जनहित में लिया गया फैसला माना जाना चाहिए'।

शाइना ने उन सेलिब्रिटीज की जिम्मेदारी के बारे में भी बात की, जो विज्ञापनों के जरिए उत्पादों का प्रचार करते हैं। उन्होंने कहा कि कई लोग एक्टर्स को रोल मॉडल मानते हैं, इसलिए उन्हें जनता तक पहुंचाए जाने वाले संदेश को लेकर सावधान रहना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, 'यह मामला सिर्फ मशहूर हस्तियों के किसी मकसद का समर्थन करने का नहीं है, बल्कि समाज में उनके रोल मॉडल होने और लोगों के लिए सही विचार रखने का है, ताकि लोग उनका अनुसरण कर सकें'।

क्या है पूरा मामला?

महाराष्ट्र एफडीए ने शुक्रवार को शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को इलायची ब्रांड के विज्ञापन को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किए। आरोप है कि यह विज्ञापन राज्य में प्रतिबंधित विमल पान मसाला का सरोगेट विज्ञापन हो सकता है।

विभाग का कहना है कि यह विज्ञापन 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006' और इसके संशोधित नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन कर सकता है।

इस सप्ताह जारी किए गए नोटिस में तीनों अभिनेताओं से विज्ञापन में उनकी भूमिका को लेकर स्पष्टीकरण मांगा गया है। यह कार्रवाई तब की गई है जब महाराष्ट्र एफडीए ने तंबाकू या निकोटीन वाले गुटखा और पान मसाला उत्पादों के खिलाफ अपनी जांच तेज कर दी है। एफडीए के अनुसार, विज्ञापन एक ऐसे ब्रांड से जुड़ाव बनाता है, जो मुख्य रूप से पान मसाला से जुड़ा है। नियामक ने FSS Act की धारा 24 और 53 का हवाला देते हुए विज्ञापन और तीनों अभिनेताओं की भूमिका की जांच शुरू की है।

रेगुलेटर ने महाराष्ट्र सरकार के एक आदेश का भी जिक्र किया, जिसमें 13 जुलाई, 2026 को जारी आदेश में बताई गई तारीख से एक साल तक राज्य में इस उत्पाद के निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री पर रोक लगाई गई है।

बढ़ी फिल्मी सितारों की मुश्किलें

विमल इलायची के विज्ञापन में शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ जैसे बड़े सितारों की मौजूदगी ने इसे खासा चर्चित बनाया है। अब एफडीए की जांच इस बात पर केंद्रित है कि विज्ञापन वास्तव में इलायची जैसे अलग उत्पाद का प्रचार करता है या इसके जरिए प्रतिबंधित विमल पान मसाला ब्रांड की पहचान और बाजार में उसकी मौजूदगी को अप्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है।

सेलेना गोमेज पर लगे धोखाधड़ी के आरोप का वकील ने किया बचाव

मानसिक स्वास्थ्य कंपनी से जुड़ा है मामला

सेलेना गोमेज की लीगल टीम ने वंडरमाइंड के खिलाफ दायर मुकदमे का जवाब दिया है। उन्होंने अपने ऊपर लगे धोखाधड़ी के आरोपों को खारिज किया है। वंडरमाइंड एक मेंटल हेल्थ कंपनी है, जिसकी वह को-फाउंडर हैं।

क्या बोले सेलेना के वकील?

गोमेज के वकील मैथ्यू एस. रोजेनगार्ट ने उनके खिलाफ लगाए गए दावों को पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है।

उन्होंने कहा है कि उनकी लीगल टीम कोर्ट से इस मामले को खारिज करने की मांग करेगी। उन्होंने कहा वह इन झूठे आरोपों का पुरजोर बचाव करेंगे। उनके खिलाफ बेबुनियाद दावों को खारिज करने के लिए एक मोशन भी दायर किया जा रहा है।

किसने लगाए आरोप?

यह मुकदमा वंडरमाइंड एसआरएस 44 एलएलसी और बेसपोक वंडरमाइंड एसपीवी एलएलसी ने गोमेज, उनकी मां मैंडी टीफी और पूर्व बिजनेस पार्टनर डेनिएला पियर्सन के खिलाफ दायर किया था। कंपनियों ने इन तीनों पर वंडरमाइंड की लीडरशिप और योजनाओं के बारे में इन्वेस्टर्स से झूठे दावे करने का आरोप लगाया है।

क्या है वंडरमाइंड का काम?

वंडरमाइंड की शुरुआत नवंबर 2021 में गोमेज, टीफी और पियर्सन ने मिलकर की थी। यह कंपनी मेंटल फिटनेस और उससे जुड़े टूल्स पर फोकस करती है।

क्या हैं आरोप?

मुकदमे के अनुसार, इन्वेस्टर्स को कथित तौर पर बताया गया था कि वंडरमाइंड का एक ऐप होगा और बड़ी एडवरटाइजिंग पार्टनरशिप होंगी, साथ ही सेलिब्रिटी फोटो शूट और मैगजीन कवर स्टोरीज भी होंगी। शिकायत में यह भी दावा किया गया है कि गोमेज को कंपनी की मार्केटिंग योजनाओं के एक अहम हिस्से के तौर पर पेश किया गया था।

मुआवजे की हो रही मांग

मुकदमे में आगे यह भी आरोप लगाया गया है कि वादा की गई कुछ पार्टनरशिप और प्रोजेक्ट्स कभी पूरे नहीं हुए और ऐप कभी लॉन्च नहीं किया गया।

शिकायत में गोमेज, टीफी और पियर्सन पर सिक्योरिटीज फ्रॉड, कॉमन-लॉ फ्रॉड और कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता इन्वेस्टमेंट एग्रीमेंट को रद्द करने के लिए मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

क्रिकेटर विनोद कांबली की जिंदगी पर बनेगी वेब सीरीज, सात साल से लिखी जा रही स्क्रिप्ट

भारतीय क्रिकेट के पूर्व बल्लेबाज विनोद कांबली के फैंस के लिए खुशखबरी है। खबर है कि उनकी जिंदगी पर वेब सीरीज बन रही है। निर्देशक अभिजीत देशपांडे यह सीरीज बना रहे हैं। सीरीज का नाम 'कांबली' है। यह जी5 पर रिलीज हो सकती है।

कब शुरू हुआ काम?

सीरीज के निर्माता रवि भागचंदका हैं। अभिजीत देशपांडे ने बताया 'कांबली' की कहानी लिखने का काम 2019 में शुरू किया था। उनके मुताबिक, शुरुआत में कांबली की जिंदगी पर मराठी फीचर फिल्म बनाने का विचार था। फिर जब उन्होंने कांबली की जिंदगी को समझा तो पाया कि यह कहानी एक फिल्म के लिए बड़ी है।

क्यों बनेगी सीरीज?

निर्देशक के मुताबिक कांबली की जिंदगी एक फिल्म में नहीं सिमटेगी। इसी वजह से इस पर सीरीज बनाने का फैसला किया गया। हिंदी में सीरीज बनने से यह ज्यादा दर्शकों तक पहुंचेगी। उनके मुताबिक यह कहानी सिर्फ क्रिकेट की नहीं है बल्कि इंसानी कहानी है।

सीरीज में क्या नजर आएगा?

इस सीरीज में विनोद कांबली के क्रिकेट से लेकर उनकी निजी जिंदगी की चुनौतियों को दिखाया जाएगा। सीरीज में कांबली को क्रिकेट में मिली कामयाबी और उनकी जिंदगी की मुश्किलों को दिखाया जाएगा। इसमें उन मामलों को दिखाया जाएगा जिन्होंने उनके करियर को संवारा।

कपड़े उतारे..रेजर से किया हमला! विवादों में आयी टीवी एक्ट्रेस अंतरा बनर्जी

मॉडल और अभिनेत्री अंतरा बनर्जी ट्रेन में हुई एक घटना के चलते चर्चा में हैं। बीतें दिनों अरावली एक्सप्रेस में सफर के दौरान अभिनेत्री की आरपीएफ के जवान के साथ बहस हुई। आरोप है कि इस बहस के दौरान अंतरा ने जवान पर रेजर से हमला कर दिया।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला 12 अगस्त का बताया जा रहा है जब अंतरा बनर्जी शूटिंग के लिए सूरत जा रही थीं।उनके पास स्लीपर क्लास का टिकट था। मगर वह एसी कोच में बैठ गईं।

कोच में बैठने के बाद एक्ट्रेस और बाकि यात्रियों के बीच बहस हो गई।मामला संभालने के लिए वहां रेलवे पुलिस के जवान पहुंचे।आरपीएफ कर्मियों के हस्तक्षेप के बाद स्थिति और भी तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद आरोप है कि अंतरा ने एक जवान पर रेजर से हमला कर दिया। मामले में अंतरा पर एफआईआर दर्ज की गई है।

गुस्से में आ गई अंतरा

यह घटना कथित तौर पर बोरीवली और दहानू के बीच हुई। रिपोर्ट्स के मुताबिक बनर्जी से आरक्षित सीट खाली करने को कहा गया था। मगर एक्ट्रेस नहीं मानी इसके बाद टिकट कलेक्टर ने आरपीएफ को इसकी जानकारी दी। आरपीएफ के सहायक सब-इंस्पेक्टर यामिनीकांत मिश्रा और कांस्टेबल राजेश कुमार ने कथित तौर पर सबसे पहले हस्तक्षेप किया। मगर अंतरा गुस्से में आ गईं।

खिड़की तोड़ने का भी किया प्रयास

पुलिस का कहना है कि गुस्से में आकर अंतरा ने अपने कपड़े उतार दिए और एक रेजर ब्लेड निकाल लिया। बताया जाता है कि इस घटना में मिश्रा घायल हो गए और बनर्जी भी कथित तौर पर घायल हो गईं। इतना ही नहीं, अंतरा ने कोच से बाहर निकलने की कोशिश में खिड़की तोड़ने का भी प्रयास किया।

ट्रेन में टिकट ना मिलने से थीं नाराज

आगे अंतरा को दहानू स्टेशन पर उतार दिया और रेलवे पुलिस के हवाले कर दिया गया। अगली सुबह बोरीवली रेलवे पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया। पुलिस के अनुसार अंतरा ट्रेन में टिकट न मिलने से काफी नाराज थीं।

नोटिस जारी कर रिहा किया

रिपोर्ट्स के अनुसार अंतरा पर 13 अगस्त को एफआईआर दर्ज हुई थी। पुलिस ने उन पर सुरक्षा को खतरे में डालने, सरकारी कर्मचारियों पर हमला करने, चोट पहुंचाने और अधिकारियों का अपमान करने का मामला दर्ज हुआ। बाद में नोटिस जारी करते हुए अंतरा को जमानत पर रिहा कर दिया गया।

कौन हैं अंतरा बनर्जी?

अंतरा कई टीवी शो, फिल्मों और वेब सीरीज में काम कर चुकी हैं। उन्होंने फिल्ममेकर लोम हर्ष की फिल्म 'ये है इंडिया' में एक पत्रकार का किरदार निभाया था। इसके अलावा वह एकता कपूर के एरिका फर्नांडिस और पार्थ समथान अभिनीत शो 'कसौटी जिंदगी के' में भी नजर आई थीं। 2019 में उन्होंने यह शो छोड़ दिया था।

किस फिल्म से किया बॉलीवुड डेब्यू ?

इस शो के अलावा अंतरा 'सावधान इंडिया', 'लाल इश्क' और 'गुमराह' जैसे शोज में भी नजर आईं। वह 'बढ़ो बहू' में पिंकी अहलावत के किरदार में भी दिखी थीं। उन्होंने 2014 में फिल्म 'द शौकीन्स' से बॉलीवुड में डेब्यू किया, जिसमें उन्होंने एक छोटा सा रोल किया था।

रणवीर की 'प्रलय' में साउथ एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शनी नजर आएंगी

फरहान अख्तर की 'डॉन 3' पर हुए तमाम विवादों को पीछे छोड़ते हुए रणवीर सिंह ने रविवार से अपनी आगामी एक्शन थ्रिलर फिल्म 'प्रलय' की शूटिंग शुरू कर दी है। फिल्म में लीड रोल निभाने के साथ ही रणवीर इस फिल्म से बतौर निर्माता भी जुड़े हैं।

'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' की सफलता के बाद रणवीर सिंह का यह पहला प्रोजेक्ट है। इस फिल्म को लेकर अभिनेता के फैंस बेहद एक्साइटेड हैं।

'प्रलय' में क्या है खास?

'प्रलय' को रणवीर के करियर का सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स बताया जा रहा है।

फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू हो चुकी है। इसे लाइव लोकेशन पर भी शूट किया जाएगा।रणवीर इस फिल्म में अभिनय करने के साथ ही इसका निर्माण भी कर रहे हैं।

यह एक धमाकेदार एक्शन फिल्म होगी। रणबीर के लिए यह महत्वकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक है। फिल्म में 'लोका' फेम एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शनी भी अभिनय करती नजर आएंगी।

बड़े पैमाने पर होगा काम

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'प्रलय' की कहानी काफी हद तक विजुअल इफेक्ट्स पर निर्भर करेगी। फिल्म में धुआंधार एक्शन सीन्स भी होंगे। रणवीर इस फिल्म के डेवलपमेंट प्रोसेस के दौरान क्रिएटिव चर्चाओं में भी एक्टिव रूप से शामिल हुए हैं। लगभग 300 करोड़ रुपए के बजट में बनने वाली 'प्रलय' रणवीर सिंह के करियर की सबसे महंगी स्टैंडअलोन फिल्म हो सकती है।

फिल्म 'प्रलय' के बारे में

'प्रलय' में रणवीर सिंह मुख्य किरदार में नजर आएंगे। वहीं कल्याणी प्रियदर्शन भी अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं। वहीं फिल्म का निर्माण अनन्या बिड़ला स्टूडियोज कर रहा है।

किस बात के लिए बिग बी को डांट देती हैं जया बच्चन? 'केबीसी 18' में अमिताभ बच्चन ने सुनाया मजेदार किस्सा

अमिताभ बच्चन ने हालिया 'केबीसी 18' के एपिसोड में मजेदार किस्सा सुनाया। हॉट सीट पर बैठे प्रतियोगी और बिग बी के बीच एक खास विषय चर्चा हो रही थी। इस दौरान अमिताभ बच्चन ने बताया कि जया जी बचकर वह कौन सा काम करते हैं? क्योंकि उस वजह से उन्हें कई बार डांट भी पड़ जाती है।

आखिर किस बात पर जया बच्चन से पड़ती हैं बिग बी को डांट?

अमिताभ बच्चन को 'केबीसी 18' के एपिसोड में सामने बैठे प्रतियोगी से बताया कि उन्होंने रात-रात भर बैठेकर फीफा देखा। इस पर बिग बी ने कहा, 'आपकी खेल में बड़ी दिलचस्पी है, हमारी भी है। अभिषेक और मैं भी खेल में बड़ी दिलचस्पी रखते हैं। पता नहीं आपके घर में भी ऐसा है या नहीं। लेकिन हमारे घर में देवी जी (जया बच्चन) जी कहती हैं कि बंद करो यह टीवी।'

अमिताभ बच्चन आगे कहते हैं, 'ऐसे में हमने एक रास्ता निकाला है, हमने अलग टीवी रख लिया है। जब खेल देखते हुए रात हो जाती है तो हम उन्हें कहते हैं कि आप आराम कीजिए। वह नीचे चली जाती हैं लेकिन वह शोर से जाग न जाएं, इसलिए हम हेडफोन लगाकर फुटबॉल, क्रिकेट देखते हैं।फिर जब जोश में कभी चिल्लाते हैं तो घर वाले घबरा जाते हैं।'

इस बार अलग है 'केबीसी 18' का कॉन्सेप्ट?

क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति' का यह 18वां सीजन है। इसका प्रीमियर 10 अगस्त से टीवी पर होने लगा है। शो हर सोमवार से शुक्रवार रात 9 बजे प्रसारित किया जाता है। इस बार शो की थीम 'सोचना पड़ेगा' है। प्रतियोगियों को अपने व्यावहारिक ज्ञान की शक्ति का इस्तेमाल इस बार शो में करना होगा।

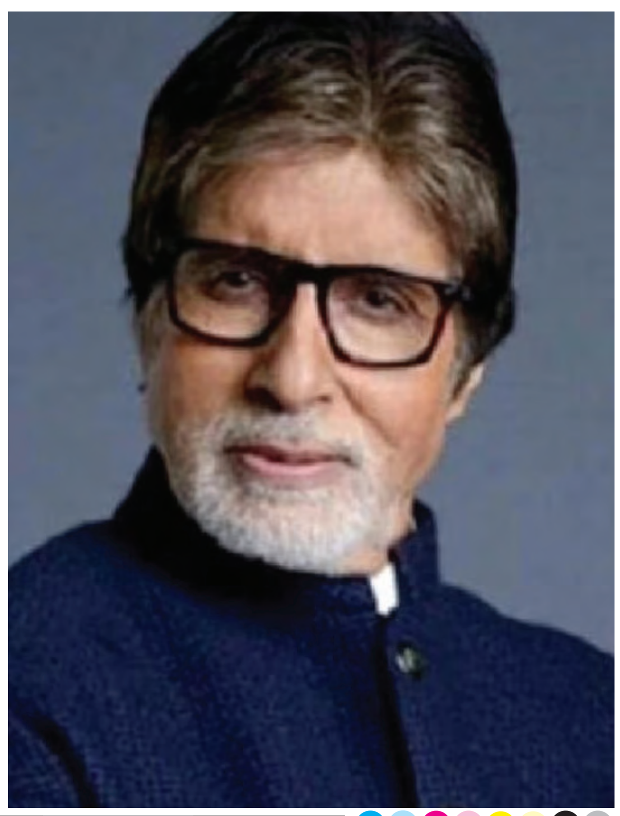

अमेरिका कम बजट में भी दे रहा भारतीयों को डिग्री
इन 5 यूनिवर्सिटीज में स्टूडेंट्स के लिए है सबसे कम फीस

अमेरिका में फॉल इनटेक के लिए क्लास शुरू हो रही हैं। इस इनटेक में बहुत सारे स्टूडेंट्स अप्लाई करते हैं, लेकिन हर किसी को एडमिशन नहीं मिल पाता है। अगर आपको भी फॉल इनटेक में एडमिशन नहीं मिला, तो टेंशन लेने वाली बात नहीं है, क्योंकि स्प्रिंग इनटेक के लिए एडमिशन चालू हैं। स्प्रिंग इनटेक में क्लास की शुरुआत जनवरी से होती हैं। ऐसे में आप आराम से स्प्रिंग इनटेक में एडमिशन के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

हालांकि, फॉल हो या फिर स्प्रिंग, हर इनटेक में स्टूडेंट्स को एक बात का खास ख्याल रखना पड़ता है और वो है- ट्यूशन फीस। अमेरिकी यूनिवर्सिटीज महंगी ट्यूशन फीस के लिए जानी जाती हैं। फीस ही पढ़ाई पर होने वाले खर्च का सबसे बड़ा हिस्सा होती है। ऐसे में आज हम आपको उन 5 यूनिवर्सिटीज के बारे में बताएंगे, जहां किफायती ट्यूशन फीस ली जा रही है। इन यूनिवर्सिटीज की रैंकिंग यूएस न्यूज के जरिए तय की गई है।

कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, फ्रेस्नो

फायेटविले स्टेट यूनिवर्सिटी

इस लिस्ट में नंबर 5 फायेटविले स्टेट यूनिवर्सिटी है, जो नॉर्थ कैरोलिना राज्य में स्थित है। यहां पर 5500 से ज्यादा स्टूडेंट्स डिग्री ले रहे हैं, जिसमें विदेशी स्टूडेंट्स की संख्या भी ठीक-ठाक है। इस यूनिवर्सिटी की सालाना ट्यूशन फीस 22,227 डॉलर (लगभग 21.21 लाख रुपये) है। अगर आपका बजट कम है, तो आप इस यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले सकते हैं।

वेस्टर्न कैरोलिना यूनिवर्सिटी

अमेरिका में कम बजट में पढ़ने के लिए वेस्टर्न कैरोलिना यूनिवर्सिटी भी एक अच्छा ऑप्शन है। यहां पर 10 हजार के करीब स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं, जिनमें विदेशी स्टूडेंट्स भी शामिल हैं। अगर आप यहां पढ़ाई करना चाहते हैं, तो फिर आपको सालाना ट्यूशन फीस के तौर पर 20,430 डॉलर (लगभग 19.50 लाख रुपये) देने होंगे।

कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, फ्रेस्नो

अमेरिका में किफायती ट्यूशन फीस वाली यूनिवर्सिटी में तीसरा नंबर फ्रेस्नो में स्थित कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी का है। अमेरिका की नेशनल यूनिवर्सिटी रैंकिंग में ये टॉप-200 में शामिल है। इसकी पॉपुलैरिटी का अंदाजा कुछ यूं लगा सकते हैं कि यहां पर 20 हजार से ज्यादा स्टूडेंट्स डिग्री ले रहे हैं। यहां पर सालाना ट्यूशन फीस 19,660 डॉलर (लगभग 18.75 लाख रुपये) है।

यूनिवर्सिटी ऑफ कुम्बरलैंड्स

अमेरिका के केंटकी राज्य में स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ कुम्बरलैंड्स भी देश के किफायती ट्यूशन फीस वाली यूनिवर्सिटीज में से एक है। यहां पर 7000 स्टूडेंट्स पढ़ाई कर रहे हैं और भारतीय छात्र भी आसानी से इस यूनिवर्सिटी में एडमिशन ले सकते हैं। केंटकी के विलियम्सबर्ग में स्थित इस यूनिवर्सिटी की सालाना ट्यूशन फीस 19,175 डॉलर (लगभग 18 लाख रुपये) है।

डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी

मिसिसीपी राज्य के क्लीवलैंड शहर में डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी स्थित है। वैसे तो ये कम पॉपुलर यूनिवर्सिटी है, लेकिन अगर ट्यूशन फीस की बात करें तो वो काफी कम है। यहां भारतीय स्टूडेंट्स 18,639 डॉलर (लगभग 17.75 लाख रुपये) ट्यूशन फीस देकर हायर एजुकेशन हासिल कर सकते हैं।

12वीं के बाद विदेश में पढ़ना है, तो देना होगा एपी एग्जाम?
क्यों एडमिशन के लिए जरूरी है ये परीक्षा

क्या आप विदेश में पढ़ाई करना चाहते हैं? अगर आपका जवाब हां है, तो फिर आपको ये भी मालूम होना चाहिए कि एडमिशन से पहले कौन-कौन से एग्जाम देने होंगे। इसका जवाब खासतौर पर उन स्टूडेंट्स को तो जरूर मालूम होना चाहिए, जो 12वीं के तुरंत बाद अमेरिका, कनाडा जैसे देशों में जाकर एडमिशन लेना चाहते हैं। इन एग्जाम के स्कोर के आधार पर ही तय होता है कि एडमिशन की कितनी ज्यादा संभावना रहेगी।

एपी एग्जाम ऐसी ही एक टेस्ट है, जो हर उस स्टूडेंट के लिए अहम है, जिन्हें विदेश में 12वीं के बाद पढ़ाई करनी है। कॉलेज बोर्ड साउथ एशिया के लिए सीनियर रीजनल डायरेक्टर ने बताया कि कई बार यूनिवर्सिटीज ऐसी स्थिति में फंस जाती हैं, जहां उन्हें 2 स्टूडेंट्स में से किसी एक को चुनना होता है। इस तरह के हालात में वे एपी टेस्ट स्कोर की मदद लेती हैं और जिस स्टूडेंट का अच्छा स्कोर होता है, उसे दाखिला मिल जाता है।

क्या है एपी एग्जाम?

एपी एग्जाम क्या है और ये स्टूडेंट को विदेशी यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई के लिए आवेदन मजबूत करने में कैसे मदद करता है? स्टडी अब्रॉड एक्सपर्ट ने कहा, 'एपी एग्जाम कॉलेज बोर्ड के जरिए करवाई जाने वाली एक स्टैंडर्डाइज्ड असेसमेंट है। इसके जरिए 1 से 5 के पैमाने पर अलग-अलग सब्जेक्ट में कॉलेज लेवल कोर्स के लिए स्टूडेंट की नॉलेज को चेक किया जाता है।'

उन्होंने कहा, 'विदेशों में पढ़ाई के इच्छुक छात्रों के लिए एपी एग्जाम सिर्फ एक सर्टिफिकेट नहीं है, बल्कि ये बताता है कि स्टूडेंट अकेडमिक चुनौती के लिए तैयार है और उसके भीतर सीखने की जिज्ञासा है। इससे एडमिशन ऑफिसर्स को एक मान्यता प्राप्त पैमाना भी मिलता है, जिसके आधार पर वे दाखिले का फैसला ले पाते हैं। जैसे-जैसे एडमिशन प्रोसेस में टेस्ट स्कोर के अलावा अन्य फैक्टर्स पर फोकस किया जा रहा है, वैसे-वैसे एपी स्कोर अकादमिक उपलब्धि, निबंध और एक्स्ट्राकरिकुलर एक्टिविटी के साथ मिलकर छात्र की कॉलेज लेवल पर पढ़ाई के लिए मजबूत बेंचमार्क तैयार कर रहा है।'

ये याद रखना जरूरी है कि सिर्फ एपी स्कोर के भरोसे एडमिशन नहीं मिलता और न ही ये सेलेक्शन की पूरी गारंटी है, क्योंकि एडमिशन का फैसला छात्र की पूरी प्रोफाइल (पूरी पढ़ाई और गतिविधियों) को देखकर किया जाता है। फिर भी, अगर आप किसी बहुत बड़े या पॉपुलर कॉलेज में अप्लाई कर रहे हैं, तो अच्छे एपी स्कोर आपकी एप्लीकेशन को और अधिक मजबूत बना देते हैं।'

क्या बिना ऑफिशियल एपी कोर्स के एग्जाम दे सकते हैं?

स्टडी अब्रॉड एडवाइजर से जब सवाल किया गया कि क्या स्कूल में आधिकारिक एपी कोर्स लिए बिना एपी एग्जाम देना संभव है? इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'बिल्कुल एपी एग्जाम देने के लिए स्कूल में आधिकारिक एपी कोर्स का होना जरूरी नहीं है। जिन स्टूडेंट ने खुद से या ऑनलाइन इसके बारे में पढ़ाई की है, वे रजिस्टर्ड एग्जाम सेंटर के जरिए सीधे एपी एग्जाम के लिए रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'यह भारत जैसे देशों के छात्रों के लिए बेहद फायदेमंद है, जो अपने स्कूल के कोर्स से हटकर अतिरिक्त नॉलेज हासिल करते हैं। AP प्रोग्राम नॉलेज हासिल करने के तरीके के बजाय सिर्फ सब्जेक्ट पर छात्र की पकड़ को महत्व देता है, जिससे छात्रों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलता है।'

रेलवे में 3993 पदों पर सरकारी नौकरी
जूनियर इंजीनियर भर्ती में शुरू हुए आवेदन

रेलवे में सरकारी नौकरी लेने का सपना देख रहे उम्मीदवारों के लिए खुशखबरी है। आरआरबी की जूनियर इंजीनियर (JE) भर्ती में ऑनलाइन आवेदन शुरू हो गए हैं। इसके साथ जेई का विस्तृत विज्ञापन भी जारी हो गया है। कुल 3993 रिक्तियां इस भर्ती के जरिए भरी जाएंगी। ऐसे में जो भी उम्मीदवार जेई भर्ती के फॉर्म खुलने का इंतजार कर रहे थे, अब वो ऑनलाइन अप्लाई कर सकते हैं। एप्लिकेशन लिंक www.rrbapply.gov.in पर एक्टिव हो गया है।

रेलवे ने सेंट्रलाइज्ड एंप्लॉयमेंट नोटिस CEN-04/2026 के अंतर्गत इस भर्ती का डिटेल्ड नोटिफिकेशन जारी किया है। इसी के साथ 14 अगस्त से आवेदन प्रक्रिया शुरू की गई है। अभ्यर्थी इस तारीख से लेकर अंतम तिथि 13 सितंबर 2026 तक कभी भी फॉर्म भरने का प्रोसेस पूरा कर सकते हैं। करीब एक महीने का समय है। वहीं एप्लिकेशन फीस भरने की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 है। जेई भर्ती में कौन अप्लाई कर सकता है?, योग्यता क्या चाहिए? सैलरी कितनी मिलेगी? सेलेक्शन कैसे होगा?

RRB जेई भर्ती के लिए योग्यता

किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से तीन साल का डिप्लोमा मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग या बेसिक स्ट्रीम से सब स्ट्रीम से मैकेनिकल/इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में किया हो।

तीन का डिप्लोमा सिविल इंजीनियरिंग या सिविल इंजीनियरिंग में बीएससी की डिग्री आदि की हो।

तीन साल का डिप्लोमा मैकेनिकल/प्रोडक्शन/ऑटोमोबाइल/इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स/इंस्ट्रूमेंटेशन और कंट्रोल इंजीनियरिंग या मैकेनिकल/प्रोडक्शन/ऑटोमोबाइल/इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक्स/इंस्ट्रूमेंटेशन और कंट्रोलर इंजीनियरिंग की बेसिक सब स्ट्रीम में किया हो।

कंप्यूटर इंजीनियरिंग की डिग्री वाले भी संबंधित पद पर अप्लाई कर सकेंगे। इसके अलावा पद से संबंधित योग्यता रखने वाले उम्मीदवार भी आवेदन के योग्य हैं।

डिपो मेटेरियल सुपरिटेंडेंट के लिए तीन साल का डिप्लोमा इंजीनियरिंग में किया होना चाहिए।

उम्मीदवारों की उम्र कम से कम 18 वर्ष और अधिकतम उम्र 1 जनवरी 2027 के हिसाब से 33 वर्ष तक होनी चाहिए। ऊपरी उम्र में नियमानुसार छूट भी दी जाएगी। एससी/एसटी अभ्यर्थियों को 05 साल, ओबीसी नॉन क्रीमी लेयर को 03 साल की छूट मिलेगी।

रेलवे भर्ती में सेलेक्शन कैसे होगा?

स्टेज I CBT: स्टेज 1 सीबीटी 90 मिनट का होगा। जिसमें 100 सवाल आएंगे। मैथिमेटिक्स से 30, जनरल इंटेलिजेंस और रीजनिंग से 25, जनरल अवेयरेस से 15 और जनरल साइंस से 30 प्रश्न पूछे जाएंगे। हर सवाल 1 अंक का होगा। जिसमें 1/3 निगेटिव मार्किंग भी लागू होगी। यह चरण पास करने के लिए अनारक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को 40 प्रतिशत, ईडब्ल्यूएस को 40 प्रतिशत, ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर) और एससी को 30 प्रतिशत और एसटी को 25 प्रतिशत अंक लाने होंगे।

स्टेज- 2 CBT: पहले स्टेज में शॉर्टलिस्ट होने वाले उम्मीदवारों को दूसरे स्टेज में बैठने का अवसर मिलेगा। इसमें रिक्तियों के 15 अभ्यर्थी बुलाए जाएंगे। परीक्षा की अवधि 120 मिनट की होगी। जिसमें 150 सवाल पूछे जाएंगे। जनरल अवेयरनेस, फिजिक्स और केमिस्ट्री, कंप्यूटर और एप्लिकेशन बेसिक्स, एनवायरमेंट और पॉल्यूशन कंट्रोल, टेक्निकल एबिलिटीज विषय से प्रश्न आएंगे। इसमें भी 1/3 की निगेटिव मार्किंग लागू होगी।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन: सेकंड स्टेज का सीबीटी क्लियर करने के बाद अभ्यर्थियों को डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के लिए भर्ती बोर्ड के समक्ष उपस्थित होना होगा। इसमें ओरिजनल डॉक्यूमेंट्स भी लाने होंगे।

RRB जेई भर्ती का फॉर्म कैसे भरना है?

आरआरबी जेई का फॉर्म भरने के लिए अभ्यर्थियों को पहले www.rrbapply.gov.in पर जाना होगा। यहां सबसे पहले अपनी बेसिक डिटेल्स के जरिए अकाउंट क्रिएट करें। इसके लिए आपको ईमेल और मोबाइल नंबर की डिटेल्स चाहिए होंगी। इसके बाद लॉगइन करके अपना नाम, कैटेगिरी, जन्मतिथि, अपने मार्क्स और अन्य डिटेल्स ध्यान से संबंधित बॉक्स में भरते जाएं। इसके बाद जरूरी डॉक्यूमेंट्स सही साइज में अपलोड करें। एप्लिकेशन फीस का भुगतान करने के बाद फॉर्म का प्रिंट आउट निकाल लें।

12वीं के बाद क्या करें? मर्चेंट नेवी बन सकती है शानदार विकल्प

आज अधिकांश विद्यार्थी इंजीनियरिंग, मेडिकल और सरकारी सेवाओं जैसे कॅरिअर विकल्पों को प्राथमिकता देते हैं। इसी क्रम, मर्चेंट नेवी भी युवाओं के लिए एक आकर्षक और रोमांचक कॅरिअर विकल्प है, जहां अच्छे वेतन के साथ विश्व भ्रमण, तेज कॅरिअर ग्रोथ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम करने के अवसर मिलते हैं। विश्व के अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय व्यापार का परिवहन समुद्री मार्गों से होता है, जिसके कारण वैश्विक समुद्री उद्योग में प्रशिक्षित और कुशल भारतीय युवाओं की मांग लगातार बनी हुई है।

ये हैं कॅरिअर विकल्प

मर्चेंट नेवी में मुख्य रूप से पांच प्रमुख कॅरिअर विकल्प होते हैं-डेक ऑफिसर, मरीन इंजीनियर, इलेक्ट्रो-टेक्निकल ऑफिसर (ईटीओ), रेटिंग/क्रू सदस्य तथा कैटरिंग एवं हॉस्पिटैलिटी विभाग। ये सभी पद जहाज के सुचारु संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डेक ऑफिसर जहाज के नेविगेशन और संचालन, मरीन इंजीनियर इंजन एवं मशीनरी, जबकि इलेक्ट्रो-टेक्निकल ऑफिसर जहाज की विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक प्रणालियों की देखरेख करता है। वहीं, रेटिंग/क्रू सदस्य जहाज के विभिन्न दैनिक एवं तकनीकी कार्यों में सहयोग करते हैं, जबकि कैटरिंग एवं हॉस्पिटैलिटी विभाग क्रू सदस्यों के भोजन, आवास और अन्य सुविधाओं का प्रबंधन करता है।

पात्रता और मानदंड

मर्चेंट नेवी में विभिन्न पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता अलग-अलग निर्धारित होती है। डेक कैडेट, डिप्लोमा इन नॉटिकल साइंस, बीएससी नॉटिकल साइंस और मरीन इंजीनियरिंग जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सामान्यतः बारहवीं कक्षा में भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित (पीसीएम) विषय होना आवश्यक है। डेक कैडेट के लिए सामान्यतः लगभग 60 प्रतिशत अंक अपेक्षित होते हैं।

वहीं, जीपी रेटिंग के लिए दसवीं या बारहवीं उत्तीर्ण होना आवश्यक होता है, जबकि इलेक्ट्रो-टेक्निकल ऑफिसर (ईटीओ) के लिए इलेक्ट्रिकल या इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग जैसी तकनीकी योग्यता जरूरी होती है। इसके अतिरिक्त, अभ्यर्थी का चिकित्सकीय रूप से फिट होना, दृष्टि एवं रंग पहचान सामान्य होना तथा अंग्रेजी भाषा का पर्याप्त ज्ञान होना आवश्यक है।

प्रमुख संस्थान

इंडियन मैरीटाइम यूनिवर्सिटी, चेन्नई, तमिलनाडु

मरीन इंजीनियरिंग एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोलकाता

तोलानी मैरीटाइम इंस्टीट्यूट, पुणे

एंग्लो-ईस्टर्न मैरीटाइम अकादमी, करंजाडे, नवी मुंबई

ग्रेट ईस्टर्न इंस्टीट्यूट ऑफ मैरीटाइम स्टडीज, लोनावला

एचआईएमटी कॉलेज, तमिलनाडु

इंटरनेशनल मैरीटाइम इंस्टीट्यूट, ग्रेटर नोएडा

प्रवेश के लिए जरूरी चरण

प्रवेश के लिए प्रमुख परीक्षा आईएमयू-सीईटी है। इसके अलावा, विभिन्न शिपिंग कंपनियां अपने स्तर पर स्पॉन्सरशिप परीक्षा, लिखित परीक्षा, साक्षात्कार और मेडिकल परीक्षण आयोजित करती हैं। इन सभी चरणों को सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद अभ्यर्थी संबंधित पाठ्यक्रम या प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रवेश ले सकते हैं।

मर्चेंट नेवी में वेतन पद, कंपनी, जहाज के प्रकार, अनुभव और अनुबंध के आधार पर अलग-अलग हो सकता है। इसलिए प्रवेश लेने से पहले यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि चुना गया प्रशिक्षण संस्थान डीजी शिपिंग से मान्यता प्राप्त हो।

सरकारी कंपनी में सीखने और कमाने का मौका, अप्रेंटिस के 500+ पदों पर आवेदन शुरू; कैसे भरें फॉर्म?

भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, तिरुचिरापल्ली ने ट्रेड अप्रेंटिस, टेक्नीशियन अप्रेंटिस और ग्रेजुएट अप्रेंटिस के पदों पर भर्ती के लिए अधिसूचना जारी की है। यह भर्ती वर्ष 2026-27 के लिए अप्रेंटिस अधिनियम के तहत की जा रही है। इच्छुक उम्मीदवार बीएचईएल की आधिकारिक वेबसाइट trichy.bhel.com से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

ट्रेड अप्रेंटिस (कुल 380 पद)

टेक्नीशियन अप्रेंटिस (कुल 60 पद)

ग्रेजुएट अप्रेंटिस (कुल 90 पद)

क्या है आवेदन के नियम?

ट्रेड अप्रेंटिस: उम्मीदवार का 10वीं पास होना और संबंधित ट्रेड में आईटीआई (NCVT/SCVT मान्यता प्राप्त संस्थान से) होना जरूरी है।

टेक्नीशियन अप्रेंटिस: उम्मीदवार 10वीं पास हो और संबंधित इंजीनियरिंग शाखा में डिप्लोमा किया हो। सामान्य, ओबीसी (एनसीएल) और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए कम से कम 60% अंक तथा एससी/एसटी वर्ग के लिए 50% अंक आवश्यक हैं।

ग्रेजुएट अप्रेंटिस: उम्मीदवार ने 10+2 के बाद संबंधित इंजीनियरिंग विषय, बीकॉम या बीए में नियमित स्नातक डिग्री प्राप्त की हो। सामान्य, ओबीसी (एनसीएल) और ईडब्ल्यूएस वर्ग के लिए न्यूनतम 60% अंक तथा एससी/एसटी वर्ग के लिए 50% अंक जरूरी हैं।

कितना मिलेग स्टाइपेंड?

ट्रेड अप्रेंटिस को उनके ट्रेड के अनुसार हर महीने 10,560 से 11,040 तक स्टाइपेंड मिलेगा। वहीं, टेक्नीशियन अप्रेंटिस को 10,900 प्रति माह और ग्रेजुएट अप्रेंटिस को 12,300 प्रति माह स्टाइपेंड दिया जाएगा। चयनित उम्मीदवारों को यह राशि प्रशिक्षण अवधि के दौरान मिलेगी।

देखें आयु की शर्तें

सभी श्रेणियों के लिए उम्मीदवार की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम आयु 27 वर्ष होनी चाहिए। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार आयु में छूट मिलेगी। एससी/एसटी वर्ग को 5 वर्ष, ओबीसी (एनसीएल) वर्ग को 3 वर्ष और 40% या उससे अधिक दिव्यांगता वाले उम्मीदवारों को 10 वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी।

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले BHEL त्रिची की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

अप्रेंटिस भर्ती 2026 के लिंक पर क्लिक करें।

अपनी श्रेणी (ट्रेड, टेक्नीशियन या ग्रेजुएट अप्रेंटिस) के अनुसार आवेदन लिंक चुनें।

मांगी गई जानकारी भरकर पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) करें।

शैक्षिक योग्यता और अन्य आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

आवेदन फॉर्म की सभी जानकारी जांचकर सबमिट करें।

राजस्थान में निकली 24000+पदों पर सफाई कर्मचारी की भर्ती, बिना शैक्षणिक योग्यता वाले करें अप्लाई

राजस्थान में सरकारी नौकरी की तैयारी कर रहे उम्मीदवारों के लिए अच्छी खबर है। स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान ने सफाई कर्मचारी भर्ती 2026 के तहत 24,752 पदों पर ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 15 अगस्त से शुरू कर दी है। इस भर्ती के लिए कोई न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित नहीं की गई है, जिससे बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा। इच्छुक उम्मीदवार 28 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

क्या है पात्रता की शर्तें?

उम्मीदवार राजस्थान का मूल निवासी (डोमिसाइल) होना चाहिए।

इस भर्ती के लिए कोई न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता निर्धारित नहीं की गई है। उम्मीदवार के पास किसी नगर निगम, नगर परिषद या नगर पालिका में सफाई कार्य का कम से कम 1 वर्ष का अनुभव होना चाहिए।

यह अनुभव लगातार 1 वर्ष का या अलग-अलग अवधियों को मिलाकर कुल 1 वर्ष का हो सकता है। अनुभव प्रमाण पत्र संबंधित शहरी स्थानीय निकाय द्वारा निर्धारित प्रारूप में जारी होना चाहिए।

प्रमाण पत्र पर सक्षम अधिकारी के हस्ताक्षर होना अनिवार्य है।

अनुभव प्रमाण पत्र 1 अगस्त 2026 या उसके बाद तथा आवेदन की अंतिम तिथि से पहले जारी किया गया होना चाहिए।उम्मीदवार 183 अधिसूचित शहरी स्थानीय निकायों में से केवल एक के लिए ही आवेदन कर सकता है। एक से अधिक निकायों में आवेदन करने पर सभी आवेदन निरस्त कर दिए जाएंगे।

देखें आधिकारिक नोटिफिकेशन
कितना लगेगा आवेदन शुल्क?

सफाई कर्मचारी भर्ती 2026 के लिए आवेदन करने वाले उम्मीदवारों को ऑनलाइन आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा। सामान्य (General) वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए आवेदन शुल्क 600 रुपये निर्धारित किया गया है, जबकि आरक्षित वर्ग (SC, ST, OBC, EWS आदि) के उम्मीदवारों को 400 रुपये शुल्क जमा करना होगा।

कैसे होगा चयन?

भर्ती में उम्मीदवारों का चयन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा।

सबसे पहले उसी शहरी स्थानीय निकाय (ULB) में 1 वर्ष का स्वच्छता कार्य अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां के लिए उन्होंने आवेदन किया है।

यदि इसके बाद भी पद रिक्त रहते हैं, तो उसी जिले के अन्य शहरी स्थानीय निकायों में 1 वर्ष का स्वच्छता अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को लॉटरी प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

यदि फिर भी पद खाली रहते हैं, तो राज्य के किसी भी शहरी स्थानीय निकाय में 1 वर्ष का स्वच्छता अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों को लॉटरी प्रक्रिया में शामिल किया जाएगा।

पात्र उम्मीदवारों का अंतिम चयन निर्धारित नियमों के अनुसार लॉटरी के जरिए किया जाएगा।

कैसे करें आवेदन?

सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट lsg.rajasthan.gov.in पर जाएं।

होमपेज पर दिए गए Recruitment/भर्ती सेक्शन पर क्लिक करें।

संबंधित भर्ती लिंक पर जाकर आवेदन फॉर्म खोलें।

मांगी गई सभी आवश्यक जानकारी जैसे नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी आदि दर्ज करें।

आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें।

अपनी श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क का ऑनलाइन भुगतान करें।

सभी जानकारी जांचने के बाद आवेदन फॉर्म सबमिट करें।

सेहत के नाम पर ठगे जा रहे उपभोक्ता

एफएसएसएआई ने कैसे बेनकाब की कंपनियों की चालाकी, किस-किस पर गिरी गाज?

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने भ्रामक विज्ञापनों और झूठे दावों पर बड़ा प्रहार किया है। खाद्य सामग्री बेचने वाली छह प्रमुख कंपनियों पर नियमों के उल्लंघन का आरोप लगा था। नियामक की ओर से कारण बताओ नोटिस जारी होने के बाद सभी छह कंपनियों ने सरेंडर कर दिया है। इन कंपनियों ने बाजार से अपने विवादित लेबल, झूठे दावे और भ्रामक ट्रेडमार्क वापस ले लिए हैं। एफएसएसएआई ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए इस पूरी कार्रवाई की जानकारी साझा की है। नियामक ने कहा कि नोटिस मिलते ही संबंधित खाद्य कारोबारियों ने तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए हैं। कंपनियों ने न केवल विवादित दावों को हटा लिया है, बल्कि वे अपनी पूरी पैकेजिंग को भी बदल रही हैं। उपभोक्ताओं की सेहत से खिलवाड़ रोकने और खाद्य सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए यह देशव्यापी अभियान चलाया जा रहा है।

क्या थी लिवयोर वेंचर्स की चालाकी?

नियामक की जांच में 'लवयोर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड' का मामला सबसे प्रमुखता से सामने आया। यह कंपनी अपने उत्पाद लिवयोर रोस्टेड एडामामे बीन्स के पैकेट पर धड़ल्ले से 'वीगन' और 'हेल्दी' लिख कर बेच रही थी। जांच के दौरान जब इन दावों के प्रमाण मांगे गए, तो कंपनी कोई ठोस वैज्ञानिक आधार पेश नहीं कर सकी। एफएसएसएआई का नोटिस मिलते ही कंपनी के होश उड़ गए। कंपनी ने नियामक को अपना लिखित जवाब सौंपा। अपने स्पष्टीकरण में कंपनी ने स्वीकार किया कि नियामक आवश्यकताओं की जानकारी न होने के कारण लेबल पर ये दावे अनजाने में छप गए थे। कंपनी ने इस गंभीर चूक के लिए नियामक से औपचारिक रूप से माफी मांगी है। साथ ही भरोसा दिलाया है कि भविष्य में ऐसी गलती दोहराई नहीं जाएगी। कंपनी ने बाजार में मौजूद पुरानी पैकेजिंग सामग्री को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ताकि गैर-अनुपालन वाले रैपर का दोबारा इस्तेमाल न हो सके।

किन-किन कंपनियों ने बदले अपने भ्रामक दावे?

एफएसएसएआई की इस सख्त कार्रवाई की जद में कई अन्य नामी गिरामी कंपनियां भी आई हैं। नियामक के कड़े रुख को देखते हुए अन्य कंपनियों ने भी चुपचाप अपने स्तर पर सुधार करना शुरू कर दिया है:'ऑनेस्ट इनोवेशन्स फॉर यू प्राइवेट लिमिटेड' और 'हेलियोस्टोन स्पेशलिटीज प्राइवेट लिमिटेड' अपने ब्रांड नाम और ट्रेडमार्क के जरिए उपभोक्ताओं को गुमराह कर रही थीं। नोटिस मिलते ही दोनों कंपनियों ने अपने विवादास्पद ट्रेडमार्क बदलने की घोषणा कर दी है। **भ्रामक दावों पर रोकः** 'राजस्थान एग्रो एंड जनरल इंडस्ट्रीज' ने अपने खाद्य उत्पादों से जुड़े सभी बढ़ा-चढ़ाकर किए गए दावों को तुरंत हटा दिया है।

एलपीजी पर होर्मुज संकट नहीं करेगा परेशान

रिलायंस समेत इन्हें मिली प्रोडक्शन बढ़ाने की छूट; अंबानी को सबसे बड़ी जिम्मेदारी!

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया संघर्ष के दौरान आयातित रसोई गैस की सप्लाई कम होने के बाद अब सरकार ने घरेलू तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन बढ़ाने के लिए पहली बार अलग-अलग रिफाइनरी इकाइयों और तेल-गैस कंपनियों के लिए अधिकतम उत्पादन लक्ष्य तय किए हैं। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के 13 अगस्त के आदेश के तहत 21 रिफाइनरी और अपस्ट्रीम कंपनियों के लिए कुल 63,810 टन प्रतिदिन का तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) उत्पादन क्षमता निर्धारित की गई है। यह 31 मार्च, 2026 को समाप्त वित्त वर्ष के घरेलू एलपीजी उत्पादन का दोगुना से भी अधिक है। साथ ही यह आंकड़ा देश की 70 प्रतिशत दैनिक खपत के बराबर है। ये लक्ष्य आपूर्ति में कमी की स्थिति में लागू होंगे।

3.32 करोड़ टन एलपीजी की खपत हुई

भारत में वित्त वर्ष 2025-26 में करीब 3.32 करोड़ टन एलपीजी की खपत हुई, जबकि घरेलू उत्पादन लगभग 1.31 करोड़ टन रहा। करीब 2.13 करोड़ टन एलपीजी का आयात करना पड़ा। यानी देश अपनी एलपीजी जरूरत का 64 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात करता है।

सरकार का यह कदम उस संकट की पृष्ठभूमि में आया है, जब पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण स्टेट ऑफ होर्मुज से एलपीजी का आयात प्रभावित हुआ था। उस दौरान घरेलू एलपीजी की सप्लाई बनाए रखने के लिए रिफाइनरी कंपनियों को उत्पादन बढ़ाने, वाणिज्यिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को आपूर्ति सीमित करने तथा घरेलू उपभोक्ताओं के लिए रिफिल बुकिंग की अवधि बढ़ाने जैसे कदम उठाने पड़े थे।

रिलायंस के लिए सबसे ज्यादा लिमिट

नए आदेश के तहत रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर स्थित घरेलू बाजार के लिए संचालित रिफाइनरी को सबसे बड़ा लक्ष्य दिया गया है। उसे जरूरत पड़ने पर 18,000 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन करना होगा। वहीं, रूस की रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी के लिए 4,480 टन प्रतिदिन का लक्ष्य तय किया गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की 18 रिफाइनरी इकाइयों को मिलाकर 31,470 टन प्रतिदिन एलपीजी उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है। रिलायंस की जामनगर स्थित केवल निर्यात के लिए संचालित दूसरी रिफाइनरी के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।

सरकार का खास प्लान

नए फ्रेमवर्क में कंपनियों को एलपीजी के भंडारण, निकासी और परिवहन के लिए पर्याप्त इंफ्रास्ट्रक्चर बनाए रखने और उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी और आर्थिक रूप से व्यवहार्य उपाय करने को कहा गया है।

इनमें जरूरत पड़ने पर नैफ्था को एलपीजी में बदलना और फ्लूइड कैटेलिटिक क्रैकिंग इकाइयों को उन्नत करना भी शामिल है। सरकार हर छह महीने में उत्पादन लक्ष्यों की समीक्षा करेगी। नई रिफाइनरी, नए तेल-गैस क्षेत्रों और तकनीकी उन्नयन से पैदा होने वाली अतिरिक्त क्षमता को भी इसमें शामिल किया जा सकेगा।

इस तरह सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के दौरान उठाए गए अस्थायी कदमों को अब एक स्थायी आपूर्ति-सुरक्षा व्यवस्था का रूप देने की कोशिश की है, ताकि भविष्य में विदेशी एलपीजी आपूर्ति बाधित होने पर घरेलू उपभोक्ताओं को कमी, राशनिंग या रिफिल पर प्रतिबंध जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

संकट के 1,000 दिन, लाल सागर के चक्रव्यूह में फंसा भारत चुका रहा बड़ी कीमत

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लाल सागर संकट के बिना किसी स्थायी समाधान के 1,000 दिन पूरे हो चुके हैं। इससे यह साफ होता है कि सैन्य कार्रवाई मिसाइल को तो रोक सकती है। लेकिन, व्यावसायिक भरोसे को बहाल नहीं कर सकती। इकोनॉमिक थिंक टैंक जीटीआरआई ने रविवार को यह बात कही। उसके अनुसार, समुद्री आवाजाही के चोकपॉइंट्स (संकरे रास्ते) में व्यवधान बढ़े हैं। इस कारण भारत को समुद्री असुरक्षा को एक निरंतर व्यापार जोखिम के रूप में देखना चाहिए। साथ अपनी घरेलू शिपिंग क्षमता, ट्रेड फाइनेंस, नौसेना सुरक्षा और वैकल्पिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर को मजबूत करना चाहिए। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत के लिए इस संकट ने यूरोप, ब्रिटेन, उत्तरी अफ्रीका और अमेरिकी पूर्वी तट के साथ व्यापार को धीमा और महंगा बना दिया है। इससे ज्यादा माल ढुलाई, बीमा और वर्किंग-कैपिटल लागत के कारण एमएसएमई एक्सपोर्टर्स को नुकसान हो रहा है। जीटीआरआई के फाउंडर अजय श्रीवास्तव ने कहा, 'जैसे-जैसे शिपिंग के लिए अवरोध मार्ग बढ़ रहे हैं, भारत को समुद्री असुरक्षा को व्यापार के लिए लगातार बने रहने वाले जोखिम के तौर पर देखना चाहिए। घरेलू शिपिंग क्षमता, ट्रेड फाइनेंस, नौसेना सुरक्षा

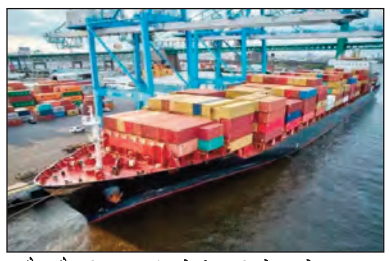

और वैकल्पिक ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर को मजबूत करना चाहिए।'लाल सागर (रेड सी) हिंद महासागर और भूमध्य सागर के बीच महत्वपूर्ण समुद्री कड़ी है। यहां जहाज एशिया से अरब सागर, अदन की खाड़ी, रेड सी और स्वेज नहर से होते हुए भूमध्य सागर में प्रवेश करते हैं। यह रूट भारत, मिडिल ईस्ट, उत्तरी अफ्रीका और यूरोप जैसे प्रमुख व्यापारिक क्षेत्रों को जोड़ता है। यमन, जिबूती, इरिट्रिया, सऊदी अरब और मिस्र जैसे देशों के करीब से गुजरता है।भारतीय एक्सपोर्टर्स के लिए यह रूट नवंबर 2023 से काफी बाधित हुआ। तब यमन स्थित हूती विद्रोहियों ने इजरायल-हमास युद्ध के बीच फिलिस्तीनियों के समर्थन में रेड सी और बाब अल-मंदेब स्ट्रेट में कमर्शियल कार्गो जहाजों पर हमले शुरू कर दिए। इन हमलों के कारण प्रमुख शिपिंग कंपनियों को रेड सी और स्वेज नहर से बचना पड़ा। वे जहाजों को केप ऑफ गुड होप से होकर ले जाने के लिए मजबूर हुईं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	कर्क	मे
चंद्र	कन्या	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कन्या	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
कर्क	03-52	बजे
सिंह	06-03	बजे
कन्या	08-10	बजे
तुला	10-14	बजे
वृश्चिक	12-25	बजे
धनु	14-40	बजे
मकर	16-44	बजे
कुंभ	18-36	बजे
मीन	20-13	बजे
मेष	21-49	बजे
वृष	23-33	बजे
मिथुन	01-36	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
दिशाशूल - पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
मास - श्रावण शुक्ल पक्ष सोमवार 17 August 2026
तिथि - पंचमी 17-00 तक उपरान्त षष्ठी
नक्षत्र - चित्रा 04-49 रात्रि तक उपरान्त स्वाति
योग - शुभ 03-29 तक उप शुक्ल
करण - बालव 17-00 तक उप कौलव

श्रावण मास नागपंचमी देशाचारिय
विशेष:सिंह मे सूर्य 07-59 से

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 07-36 से 09-10 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
अमृत	06-01	07-36	शुभ	चंचल	18-42	20-05	शुभ
काल	07-36	09-10	अशुभ	रोग	20-05	21-30	अशुभ
शुभ	09-10	10-45	शुभ	काल	21-30	22-55	अशुभ
रोग	10-45	12-20	अशुभ	लाभ	22-55	00-20	शुभ
उत्पात	12-20	13-55	अशुभ	उत्पात	00-20	01-45	अशुभ
चंचल	13-55	15-30	शुभ	शुभ	01-45	03-11	शुभ
लाभ	15-30	17-05	शुभ	अमृत	03-11	04-36	शुभ
अमृत	17-05	18-42	शुभ	चंचल	04-36	06-01	शुभ

कोरोना से मौत पर क्लेम देने से मना कर रही थी बीमा कंपनी, कंज्यूमर कोर्ट में पलट गया मामला

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लाइफ इंश्योरेंस यानी जीवन बीमा का मुख्य उद्देश्य बीमित व्यक्ति की असमय मृत्यु के बाद उसके परिवार को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना होता है। लेकिन क्या हो जब बीमा कंपनी यह आरोप लगाकर डेथ क्लेम खारिज कर दे कि पॉलिसीधारक ने पहले की किसी बीमा अर्जी या मेडिकल जानकारी को छुपाया था?
तेलंगाना राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग के एक फैसले ने स्पष्ट किया है कि केवल जानबूझकर जानकारी छिपाने की बात कह देने से क्लेम खारिज नहीं किया जा सकता, बल्कि बीमा कंपनी को यह साबित भी करना होगा कि पॉलिसीधारक ने जानबूझकर ऐसा किया था।
केंद्रीय उत्पाद शुल्क विभाग के एक सेवानिवृत्त अधिकारी रामदास विसलावथ ने अक्टूबर 2019 में टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस से 1 करोड़ रुपये का 'संपूर्ण रक्षा' प्लान लिया था। मई 2021 में कोविड-19 के कारण उनकी मृत्यु हो गई। इंश्योरेंस में नॉमिनी के तौर पर उनकी पत्नी का नाम था। उन्होंने 1 करोड़ रुपये के डेथ क्लेम के लिए आवेदन किया। बीमा कंपनी ने जांच में पाया कि मृतक ने टाटा एआईए की पॉलिसी लेने से पहले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल से भी 1 करोड़ की पॉलिसी के लिए आवेदन किया था। बीमा कंपनी के मुताबिक, मेडिकल जांच के बाद उस पुराने प्रस्ताव को टाल दिया गया था। टाटा एआईए के प्रपोजल फॉर्म में पूछा गया था कि क्या पहले कोई बीमा आवेदन खारिज या स्थगित हुआ है? पॉलिसीधारक ने इसका जवाब 'नहीं' के रूप में चुना था। बीमा कंपनी ने इसे महत्वपूर्ण जानकारी छिपाना माना और कहा कि अगर उसे यह जानकारी पहले मिलती तो वह जोखिम का अलग तरीके से आकलन करती। इसके बाद कंपनी ने क्लेम खारिज कर दिया और पॉलिसी को शुरुआत से ही रद्द करते हुए जमा प्रीमियम वापस कर दिया।तेलंगाना राज्य उपभोक्ता आयोग ने जिला आयोग के आदेश को बरकरार रखते हुए टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस को आदेश दिया कि वह 1 करोड़ रुपये का डेथ क्लेम 9% वार्षिक ब्याज के साथ अदा करे। साथ ही 50,000 रुपये का मुआवजा और 10,000 रुपये कानूनी खर्च के रूप में दे।

ये है भारत की कागज बनाने वाली सबसे बड़ी कंपनी

कौन है इसका मालिक? 51 साल में एक फैक्ट्री से बना 16,000 करोड़ का कारोबार

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में कागज बनाने का एक मजबूत सेक्टर है, जिसमें इंडस्ट्री की बड़ी कंपनियाँ लिखने, छापने और कॉपी करने वाला कागज और पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग बोर्ड बनाती हैं। भारत की प्रमुख कागज कंपनियों में आईटीसी (पीएसपीडी), जे के पेपर, वेस्ट कोस्ट पेपर मिल्स, तमिलनाडु न्यूज़प्रिंट एंड पेपर्स लिमिटेड और आंध्रा पेपर शामिल हैं।

इनमें सबसे बड़ी कागज कंपनी आईटीसी (पीएसपीडी) है।

आईटीसी पेपरबोर्ड्स एंड स्पेशलिटी पेपर डिवीजन

यह कंपनी पेपर बनाने वाली इंडस्ट्री की सबसे मशहूर कंपनियों में से एक है। ये भारत की सबसे बड़ी पेपर कंपनी है। इसकी शुरुआत 1 अक्टूबर 1979 में हुई थी।

ये कंपनी आईटीसी ग्रुप का हिस्सा है। इसने अपने नए तरह के पैकेजिंग और कम्युनिकेशन सॉल्यूशंस की वजह से अपनी एक अलग पहचान बनाई है।

लेटेस्ट टेक्नोलॉजी पर खास फोकस

लेटेस्ट टेक्नोलॉजी पर ध्यान देकर, आईटीसी-पीएसपीडी दक्षिण एशिया की टॉप पैकेजिंग और ग्राफिक बोर्ड बनाने वाली कंपनी बन गई है। एक तरफ कंपनी ने वैल्यू चेन पर फोकस किया है, उसे बेहतर बनाया है तो वहीं समय के साथ सर्विसेज और प्रोडक्ट्स की रेंज भी बढ़ाई है।
अपनी कॉम्पिटिटिवनेस को बनाए रखने और मजबूत करने के लिए, भारत और विदेशों में आईटीसी-पीएसपीडी के प्रोडक्ट्स और सॉल्यूशंस काफी फेमस हैं।

एक प्लांट से हुई थी शुरुआत

आईटीसी के पेपरबोर्ड और स्पेशलिटी पेपर्स डिवीजन (आईटीसी-पीएसपीडी) की शुरुआत भद्राचलम प्लांट से हुई थी, जहाँ 1 अक्टूबर 1979 को प्रोडक्शन शुरू हुआ था। शुरू में इसे भद्राचलम पेपरबोर्ड्स लिमिटेड मैनेज करती थी, लेकिन बाद में 1999 में आईटीसी लिमिटेड ने इसे खरीद लिया और इसे मौजूदा डिवीजन के तौर पर पुनर्गठित किया। 1975 में भद्राचलम मिल के लिए निर्माण की मंजूरी मिल गई थी। उसके बाद अप्रैल 1977 में निर्माण कार्य आधिकारिक तौर पर शुरू हुआ। आईटीसी लिमिटेड के 'सम-ऑफ-द-पार्ट्स' फ्रेमवर्क के तहत, आईटीसी के पेपरबोर्ड एंड स्पेशलिटी पेपर्स डिवीजन की अनुमानित एंटरप्राइज वैल्यू लगभग 16,000 करोड़ है। इस वैल्यू को बड़ी क्षमता विस्तार और सेंचुरी पल्प एंड पेपर के 3,500 करोड़ के अधिग्रहण से बढ़ावा मिला है।

बांग्लादेश के नाम पर भारत आ रही थी सुपारी

सरकार को लगाया 2500 करोड़ का चूना, डीआरआई ने किया भंडाफोड़

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय ने एक बड़े सुपारी आयात घोटाले का पर्दाफाश किया है।
एक महीने तक चली खुफिया जांच के बाद डीआरआई ने ऐसे नेटवर्क का भंडाफोड़ किया, जो दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी आयात कर उसे गलत तरीके से बांग्लादेश की सुपारी बताकर भारत में ला रहा था। इस तरह आरोपी साउथ एशियन फ्री ट्रेड एरिया के तहत मिलने वाली कस्टम ड्यूटी छूट का गलत फायदा उठा रहे थे। जांच में अब तक सरकार को 2500 करोड़ रुपये से ज्यादा के संभावित राजस्व नुकसान का पता चला है। मामले में 9 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

100% कस्टम ड्यूटी से बचने का तरीका

भारत में सुपारी के आयात पर 100% बेसिक कस्टम ड्यूटी लगती है। हालांकि, एसएएफटीए समझौते के तहत पात्र आयात पर कस्टम ड्यूटी में पूरी छूट मिल सकती है।
बांग्लादेश से आने वाली सुपारी को भी तय नियमों के तहत यह छूट मिलती है। डीआरआई को खुफिया जानकारी मिली थी कि कुछ सिंडिकेट बड़े पैमाने पर इस छूट का गलत फायदा उठा रहे हैं। आरोपी इंडोनेशिया, थाईलैंड, मलेशिया और दूसरे दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों से सुपारी खरीदकर उसका मूल देश बांग्लादेश दिखा रहे थे। डीआरआई ने कोलकाता और विशाखापत्तनम में छापेमारी की। इस दौरान आयातकों, कस्टम ब्रोकर्स और आईईसी धारकों से जुड़े कई ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। छापेमारी के दौरान लगभग 75 लाख रुपये नकद (अवैध बिक्री से प्राप्त राशि) और लगभग 160 मीट्रिक टन सुपारी की एक लाइव खेप जब्त की गई।

घरेलू सुपारी किसानों को भी नुकसान

डीआरआई ने कहा कि इस तरह के अवैध आयात से घरेलू सुपारी उत्पादकों और वैध कारोबारियों को नुकसान होता है। सस्ती कीमत पर अवैध रूप से आयात की गई सुपारी बाजार में कीमतों को प्रभावित करती है और ईमानदारी से कारोबार करने वाली कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा का माहौल खराब करती है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज अपना और आपनी सेहत का ध्यान रखना ना भूलें । आज स्वास्थ्य सम्बन्धी किसी समस्या की आशंका बन सकती है । बहुत ठंडा भोजन खाने से बचें । अगर पहले से ही कोई स्वास्थ्य समस्या से जूझ रहे है तो और अधिक ध्यान रखें । वित्तीय दृष्टि से ना फायदा ना नुकसान वाली स्थिति रहेगी हालाँकि आज कोई बड़ा निवेश ना करना ही ठीक रहेगा ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा । गृहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे । इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा और आप और स्पष्ट तरीके से सोच और देख पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कु, घ, ड, छ, के, को, ह,)
आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे ।आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं। आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अपने जीवन में नकारात्मकता लाने वाले लोगों से दूर रहें । आपको यह जानकर अचरज होगा कि जिसे आप अपना हमराज समझते थे ,वही आपके बारे में उलटी-सीढ़ी बातें फैला रहा है । ऐसे लोगों से सावधान रहें । उन्हें अपने दिलो-दिमाग में जगह ना दें । कोई नजदीकी दोस्त आपका साथ देगा । यह दोस्त आपका जीवनसाथी या माता-पिता भी हो सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आप अन्दर से डरे हुए से हैं । यह जान लें कि इन मुद्दों से घबराने की जरूरत नही है। इन वर्तमान समस्याओं के कई कारण हैं और इनके लिए दुसरे जिम्मेदार हैं,आप नहीं । ये छोटी बातें जल्दी ही सुलझ जायेंगी । अपने आपको राहत देने के लिए किसी मनोरंजक कार्यकलाप की योजना बनाएं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है ।अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी । हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे । आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं । आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी । आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं । आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है । ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी,लेकिन अपने आदर्शों और यकीन पर कायम रहें ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
इस बात की सम्भावना है कि कोई आपके आसपास आपके विचार चुराकर आने करियर में प्रगति करना चाहता है । इसीलिए किसी से बात करते हुए सावधान रहें । आपको इस समय बड़ी गंभीरता से अपने हित के बारे में सोचना है । अपने लम्बे सहकर्मी रह चुके लोगों के साथ भी अपनी जानकारियां साझी न करें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आज का दिन तारीफ और प्रशंसा से भरा रहेगा । आपके बेहतरीन कामों के लिए पुरस्कार भी मिल सकते हैं । आपकी सच के साथ बने रहने की खासियत से आप अपने से प्रतिस्पर्धा करने वाले कई लोगों के रोल-मॉडल बन पायेंगे ।आज कोई फैसला कार्यान्वित करने से पहले एक बार फिर से सोच लें ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

ये है 'शुगर बाउल ऑफ इंडिया'! मुजफ्फरनगर से दुबई और तंजानिया तक; सात समंदर पार पहुंच रही यूपी की चीनी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पश्चिमी उत्तर प्रदेश का मुजफ्फरनगर देश के प्रमुख गन्ना और चीनी उत्पादक क्षेत्रों में गिना जाता है। इसे आधिकारिक रूप से "शुगर बाउल ऑफ इंडिया" यानी "भारत का शुगर बाउल (कटोरा)" कहा जाता है। हालांकि चीनी उत्पादन के आंकड़े आम तौर पर शहर नहीं, पूरे मुजफ्फरनगर जिले के लिए जारी किए जाते हैं।उपजाऊ गंगा-यमुना दोआब, पर्याप्त सिंचाई, गन्ने की बड़े पैमाने पर खेती और आसपास मौजूद चीनी मिलों ने इस क्षेत्र को चीनी उद्योग का बड़ा केंद्र बनाया है। जिले की अर्थव्यवस्था में कृषि और खास तौर पर गन्ने की महत्वपूर्ण भूमिका है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जिला प्रशासन के मुताबिक यहां 11 चीनी मिलें हैं, जो मुजफ्फरनगर और आसपास के इलाकों से गन्ना खरीदती हैं।

कितना गन्ना और चीनी उत्पादन?

मुजफ्फरनगर की चीनी अर्थव्यवस्था का पैमाना समझने के लिए 2024-25 का आंकड़ा महत्वपूर्ण है। इस सीजन में जिले की चीनी मिलों ने लगभग 94.7 लाख टन गन्ने की पेराई की और उससे करीब 9.6 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ। यानी लगभग हर 100 टन गन्ने से करीब 10 टन चीनी की औसत प्राप्ति हुई। वहीं उत्तर प्रदेश के कृषि आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में मुजफ्फरनगर जिले में लगभग 1.64 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती दर्ज की गई और गन्ने का उत्पादन करीब 1.51 करोड़ टन रहा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि जिले में गन्ना केवल चीनी मिलों के लिए कच्चा माल नहीं है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसानों की आय, परिवहन और स्थानीय व्यापार का आधार भी है।

मुजफ्फरनगर में कितनी चीनी मिलें हैं?

जिले में चीनी उद्योग का नेटवर्क काफी बड़ा है। जिला प्रशासन की वर्तमान वेबसाइट के अनुसार यहां 11 चीनी मिलें हैं। इनमें टीकौला, आईपीएल, टिटावी, त्रिवेणी की खतौली इकाई, मंसूरपुर, उत्तम की खैखेड़ी इकाई, भैसाना और मोरना जैसी मिलें शामिल हैं। इन मिलों के साथ डिस्टिलरी, एथेनॉल, बिजली उत्पादन और शीरे जैसे सह-उत्पादों का कारोबार भी जुड़ा है। उदाहरण के लिए टीकौला मिल के रिकॉर्ड में गन्ना पेराई, चीनी उत्पादन, शीरा और एथेनॉल उत्पादन की सुविधाओं का उल्लेख मिलता है।मुजफ्फरनगर की चीनी मिलों को गन्ना केवल शहर के आसपास के खेतों से ही नहीं मिलता, बल्कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों और आसपास के जिलों से भी आपूर्ति होती है। 2025-26 के लिए गन्ना आवंटन की रिपोर्ट के अनुसार मुजफ्फरनगर की मिलों को मेरठ, शामली और बागपत के किसानों से भी गन्ना मिलने वाला है।यह व्यवस्था इसलिए जरूरी है क्योंकि बड़ी मिलों की पेराई क्षमता के लिए विशाल मात्रा में गन्ने की जरूरत होती है। जिले के प्रमुख गन्ना क्षेत्र खतौली, बुढ़ाना, टिटावी, मंसूरपुर, मोरना और आसपास के ग्रामीण इलाकों में फैले हैं।

'राहुल गांधी के व्यवहार में दिखता है बहुत अधिक अहंकार', अर्जुन राम मेघवाल का बड़ा हमला

बीकानेर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल कहते हैं, ₹हमारा लंबे समय से यह मानना रहा है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के व्यवहार में घमंड बहुत ज़्यादा झलकता है और अहंकार दिखता है। एक लोकतांत्रिक देश के चुने हुए प्रधानमंत्री के बारे में ऐसे शब्दों का प्रयोग करना मर्यादीत नही है। कांग्रेस सांसदों का ऐसा व्यवहार अशोभनीय है, फिर भी यह उनकी आदत बन गई है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बीकानेर में मीडिया के सवालों के जवाब में कहा।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि कल स्वतंत्रता दिवस था। लाल किले पर ध्वजारोहण कार्यक्रम को लेकर सभी को निमंत्रण दिया गया। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को भी निमंत्रण था लेकिन वे वहां गए भी नहीं और जो वंदे मातरम कांग्रेस के कार्यालय में गाया गया, उसका उन्होंने सम्मान भी नहीं किया।

इशारा करके वे कह रहे थे कि आप उसे पूरा क्यों गा रहे हैं?

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सफाई देने के लिए जब कांग्रेस के प्रतिनिधि आए तो वे कहने लगे कि मल्लिकार्जुन खरगे काफी समय से खड़े थे और उन्हें कुर्सी की आवश्यकता थी। कुर्सी आई तो नहीं? एक आदमी आया। ये वंदे मातरम का भी अपमान करने वाले लोग हैं, इनसे क्या मर्यादित भाषा या आचरण की अपेक्षा की जाएगी?

देश शनिवार को आजादी की 80वीं वर्षगांठ का जश्न मना रहा था। पर लाल किले पर हुए स्वतंत्रता दिवस समारोह में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे शामिल नहीं हुए। जिसको लेकर राजनीतिक गलियारों में चर्चा हो रही थी। बताया जा रहा है कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे की नाराजगी समारोह में प्रोटोकॉल और सीटिंग अरेंजमेंट को लेकर थी। लाइनअप से लेकर बैठने की जगह तक कई चीजें उनके पद के अनुसार नहीं थीं। इसी वजह से दोनों नेताओं राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने कार्यक्रम से दूरी बना ली।

स्वतंत्रता दिवस 2024 में भी ऐसा विवाद हुआ था। उस समय लोकसभा में नेता विपक्ष को पहली लाइन के जगह पीछे बैठाया गया था। विपक्ष ने इस पर अपनी नाराजगी जताई। इस पर रक्षा मंत्रालय ने सफाई दी थी कि ओलंपिक खिलाड़ियों को जगह देने के लिए यह बदलाव किया गया था।

अचानक उफान पर आया दमोह झरना, फंस गए करीब 100 पर्यटक; एसडीआरएफ ने निकाला सुरक्षित

धौलपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के धौलपुर जिले स्थित प्रसिद्ध दमोह झरने पर शनिवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। झरने का लुत्फ उठाने पहुंचे करीब 70 से 100 पर्यटक तेज बारिश के कारण अचानक आए पानी के बहाव में फंस गए। देखते ही देखते पहाड़ी नदी उफान पर आ गई और पर्यटकों का वापस लौटने का रास्ता पूरी तरह बंद हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमों ने मोर्चा संभाला और करीब 4 घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

जानकारी के अनुसार, वीकेंड होने के कारण बड़ी संख्या में युवक और पर्यटक सरमथुरा उपखंड क्षेत्र के प्रसिद्ध दमोह झरने की सैर करने पहुंचे थे। दिन में झरने का खूबसूरत नजारा देखने के बाद जब पर्यटक वापस लौटने लगे, तभी इलाके में अचानक मूसलाधार बारिश शुरू हो गई।

पहाड़ी इलाकों से पानी तेजी से नीचे की ओर बहा, जिससे झरने के रास्ते में पड़ने वाली बरसाती नदी का जलस्तर देखते ही देखते बेहद बढ़ गया। नदी में पानी का बहाव इतना तेज था कि पर्यटकों के कदम वहीं थम गए और आगे बढ़ने का रास्ता पूरी तरह से बंद हो गया। नदी के बीच और किनारे फंसे युवाओं में अफरा-तफरी मच गई।

घटना की खबर फैलते ही सरमथुरा थाना पुलिस और प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया। सरमथुरा थाना अधिकारी कैलाश कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। हालात की गंभीरता को देखते हुए उपजिलाधिकारी सहित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। राहत और बचाव कार्य को गति देने के लिए तुरंत एसडीआरएफ की टीम को मौके पर बुलाया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने भी मानवीय संवेदना दिखाते हुए रेस्क्यू अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग किया।

मौके पर पहुंची एसडीआरएफ, पुलिस और स्थानीय ग्रामीणों की संयुक्त टीम ने मिलकर बचाव कार्य शुरू किया। उफनती नदी के बीच फंसे लोगों तक पहुंचने के लिए रस्सियों को बांधा गया और ट्रैक्टरों की मदद ली गई। रात के अंधेरे और तेज बहाव के बीच चला यह रेस्क्यू ऑपरेशन बेहद चुनौतीपूर्ण था। करीब चार घंटे की कड़ी मशक्कत और सूझबूझ के बाद देर रात एक-एक करके सभी 100 पर्यटकों को सुरक्षित किनारे पर ले आया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी पर्यटक के हताहत या घायल होने की खबर नहीं है।

दमोह झरने के रास्ते में पड़ने वाली यह नदी सामान्य दिनों में सूखी या बेहद कम पानी वाली रहती है। हालांकि, मानसूनी सीजन में पहाड़ी इलाकों में भारी बारिश होते ही यह अचानक उफान पर आ जाती है। जलस्तर इतनी तेजी से बढ़ता है कि लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिलता।

घटना के बाद सरमथुरा थाना प्रभारी कैलाश कुमार ने पर्यटकों और आम जनता से सतर्क रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में दमोह झरने, अन्य जलप्रपातों और बरसाती नदियों के आसपास जाने से पूरी तरह बचें। जब तक मौसम साफ न हो जाए, ऐसे जोखिम भरे और संवेदनशील स्थलों से दूरी बनाकर रखें तथा सुरक्षा को पहली प्राथमिकता दें।

तारबंदी पार कर भारतीय सीमा में घुसा पाकिस्तानी नागरिक, बीएसएफ ने दबोचकर पुलिस के हवाले किया

बाड़मेर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारत-पाक अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे सीमावर्ती जिले बाड़मेर में शनिवार को सीमा सुरक्षा बल ने कार्रवाई करते हुए एक पाकिस्तानी नागरिक को भारतीय सीमा में घुसने पर पकड़ लिया। घटना बीजराड़ थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान 60 वर्षीय बाकू खान के रूप में हुई है। बीएसएफ की प्रारंभिक पूछताछ के बाद उसे बीजराड़ पुलिस को सौंप दिया गया है।

बीएसएफ के जवान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने तारबंदी के दूसरी ओर से एक व्यक्ति को भारतीय सीमा की तरफ आते देखा। जवानों ने उसे रुकने की चेतावनी दी और तत्काल पकड़ लिया। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी गई और पकड़े गए पाकिस्तानी नागरिक से पूछताछ की गई।

बीएसएफ की पूछताछ के बाद व्यक्ति को बीजराड़ पुलिस थाना पुलिस के हवाले कर दिया गया। अब पुलिस के साथ अन्य सुरक्षा एजेंसियां भी उससे पूछताछ कर रही हैं। एजेंसियां यह पता लगाने का प्रयास कर रही हैं कि वह अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर भारतीय क्षेत्र में किस उद्देश्य से दाखिल हुआ था। बीजराड़ थानाधिकारी अजीत सिंह ने बताया कि बीएसएफ ने बॉर्डर पर एक पाकिस्तानी नागरिक को पकड़ा है। उससे पूछताछ की जा रही है। जांच के बाद ही उसके भारतीय सीमा में प्रवेश करने की वजह और अन्य तथ्यों का पता चल सकेगा।

सुस्त पड़ा मानसून, बांधों में 54% पानी

19 अगस्त से फिर बारिश के आसार

जयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में मानसून की गतिविधियां अब धीरे-धीरे कमजोर होने लगी हैं। शनिवार को भरतपुर, धौलपुर, सवाई माधोपुर, करौली और कोटा में करीब एक इंच तक बारिश दर्ज हुई, जबकि टोंक, बूंदी, अलवर और चित्तौड़गढ़ में भी हल्की बारिश हुई। पश्चिमी राजस्थान में बारिश थमने के साथ गर्मी और उमस बढ़ने लगी है।

मौसम विभाग के अनुसार, रविवार से बारिश की गतिविधियों में और कमी आने की संभावना है। 17 और 18 अगस्त को प्रदेश में मौसम मुख्यतः साफ रहने, जबकि 19 अगस्त से पूर्वी राजस्थान में फिर बारिश का दौर शुरू होने के आसार हैं। इससे पहले 16 अगस्त को प्रदेश के 10 जिलों में तेज बारिश की चेतावनी जारी की गई है।

मानसून की बारिश से प्रदेश के बांधों की स्थिति में पिछले दो सप्ताह में सुधार हुआ है। जल संसाधन विभाग की 14 अगस्त की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के 693 बांधों में 7,032.74 एमसीएम पानी है, जो कुल क्षमता का 53.98 प्रतिशत है। 31 जुलाई को बांधों में 6,237.46 एमसीएम यानी 47.87 प्रतिशत पानी था। इस तरह करीब दो सप्ताह में 795 एमसीएम पानी बढ़ा है। बांधों की संख्या के लिहाज से भी स्थिति सुधरी है। 14 अगस्त तक 33 बांध पूरी तरह भर चुके हैं, जबकि 210 बांध अभी खाली हैं और 450 बांध आंशिक रूप से भरे हैं।

जलभराव के मामले में कोटा जोन 67.48 प्रतिशत के साथ सबसे आगे है। बांसवाड़ा जोन में 55.39 प्रतिशत और जयपुर जोन में 53.48 प्रतिशत पानी है। उदयपुर में 43.29 प्रतिशत, भरतपुर में 36.86 प्रतिशत और जोधपुर जोन में सिर्फ 18.45 प्रतिशत जलभराव है। प्रमुख बांधों में बीसलपुर 72.02 प्रतिशत, राणा प्रताप सागर 70.53 प्रतिशत, जवाहर सागर 74.12 प्रतिशत, माही बजाज सागर 55.39 प्रतिशत और पार्वती बांध 54.39 प्रतिशत भरा है। जयपुर का कनोटा बांध और दौसा का मोरेल बांध 100 प्रतिशत भर चुके हैं।

बारिश से राहत मिली है, लेकिन पिछले साल की तुलना में बांधों की स्थिति अभी भी कमजोर है। 14 अगस्त 2025 को 693 बांधों में 10,041.34 एमसीएम यानी 77.07 प्रतिशत पानी था, जबकि इस साल यह 7,032.74 एमसीएम यानी 53.98 प्रतिशत है। यानी पिछले साल की तुलना में करीब 3,009 एमसीएम पानी कम है।

ऐसे में अब 17-18 अगस्त को बारिश में कमी के बाद 19 अगस्त से पूर्वी राजस्थान में संभावित बारिश बांधों के लिए महत्वपूर्ण होगी। अगर बारिश का नया दौर सक्रिय होता है तो जलभराव में और सुधार की उम्मीद रहेगी, जबकि पश्चिमी राजस्थान के बांधों में पानी की कमी अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है।

छात्र नेता के घर 'आधी रात' पुलिस की दबिश

राज्यपाल दौरे पर 'हंगामे' की आशंका

जयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के डीडवाना शहर में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे के प्रस्तावित दौरे से ठीक एक दिन पहले पुलिस-प्रशासन की कार्रवाई को लेकर हड़कंप मच गया है। राज्यपाल के कार्यक्रम में संभावित विरोध-प्रदर्शन और हंगामे की आशंका को देखते हुए पुलिस की एक टीम ने 15 अगस्त की मध्यरात्रि (रात करीब 12 बजे) छात्र नेता शुभम रेवाड़ के घर पर अचानक दबिश दी। पुलिसकर्मियों द्वारा आधी रात को घर पहुंचकर थाने ले जाने के प्रयास का वीडियो खुद शुभम रेवाड़ ने रिकॉर्ड कर अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर कर दिया, जिसके बाद यह मामला चर्चा का विषय बन गया है। शुभम रेवाड़ ने वीडियो पोस्ट करते हुए पुलिस और राज्य सरकार की इस कार्रवाई पर कड़े सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि पुलिस को केवल इस बात की आशंका थी कि वे राज्यपाल के कार्यक्रम के दौरान लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन दर्ज करा सकते हैं, जिसके चलते बिना किसी लिखित आदेश या गैर-कानूनी गतिविधि के उनके घर पुलिस भेज दी गई। छात्र नेता शुभम रेवाड़ ने अपने वीडियो संदेश और सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से पुलिस-प्रशासनिक कार्रवाई के औचित्य पर कई सवाल खड़े किए हैं। शुभम ने पूछा कि क्या केवल संभावित शांतिपूर्ण विरोध की आशंका के आधार पर आधी रात को किसी नागरिक के घर पहुंचकर उसे हिरासत में लेने की कोशिश करना कानूनन सही है? उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अपनी बात रखना और विरोध दर्ज कराना संवैधानिक अधिकार है। जब तक कोई गैर-कानूनी गतिविधि न की गई हो, तब तक इस तरह का दबाव बनाना अनुचित है। शुभम ने साफ किया कि पुलिस के डर या दबाव से युवाओं की आवाज नहीं दबेगी और वे छात्र हितों की लड़ाई लगातार जारी रखेंगे। शुभम रेवाड़ पिछले दिनों राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव बहाल करने और 'राजस्थानी भाषा विभाग' की स्थापना की मांग को लेकर 15 दिनों तक बेमियादी 'अन्न-जल त्याग' अनशन पर रहे थे। जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जिला कलेक्टर के प्रशासनिक आश्वासन के बाद उन्होंने अनशन खत्म किया था। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि वे राजस्थानी भाषा विभाग की स्थापना की सहमति से संतुष्ट हैं, लेकिन छात्रसंघ चुनाव की निश्चित तिथि घोषित न होने तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा था कि सिर्फ कमेटी बनाने या गोल-मटोल आश्वासन देने से काम नहीं चलेगा, सरकार को स्पष्ट तारीख बतानी होगी।

'सर, मत जाओ', शिक्षक के तबादले पर बिलख-बिलख कर रोए बच्चे

वीडियो वायरल होते ही राजस्थान में गरमाई सियासत

बांसवाड़ा, 16 अगस्त (एजेंसियां)। डूंगरपुर के गड़ा वाटेश्वर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय का बताया जा रहा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में शिक्षक राजेश कोटेड के तबादले के दौरान छात्र-छात्राएं भावुक नजर आ रहे हैं। कई बच्चे उनसे लिपटकर रोते और उन्हें रोकने की कोशिश करते दिखाई दे रहे हैं। आमतौर पर सरकारी कर्मचारियों का तबादला सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा होता है, लेकिन इस मामले में बच्चों की प्रतिक्रिया ने इसे चर्चा में ला दिया है। वीडियो सामने आने के बाद शिक्षक के तबादले के कारणों को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत ने शिक्षक के तबादले को लेकर भाजपा सरकार और स्थानीय भाजपा नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राजेश कोटेड का तबादला राजनीतिक स्वार्थों के चलते करवाया गया। रोत ने कहा कि कोटेड बच्चों की पढ़ाई के प्रति समर्पित शिक्षक रहे हैं और अपनी वेतन राशि से भी आदिवासी विद्यार्थियों की जरूरतों में सहयोग करते रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या आदिवासी क्षेत्रों में बच्चों के हित में काम करने वाले शिक्षकों को राजनीतिक हस्तक्षेप का सामना करना पड़ेगा? रोत ने इस मामले को कालीबाई कलासुआ के शिक्षा के लिए दिए गए बलिदान से जोड़ते हुए कहा कि आदिवासी क्षेत्र में शिक्षा से जुड़े फैसले बच्चों के हित को ध्यान में रखकर होने चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी वीडियो को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की प्रतिक्रिया से स्पष्ट है कि शिक्षक राजेश कोटेड का विद्यार्थियों से गहरा जुड़ाव रहा है। डोटासरा ने सवाल किया कि शिक्षा व्यवस्था और बच्चों की भावनाओं से जुड़े ऐसे फैसले क्यों लिए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से तबादले के फैसले को लेकर जवाब मांगा।

2 जवानों का हत्यारा 6 साल बाद गिरफ्तार

मॉल में शॉपिंग कर रहा था इनामी तस्कर

उदयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए 6 साल से फरार चल रहे मोस्टवांटेड मादक पदार्थ तस्कर पप्पूलाल उर्फ पप्पू को उदयपुर के सेलिब्रेशन मॉल से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, नागौर और नीमच (मध्यप्रदेश) पुलिस की ओर से कुल 65 हजार रुपए का इनाम घोषित था। बता दें कि आरोपी के खिलाफ राजस्थान और मध्यप्रदेश के अलग-अलग थानों में एनडीपीएस एक्ट, आर्म्स एक्ट, पुलिस टीम पर फायरिंग और मारपीट जैसे गंभीर अपराधों के 16 से अधिक मामले दर्ज हैं। वह चार साल पहले भीलवाड़ा जिले में नाकाबंदी के दौरान दो पुलिस कांस्टेबल की गोली मारकर हत्या करने के मामले में भी मुख्य आरोपी था। एएनटीएफ अधिकारियों के अनुसार, आरोपी पुलिस से बचने के लिए अत्याधुनिक तरीके अपनाता था। वह न तो कभी मोबाइल फोन का इस्तेमाल करता था और न ही अपने निजी वाहन से यात्रा करता था। एक जगह से दूसरी जगह जाने के लिए वह हमेशा साधारण यात्री बसों का ही सहारा लेता था। एएनटीएफ टीम को सूचना मिली कि आरोपी उदयपुर में देखा गया है। एएनटीएफ की विशेष टीम तुरंत हरकत में आई और उसके संभावित ठिकाने शास्त्रीनगर (सेक्टर-3, हिरण मगरी) पहुंची। हालांकि, पुलिस के पहुंचने से ठीक पहले आरोपी वहां से निकलकर सेलिब्रेशन मॉल चला गया। पुलिस टीम ने तुरंत पीछा किया और मॉल के भीतर सामान्य खरीदार बनकर प्रवेश किया।

भंवरी देवी की छोटी बेटी ने तुड़वाया 10 दिनों से जारी अनशन

न्याय मिलने तक जारी रहेगा धरना, 'हत्याकांड' का लेटेस्ट अपडेट

जोधपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जोधपुर जिले के लोहावट क्षेत्र में बहुचर्चित भंवरी देवी विश्नोई हत्याकांड को लेकर चल रहा जनआंदोलन एक नए मोड़ पर पहुंच गया है। मामले का पर्दाफाश करने और आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर पिछले 10 दिनों से बेमियादी अनशन पर बैठे पूर्व विधायक किसनाराम विश्नोई समेत अन्य लोगों ने अपना अनशन समाप्त कर दिया। सर्व समाज के वरिष्ठ प्रबुद्धजनों, पूर्व कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद, जिला कांग्रेस अध्यक्ष सलीम नागौरी, पूर्व विधायक मलखान सिंह विश्नोई और मृतका भंवरी देवी की बेटी सोनू विश्नोई के सामूहिक आग्रह पर अनशनकारियों ने अनशन खत्म किया। मृतका की बेटी सोनू ने अनशनकारियों को जूस पिलाकर अनशन तुड़वाया। हालांकि, आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया है कि अनशन भले ही खत्म हो गया हो, लेकिन जब तक मामले का पूर्ण खुलासा नहीं हो जाता, तब तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

दूसरी ओर, सरकार के निर्देश पर गठित विशेष जांच टीम ने लोहावट और आसपास के ग्रामीण इलाकों में अपनी गहन पड़ताल तेज कर दी है। जांच टीम घटना से जुड़े हर पहलू, तकनीकी साक्ष्यों और कॉल डिटेल रिकॉर्ड्स को खंगालने में जुटी है, जिससे मामले में कुछ नए एंगल और अहम सुराग सामने आने का दावा किया जा रहा है।

धरना स्थल पर पहुंचे पूर्व कैबिनेट मंत्री सालेह मोहम्मद ने आंदोलनकारियों से मुलाकात की और सरकार तथा पुलिस प्रशासन से मामले के त्वरित निस्तारण की अपील की।

उन्होंने कहा, 'भंवरी देवी विश्नोई हत्या मामले में लंबे समय से न्याय की मांग को लेकर धरने पर बैठे पूर्व विधायक किसनाराम जी एवं सैकड़ों साथियों का आज अनशन तुड़वाया गया है। आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरना आगे भी जारी रहेगा। न्याय की इस लड़ाई में हम सभी पीड़िता के परिजनों के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। पुलिस प्रशासन को बिना किसी देरी के इस मामले का निस्तारण कर पीड़ित परिवार को न्याय देना चाहिए।' इस दौरान जिला कांग्रेस अध्यक्ष सलीम नागौरी और पूर्व विधायक मलखान सिंह ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि सर्व समाज एकजुट होकर पीड़ित परिवार के लिए न्याय की मांग कर रहा है।

4 युवकों की दर्दनाक मौत

ब्रेक फेल होने से बेकाबू हुई बस

झालावाड़, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भीमसागर क्षेत्र में पातले पीर दरगाह के समीप हुए सड़क हादसे में चार युवकों की मौत हो गई, जबकि एक घायल युवक का इलाज जारी है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही सारोला थाना प्रभारी बुद्धाराम चौधरी पुलिस जाप्ते के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और मामले की जानकारी जुटाई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसे में एक युवक को खानपुर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने जांच के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, गंभीर रूप से घायल दो युवकों को उपचार के लिए झालावाड़ के एसआरजी अस्पताल रेफर किया गया। उपचार के दौरान दोनों युवकों की मौत हो गई।

मृतकों में कोटा जिले के रामगंजमंडी निवासी हमीद खान, रेहान उर्फ फारूक (20) और तालीज उर्फ अखील मुसलमान (20) बताए जा रहे हैं। वहीं, हादसे में गंभीर रूप से घायल दो लोगों में से झालावाड़ के आईसीयू में भर्ती गोविंदनगर (कोटा) निवासी अल्फेज की भी मौत हो गई।

हनीट्रैप: 7 साल लिव-इन में रहकर ठगे 25 लाख

बॉयफ्रेंड संग बिजनेसमैन को कुचलवाने की साजिश का भी आरोप

जयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर में एक बिजनेसमैन को प्यार के जाल में फंसाकर ब्लैकमेल करने और करीब 25 लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। बिजनेसमैन ने एक युवती, उसकी मां और युवती के कथित बॉयफ्रेंड पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उसका कहना है कि युवती पहले दोस्ती कर करीब 7 साल तक उसके साथ लिव-इन में रही। इस दौरान एक बेटा भी हुआ। बाद में पैसों और प्रॉपर्टी की मांग शुरू कर दी और अब बॉयफ्रेंड के साथ मिलकर एक्सीडेंट करवाकर उसकी हत्या की साजिश रचने का आरोप है। जानकारी के अनुसार पीड़ित ने 13 अगस्त को पुलिस में FIR दर्ज कराई है।

बिजनेसमैन के अनुसार साल 2019 में उसका पत्नी से विवाद चल रहा था। इसी दौरान जिम में उसकी युवती से दोस्ती हुई। दोनों के बीच बातचीत और मुलाकातें बढ़ने लगीं। युवती जिम में उसके लिए कॉफी लेकर आती थी। आरोप है कि एक दिन कॉफी के बहाने उसे अपने घर बुलाया और फिजिकल रिलेशन बनाने की बात कही। इससे नाराज होकर बिजनेसमैन ने उससे दूरी बना ली। बाद में युवती जिम पहुंची और माफी मांगते हुए दोबारा ऐसा कुछ नहीं करने का भरोसा दिलाया। बिजनेसमैन ने पुलिस को बताया कि 4 दिसंबर 2019 को युवती उसे टोंक रोड स्थित नेहरू गार्डन ले गई। वहां प्यार और शादी की बात कहकर उस पर दबाव बनाने लगी। उसने शादी की इच्छा जताई, लेकिन बिजनेसमैन ने पहली पत्नी से तलाक नहीं होने की बात कहते हुए इनकार कर दिया। आरोप है कि इसके बाद युवती उसे मोतीडूंगरी गणेश मंदिर ले गई और लिव-इन में पत्नी की तरह रहने की बात कही। मंदिर में रोने-धोने के बाद उसने हामी भर दी और उसी दिन युवती उसके घर आ गई। बिजनेसमैन का आरोप है कि लिव-इन में रहने के दौरान युवती की मांगें लगातार बढ़ती गईं। महंगी शॉपिंग, ब्यूटी पार्लर, रेस्टोरेंट और घूमने-फिरने के लिए पैसे खर्च करवाने के साथ गहनों और कैश की मांग की जाने लगी। जून 2021 में दोनों के बेटे का जन्म हुआ। इसके बाद युवती आए दिन 10-15 हजार रुपए कैश लेने लगी। आरोप है कि खर्च का कोई हिसाब नहीं देती थी और विरोध करने पर गाली-गलौज व मारपीट करती थी। बदनामी के डर से बिजनेसमैन उसकी हरकतें सहता रहा।

1.50 लाख में किया था शादी का सौदा

दुल्हन घर पहुंचने के कुछ घंटों बाद ही कार में बैठकर हुई फरार

जयपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। शादी की उम्मीद लगाए बैठे एक 40 साल के युवक के साथ जयपुर में ठगी का मामला सामने आया है। आरोप है कि शादी करवाने के नाम पर बिचौलिए ने उससे 1.50 लाख रुपए लिए। इसके बाद एक युवती को दुल्हन बनाकर घर भेजा गया, लेकिन उसी शाम वह कार में बैठकर फरार हो गई। कई दिन इंतजार के बाद भी जब युवती वापस नहीं लौटी और पैसे भी नहीं मिले तो युवक ने कोर्ट का सहारा लिया। कोर्ट के आदेश के बाद शनिवार को जामडोली थाने में जालसाज गैंग के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार युवक आगरा रोड पर रहने वाला है और वह काफी समय से शादी नहीं होने के कारण परेशान था। मई 2026 में उसका एक रिश्तेदार घर आया। उसने बताया कि उसकी खुद की शादी भी नहीं हो रही थी, लेकिन उसके परिचित विनोद ने पैसे लेकर उसकी शादी करवा दी थी। रिश्तेदार ने दावा किया कि विनोद पहले भी कई लोगों की शादी करवा चुका है। इसके बाद कुछ दिन में उसने युवक की मुलाकात विनोद से करवाई। विनोद ने युवक से शादी करवाने के बदले 1.50 लाख रुपए मांगे। 26 मई 2026 को वह अपनी पत्नी और दो अन्य लड़कियों के साथ युवक के घर पहुंचा।

कालेश्वरम परियोजना विफल होकर 'कुलेश्वरम' बन गई : रेवंत रेड्डी

'प्रजा पालन प्रगति प्राणालिका' सभा में मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर साधा निशाना

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि जन सरकार महिलाओं, किसानों और युवाओं के सशक्तीकरण के क्षेत्र में देश के लिए आदर्श बन रही है। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों, महिलाओं और बेरोजगार युवाओं के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही है। पार्कल में रविवार को आयोजित 'प्रजा पालन प्रगति प्राणालिका' जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कलेश्वरम परियोजना विफल होकर 'कुलेश्वरम' बन गई, इसके बावजूद उनकी सरकार ने जलाशयों को भरने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए, ताकि किसानों को भरपूर फसल मिल सके।

उन्होंने कहा कि सरकार ने केवल 32 महीनों में किसानों से धान खरीदकर उन्हें 90 हजार करोड़ रुपये का भुगतान किया है। रेवंत रेड्डी ने कहा कि सरकार ने 'रायथु भरोसा' योजना लागू की और किसानों को कर्ज के बोझ से राहत देने के लिए कृषि ऋण माफी योजना को अमल में लाया। पिछले ढाई वर्षों में किसानों के कल्याण पर एक लाख करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं। उन्होंने विपक्ष से सवाल किया कि क्या सरकार ने किसानों की बारीक किस्म के धान पर बोनस नहीं दिया है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से विपक्ष के कथित झूठे प्रचार के झांसे में नहीं आने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार हर छह महीने में रिक्तियों की पहचान कर भर्ती के लिए अधिसूचनाएं जारी करेगी।

उन्होंने कहा, रिक्त पदों को भरना हमारी जिम्मेदारी है और परीक्षाओं की तैयारी करना आपकी जिम्मेदारी है। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि पिछली भारत राष्ट्र समिति सरकार ने सरकारी नौकरियों को भरने में विफल रहकर बेरोजगार युवाओं का भविष्य खराब किया। उन्होंने कहा कि जन सरकार अब तक 72 हजार सरकारी पदों पर भर्ती पूरी कर चुकी है और पुलिस भर्ती के लिए भी अधिसूचनाएं जारी की गई हैं। बेरोजगार युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखते हुए आयु सीमा में भी छूट दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के शासनकाल में किसे और कितना लाभ मिला, इसके तथ्य सामने लाने के लिए तैयार है। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामाराव पर परिवार की संपत्ति के बंटवारे से बचने के लिए अपनी बहन को घर से बाहर करने का आरोप लगाया। उन्होंने के. चंद्रशेखर राव पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वह फार्म हाउस में धृतराष्ट्र की तरह आंखें बंद करके बैठे रहे और अपने बेटे को सही दिशा नहीं दे सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह महिलाओं का सम्मान करते हुए बहनों को सम्मान के प्रतीक के रूप में 'इंदिरम्मा साड़ियां' उपहार में दे रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत राष्ट्र समिति के नेता सत्ता में रहते हुए सुविधाओं का आनंद लेते रहे और अब विपक्ष में आने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की समस्याओं से भी लाभ कमाने की कोशिश कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकार ने महिलाओं के लिए ब्याज-मुक्त ऋण योजना बंद कर दी थी, जबकि उनकी सरकार ने फिर से ब्याज-मुक्त ऋण उपलब्ध कराकर महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत करने के कदम उठाए हैं। सरकार ने महिला स्वयं सहायता समूहों को विद्यालयी वर्दियां तैयार करने की जिम्मेदारी दी है। इसके साथ ही महिलाओं को सौर ऊर्जा संयंत्र और पेट्रोल पंप संचालित करने के लिए भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। रेवंत रेड्डी ने पिछली सरकार पर परिवार के सदस्यों को महत्वपूर्ण पद देने का आरोप लगाते हुए कहा कि के. चंद्रशेखर राव ने अपने बेटे के. टी. रामाराव और दामाद हरीश राव को मंत्री बनाया। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने सीतक्का और कोंडा सुरेखा को मंत्री पद की जिम्मेदारी दी है। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि पिछली सरकार में परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों को राजनीतिक पदों पर लगातार अवसर दिए गए। उन्होंने कहा कि के. चंद्रशेखर राव ने अपनी बेटी को सांसद बनाया और चुनाव हारने के बाद विधान परिषद सदस्य बनाया।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी बडेर मे 15 अगस्त ध्वजा रोहण कार्यक्रम मे उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार जसवंत देवड़ा, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबुराम पँवार, महिला अध्यक्षा सुशीला देवड़ा, उपाध्यक्ष अनिता सोयल, सहसचिव कविता सोलंकी, पदाधिकारी व समाज बन्धु ।

महिला से तीन तोले की सोने की चेन लूटी

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को मेडचल के गिरमापुर इलाके में अज्ञात लोगों ने एक महिला से लगभग तीन तोला वज़न की सोने की चेन लूट ली। पुलिस के अनुसार, महिला सड़क पर चल रही थी तभी मोटरसाइकिल पर सवार दो लोग उसके पास आए। बताया जा रहा है कि पीछे बैठे व्यक्ति ने उसके गले से सोने की चेन छीन ली और फिर दोनों मोटरसाइकिल से मौके से भाग गए।

महिला ने पुलिस से संपर्क किया और शिकायत दर्ज कराई। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। पुलिस संदिग्धों की पहचान करने और उनकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए इलाके के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। अपराध में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल के रजिस्ट्रेशन की जानकारी का पता लगाने की कोशिशें जारी हैं।

विश्व मंगल गौशाला में स्वतंत्रता दिवस के मनाते हुए कुपाराम सिरवी ,राजुराम, ताराराम , पूनम चंद सुथार, लक्ष्मी बाई, जीजाबाई सत्यनारायण, पन्नालाल, नरपत राम,सोगाराम,गीता बाई, विश्व मंगल गौशाला शांतिलाल सुथार आदि।

जीडिमेटला स्थित आईमाता जी मंदिर (बडेर) में स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराते हुए संरक्षक चेनाराम चोयल,संरक्षक मांगीलाल काग, सोहनलाल परिहार, प्रेम पंवार, भंवरलाल काग, संतोष चोयल,शंकरलाल बर्फा, अर्जुनलाल बर्फा, भीमाराम काग,जीवाराम हाम्बड़ ,मुलाराम पंवार, सोहनलाल हाम्बड़, भुण्डाराम , लुंबाराम मुलेवा, मोहनलाल काग , उदाराम काग, अन्नाराम काग, शेषाराम पंवार,मांगीलाल सोलंकी, रतनाराम भायल, चन्दणाराम चोयल, देवाराम बर्फा, मोहनलाल काग,राजुराम लचेटा,शेषाराम परीहारिया उपस्थिति थे।

सिकंदराबाद अलवाल स्थित जन सेवा संघ अलवाल एवम् राजस्थानी समाज मलकाजगिरी कार्यकारिणी की तरफ़ से आज स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजा रोहण किया गया जिसमें बाबा रामदेव मित्रमंडल अलवाल के अध्यक्ष महेंद्रसिंह सीरवी ,सचिव सुनील कुमार सीरवी, वरिष्ठ सदस्य नेमीचंद गोयल, पारसनाथ शेखावास, अनिलकुमार प्रजापत, दिनेश कुमार कुमावत, धर्माराम सीरवी,नथमल माली व अन्य सदस्य उपस्थित रहे !

स्कूल में स्वतंत्रता दिवस उत्सव मनाया गया

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत अभ्युदय हाई स्कूल जियागुड में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन मुख्य अतिथि के द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुआ । प्रधान अदध्यापक जे, देवेंदर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता कर स्वागत भाषण दिया। संस्था के सेक्रेटरी डा. जे. लक्ष्मीकांत राव, ने संस्था की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डी. शिवकुमार, ज्वाइंट डायरेक्टर प्लानिंग डिपार्टमेंट ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों को देश की सेवा में तत्पर होने का संदेश दिया। डा. जे. गंगाधर, अध्यक्ष सलाहकार के. शीनिवास, अन्य सलाहकार जी. एस. अशोक कुमार, उपाध्यक्ष जे. मारुति राज, कोषाध्यक्ष प्रशांत कुमार, ज्वांइट सेक्रेटरी नवीन प्रसाद, केन्वेसिंग सेक्रेटरी के. सतीष कुमार, लिगल सलाहकार जे अनंत राम आदि उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन डा. अजय कुमारी ने किया।

एनएमडीसी का रिकॉर्ड 53.15 एमटी प्रोडक्शन

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी लिमिटेड के सीएमडी अमिताभ मुखर्जी ने कहा, भारत का भविष्य बनाने में एनएमडीसी की अहम भूमिका है। कंपनी ने देश की मिनरल सिक्योरिटी, इंडस्ट्रियल ग्रोथ और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ने के नए कमिटमेंट के साथ भारत का 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया।

इस इवेंट में विनय कुमार डायरेक्टर (टेक्निकल), जॉयदीप दासगुप्ता, डायरेक्टर (प्रोडक्शन), कृष्ण कुमार ठाकुर, डायरेक्टर (पर्सनेल), अनुराग कपिल, डायरेक्टर (फाइनेंस), विवेक निशांत नाथ, डायरेक्टर (कमर्शियल) और सी नीलकंठ रेड्डी, सीवीओ के साथ-साथ कर्मचारी और उनके परिवार के सदस्य मौजूद थे। हैदराबाद में एनएमडीसी कॉर्पोरेट ऑफिस में नेशनल फ्लैग फहराने के बाद कर्मचारियों और उनके परिवारों को संबोधित करते हुए, मुखर्जी ने कहा, जैसे ही भारत अपनी आज़ादी के 80वें साल में कदम रख रहा है, हम एक आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी और उभरते हुए भारत के एक्टिव बिल्डर के तौर पर अपनी भूमिका को फिर से पक्का करते हैं। पिछले साल को एनएमडीसी के लिए सच में ऐतिहासिक बताते हुए, श्री मुखर्जी ने कंपनी के रिकॉर्ड-तोड़ परफॉर्मेंस पर ज़ोर दिया। यह एक साल में 50 मिलियन टन से ज़्यादा आयरन ओर प्रोड्यूस करने वाली भारत की पहली माइनिंग कंपनी बन गई, जिसने 53.15 मिलियन टन का रिकॉर्ड प्रोडक्शन और 50.23 मिलियन टन की सेल्स हासिल की।

दुब्बाक में सीरियल हत्याओं का खुलासा, मां-बेटे गिरफ्तार

सिद्दिपेट पुलिस ने एक सप्ताह में सुलझाई सनसनीखेज हत्याओं की गुत्थी

सिद्दिपेट, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दिपेट पुलिस ने दुब्बाक में अकेली महिलाओं को निशाना बनाकर हत्या और लूट की वारदातों को अंजाम देने वाले मां-बेटे की जोड़ी को गिरफ्तार कर सनसनीखेज सीरियल मर्डर मामले का खुलासा किया है। पुलिस आयुक्त रश्मि पेरुमल, आईपीएस के नेतृत्व में गठित विशेष टीमों ने रणनीतिक तरीके से सीसीटीवी फुटेज को खंगालते हुए महज एक सप्ताह में मामले का पर्दाफाश किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने पैसे के लिए दो महिलाओं की हत्या कर दी थी, जबकि एक अन्य महिला के साथ हिंसक तरीके से लूटपाट की थी। इतना ही नहीं, आरोपी चार और महिलाओं को निशाना बनाकर उनकी हत्या की साजिश रच रहे थे। पुलिस ने मुख्य आरोपी चकाली रजिता (38) को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है, जबकि उसके नाबालिग बेटे को जुवेनाइल होम भेजा गया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 5.61 तुला सोना, 53 तुला चांदी, 1.03 लाख रुपये नकद, दो मोबाइल फोन और एक वाहन बरामद किया है।

बरामद संपत्ति की कुल कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस आयुक्त ने मामले के खुलासे में अहम भूमिका निभाने वाली सिद्दिपेट डिवीजन पुलिस, सीसीएस और टास्क फोर्स की टीमों के प्रयासों की सराहना की। पुलिस ने नागरिकों से अपने आसपास की गतिविधियों के प्रति सतर्क रहने और अनजान लोगों के साथ व्यक्तिगत जानकारी साझा नहीं करने की अपील की है। पुलिस ने 'सिद्दिपेट सुरक्षा नेत्र' पहल के तहत घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में बैकअप सपोर्ट वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने का आग्रह किया है। पुलिस के मुताबिक, सीसीटीवी कैमरे अपराध की रोकथाम के साथ-साथ अपराधियों की पहचान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

171 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर में 231 लोगों ने लाभ लिया

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा अग्रवाल समाज कृष्ण सखियां नाचारम मल्लापुर शाखा के सहयोग से 171 वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर मल्लापुर मुख्य सड़क स्थित श्री वागदेवी टेक्नो स्कूल में आयोजित किया गया ।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में अवसर पर किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट के कार्डियलजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी. 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच आरबीएस की सेवा प्रदान की जिसमें डॉक्टर लक्ष्मी, डॉ चंटी, नर्सिंग स्टाफ निकिता, अनुषा, रानी, मल्लेश्वरी, 2डी इको तकनीक भानु श्री बीएमडी तकनीक डेविड और मोहन. विपणन उदय ने सहयोग दिया।

अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा 160 लोगों को नेत्रों की जांच की गई जिसमें 48 चश्मे वितरित किये गये और 8 लोगों के निशुल्क मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर अजीत कश्यप, राजू के भास्कर, साई, हरिदिया ने सेवा प्रदान की। अवसर पर डॉ अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) के जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनल सुगंधी ने सेवा प्रदान की। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ मीता बजाज द्वारा दी गई। दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. नवनीत राज एवं डॉ. एस. निखिल राज ने दी। शिविर का 231 लोगों ने लाभ लिया।

अवसर पर शिविर को सफल बनाने में अग्रवाल सेवा दल के सलाहकार एवं पित्ती ट्रस्ट के चेयरमैन शरद बी पित्ती, शिविर संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, अजीत गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, निखिल राणासरिया, उर्मिला अग्रवाल, अग्रवाल समाज, तेलंगाना संयुक्त सचिव प्रतीक नारसरिया स्थानीय भागीदार अग्रवाल समाज, कृष्ण सखिया नाचराम मल्लपुर शाखा, तेलंगाना, सुनैना नरसरिया, निशा गुप्ता, माया नरसरिया. श्री वाघदेवी टेक्नो स्कूल ए. शीनिवास राव, श्रीमती मलाती, मधु कुमार, सरल, रोजा, लक्ष्मी, किरण कुमार और सभी सहयोगी स्टाफ, स्वयंसेवक मधु अग्रवाल, अनीका अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, चंद्रकांत नारसरिया, श्री सुरेश , राम अग्रवाल. समाज सेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव एवं पित्ती लेमिनेशन के सदस्यों ने योगदान दिया।

सीरवी समाज शमसाबाद बडेर के समितियों के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 15 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वर्तमान अध्यक्ष आसाराम गेहलोत व सचिव भोलाराम पंवार ने बताया कि सीरवी समाज शमसाबाद बडेर के कार्यकारिणी समिति, शिक्षा समिति एवं महिला मंडल के चुनाव अधिकारी हरजी राम काग, रतन लाल बर्फा के देखरेख में तीनों समितीयो का चुनाव काराया गया है। जिसमें कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष -भूराराम परिहार, उपाध्यक्ष -जगदीश काग, बगदाराम परिहार , धर्माराम काग,सचिव- हरिराम परिहारिया ,सहसचिव -नरेश परिहार, कोषाध्यक्ष -राजूराम परिहार, सह कोषाध्यक्ष - राजु परिहार , प्रचार मंत्री -प्रकाश गेहलोत, सलाहकार -भोलाराम पंवार, केसाराम काग,रतन लाल बर्फा, पुखराज पंवार, चेलाराम काग,भंवर लाल आगलेचा, सदस्य - आसाराम गेहलोत, तेजाराम चोयल, हेमाराम काग, रुपाराम गेहलोत, जगदीश पंवार,सुरेश गेहलोत,बाबुलाल गेहलोत, अशोक सैणचा,सुरेश परिहार, तेजाराम पंवार,सुखलाल बर्फा,राजुराम हाम्बड, मनोनीत सदस्य -गणपत काग, रमेश पंवार चुने गए।

शिक्षा समिति के अध्यक्ष भीकाराम काग, उपाध्यक्ष लुम्बाराम मूलेवा, उपाध्यक्ष रमेश काग, सचिव -सोहनलाल बर्फा, सहसचिव -छोटाराम परिहारीया, कोषाध्यक्ष -भगाराम मूलेवा, सहकोषाध्यक्ष - दीपाराम परिहार,खेल मंत्री प्रकाश सोलंकी,खेल रतन लाल चोयल, मीडिया प्रभारी -प्रकाश परिहार, सदस्य -नरेन्द्र काग,मल्लाराम लेरचा, नेमीचंद काग, धर्माराम बर्फा, रतनलाल परिहार,खीवाराम गेहलोत,मोहन लाल काग,जयराम सोलंकी,ललीत गेहलोत,हरजी राम हाम्बड महिला मंडल - अध्यक्षा-सन्तोष देवी परिहार, उपाध्यक्षा पिंकी देवी काग, उपाध्यक्षा परमा देवी लेरचा, सचिव कमला देवी पंवार, सहसचिव लीला देवी हाम्बड, कोषाध्यक्ष -गणकी देवी राठौड, सहकोषाध्यक्ष -पिंकी देवी पंवार,सांस्कृतिक मंत्री १-झमकु देवी मूलेवा, मंजु देवी परिहार ,मिडीया प्रभारी- अनिता काग, सदस्य - भारती परिहारीया ,निरमा देवी हाम्बड,श्यामा देवी काग, संतोष देवी काग, संतोष देवी हाम्बड,सुमन देवी गेहलोत,धापू देवी गेहलोत, सुमित्रा देवी सैणचा,प्रिया देवी गेहलोत, पानी देवी हाम्बड, भंवरी देवी काग,सलाहकार- पारी देवी काग,तीजा देवी गेहलोत, गंगा देवी काग,गौरी देवी काग,सुशीला देवी काग, इन्दिरा देवी पंवार,नर्बदा देवी बर्फा,मनोनीत सदस्य - चंपा देवी परिहार,पूजा काग बनीं।

ईसीआईएल ने देशभक्ति के जोश के साथ 80वां स्वतंत्रता दिवस मनाया

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक मिनीरत्न सीपीएससी, ने 15 अगस्त 2026 को अपनी फैक्ट्री परिसर में 80वां स्वतंत्रता दिवस बड़े उत्साह, जोश और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया।

सीएमडी डॉ. कोमल कपूर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सीआईएसएफ टुकड़ी द्वारा प्रस्तुत गार्ड ऑफ़ ऑनर का निरीक्षण किया। सभा को संबोधित करते हुए, डॉ. कोमल कपूर ने 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा करने में कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों और बहुमूल्य योगदान की सराहना की। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आगामी स्मॉल मॉड्यलर रिएक्टर परमाणु परियोजनाओं में बड़ी भूमिका निभाने की महत्वपूर्ण क्षमता है और कर्मचारियों से कंपनी के लक्ष्यों को प्राप्त करने तथा देश के प्रति ईसीआईएल के योगदान को मजबूत करने में समर्पित, प्रतिबद्ध और पूरी तरह से लगे रहने का आह्वान किया। निदेशक (वित्त और कार्मिक) प्रतीक कुमार चक्रवर्ती ने कंपनी की वित्तीय स्थिरता और सतत विकास सुनिश्चित करने की दिशा में सामूहिक प्रतिबद्धता और निरंतर प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।

'टीम इंडिया में सिलेक्शन मेरे हाथ में नहीं'

भुवनेश्वर कुमार बोले- अश्विन की रिस्पेक्ट करता हूं

लेकिन सब मैनेजमेंट को तय करना है

लखनऊ, 17 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ के इकाना स्टेडियम में यूपी टी-20 लीग की शुरुआत हो चुकी है। लखनऊ फाल्कंस के कप्तान और भारतीय तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार है। उनका कहना है कि आर. अश्विन ने टीम इंडिया में उनके चयन को लेकर अपनी राय रखी है, जिसका वह सम्मान करते हैं।

भुवनेश्वर ने कहा कि इस बार लखनऊ की टीम पूरी तरह एकजुट होकर खेलेगी और ट्रॉफी जीतने के लिए पूरी मेहनत करेगी। लीग के दो वेन्यू पर होने से दर्शकों का जुड़ाव और फैन बेस बढ़ेगा। कप्तान ने कहा बिल्कुल तैयार हैं, क्योंकि यूपीटी 20 लीग से ही डोमेस्टिक सीजन शुरू होता है, मेरा मानना है। तो पूरी तैयारी है। प्रिपरेशन चल रही है मेरी भी, टीम की भी और आई होप कि यह सीजन अच्छा जाए। इसके लिए हम काम कर रहे हैं। टीम को बैलेंस किया गया है। नए प्लेयर्स भी टीम से जुड़े हैं। ताकि मैच में अच्छा रिजल्ट दिया जा सके।

लोगों के ओपिनियन से मुझे कुछ नहीं कहना। आई एम श्योर कि उनका ओपिनियन है, आई रिस्पेक्ट इट। बट मेरा जो काम है क्रिकेट खेलना, परफॉर्म करने की कोशिश करना, वो मैं कर रहा हूं। बस मैं यही बोल सकता हूं। हमारा फोकस पूरी तरह से क्रिकेट खेलने पर रहता है। उसके बाद उसमें क्या होगा। इसपर टीम प्रबंधन और मैनेजमेंट को फैसला लेना होता है।

बहुत अच्छे सीजन गए हैं। आई होप कि यह सीजन भी उतना ही अच्छा जाएगा सब प्लेयर्स के लिए, क्योंकि इससे पहले भी बताया कि सब के लिए अपॉर्चुनिटी है। जो लड़का आता है, नया लड़का, उसके साथ आता है मेहनत करके आता है तो आई थिंक सब एक कदम आगे बढ़ रही है और अपॉर्चुनिटी दे रही है, तो इस साल भी वैसा ही होगा। पिछले दो सीजनों में हमारी टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और हम ट्रॉफी से चूक गए। इस बार हमने ऑक्शन में अपनी कमियों को पहचाना है और एक संतुलित टीम बनाई है। व्यक्तिगत प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि आईपीएल का अनुभव काम आएगा, लेकिन टी 20 क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का खेल है। हम एक सकारात्मक माहौल बनाकर इस बार खिताबी जीत हासिल करने उतरेंगे।

उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन की तारीफ करते हुए कहा कि दो वेन्यू पर मैच आयोजित करने से फैंस का एंगेजमेंट बढ़ेगा। राज्य में क्रिकेट के विकास के लिए काफी बेहतरीन काम किया जा रहा है और यह लीग भविष्य में देश को कई स्टार क्रिकेटर देगी। नए-नए वेन्यू और नई टीमें होने से खिलाड़ियों का कनेक्ट और फैन बेस दोनों बढ़ेगा।

यूपीसीए की तरफ से शुरू किया गया यह टैलेंट हंट प्रोग्राम रुरल बैक ग्राउंड के उन बच्चों को निश्चित तौर पर मौका देगा। जो फिलहाल अच्छी प्रतिभा होने के बाद भी क्रिकेट के मुख्य धारा से दूर हैं। ऐसे में जो बच्चे अभी मिलेंगे। उनका जोर सिर्फ स्पीड पर होगा,लेकिन जब वह ऐसी लीग से जुड़ेंगी तो उनकी गेंदबाजी की क्वालिटी बढ़ेगी। वैरिएशन आएगा।

बांग्लादेश ने भारत-पाकिस्तान को पीछे छोड़ा

ऑस्ट्रेलिया में सबसे कम मैचों में टेस्ट जीतने वाली एशियन टीम

कंगारुओं को उनकी धरती पर पहली बार हराया

डार्विन (ऑस्ट्रेलिया), 17 अगस्त (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट में 9 विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। ऑस्ट्रेलिया की धरती पर यह उसकी पहली टेस्ट जीत है। बांग्लादेश ने 57 रन का टारगेट चौथे दिन दूसरे सेशन में 9 विकेट रहते हासिल कर लिया।

इससे पहले बांग्लादेश ने 2003 में ऑस्ट्रेलिया में दो टेस्ट खेले थे, लेकिन दोनों में उसे हार का सामना करना पड़ा था।

अब 3 टेस्ट में पहली जीत दर्ज कर बांग्लादेश ऑस्ट्रेलिया में सबसे कम मैचों में टेस्ट जीतने वाली एशियन टीम बन गई है। पाकिस्तान ने 7 और भारत ने 12 टेस्ट में यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि श्रीलंका 15 टेस्ट के बाद भी जीत का इंतजार कर रहा है।

बांग्लादेश की ऐतिहासिक जीत के हीरो तेज गेंदबाज हसन महमूद और ऑलराउंडर मेहदी हसन मिराज रहे। महमूद ने मैच में कुल 9 विकेट चटकाए, जबकि मिराज ने 65 रन बनाने के साथ 5 विकेट भी अपने नाम किए।

बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक सात टेस्ट मैच खेले गए हैं। इस दौरान ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 5 मैचों में जीत हासिल की। जबकि बांग्लादेश ने दो मुकाबले जीते। टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला 22 अगस्त से मैके में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया ने डार्विन में गुरुवार को टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया, लेकिन टीम की पहली पारी 198 रन पर सिमट गई। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज हसन महमूद ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट चटकाए।

जवाब में बांग्लादेश ने पहली पारी में 426 रन बनाए। तंजिद हसन ने 101 रन की शानदार पारी खेली। यह ऑस्ट्रेलियाई जमीन पर किसी बांग्लादेशी बल्लेबाज का पहला टेस्ट शतक था। नजमुल हुसैन शांतो ने 84 रन, जबकि मेहदी हसन मिराज ने 65 रन बनाए। इस तरह बांग्लादेश ने पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया पर 228 रन की बढ़त हासिल की।

ऑस्ट्रेलिया टीम पहली पारी में 198 रन पर आउट होने के कारण बांग्लादेश से 228 रन पीछे थी। चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी के स्कोर 161/4 से आगे खेलना शुरू किया और 284 पर ऑलआउट हो गई। ऐसे में बांग्लादेश को 57 रन का टारगेट मिला। दूसरी पारी में कैमरन ग्रीन ने 4 चौके और एक छक्के की मदद से 201 गेंदों पर 104 रन बनाए। ग्रीन के टेस्ट करियर का ये तीसरा शतक रहा।

मेहदी हसन मिराज ने ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में 5 विकेट लिए। उन्होंने एलेक्स कैरी को 30 रन पर लिटन दास के हाथों कैच कराया, इसके बाद बो वेबस्टर को 12 रन पर बोल्ड किया। फिर पैट कमिंस को 9 रन पर शॉर्ट लेग में कैच कराया। ग्रीन के 104 रन के शतक के बाद मेहदी ने उनकी पारी भी खत्म की और आखिर में नाथन लायन को 15 रन पर एलबीडब्ल्यू कर ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी 284 रन पर समेट दी।

मैग्नस कार्लसन ने किया खिताब का बचाव

लगातार दूसरी बार बने ईस्पोर्ट्स विश्व कप विजेता

पेरिस, 17 अगस्त (एजेंसियां)। विश्व नंबर-1 शतरंज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने शानदार और अजेय अभियान के बाद लगातार दूसरी बार ईस्पोर्ट्स विश्व कप का खिताब अपने नाम कर लिया। खेले गए फाइनल में टीम लिक्विड के लिए खेल रहे कार्लसन ने बेलारूस के ग्रैंडमास्टर डेनिस लाजाविक को एकतरफा मुकाबले में 2-0 से हराया। 35 वर्षीय नॉर्वे के कार्लसन ने फाइनल के दोनों सेट में 3-1 से जीत दर्ज की। इस दौरान उन्होंने टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया और अपने खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया।

कार्लसन ने कहा कि वह लाजाविक के पिछले मुकाबलों पर नजर रख रहे थे और कोचों से भी चर्चा की थी।

उन्होंने बताया कि ऑनलाइन मुकाबलों में लाजाविक के खिलाफ जोखिम लेने की रणनीति उन्हें पहले भारी पड़ चुकी थी, इसलिए इस बार उन्होंने उन्हें कोई स्पष्ट रणनीतिक बढ़त देने से बचने की कोशिश की।

पांच बार के विश्व चैंपियन ने कहा, 'मैं अजेय रहते हुए टूर्नामेंट खत्म करके बेहद खुश हूं। मैं कुछ असाधारण करने की कोशिश नहीं कर रहा था। मैंने अपने मौकों का फायदा उठाने की कोशिश की और थोड़ी-सी अप्रत्याशितता भी रखी।'

कार्लसन ने माना कि टूर्नामेंट के दौरान कुछ ऐसे पल आए जब उन्हें हार का खतरा महसूस हुआ। उन्होंने अलिरेजा फिरोजा और निहाल सरीन के खिलाफ मुकाबलों का जिक्र करते हुए कहा कि कुछ मौकों पर स्थिति मुश्किल थी, लेकिन अंततः वह बिना कोई मैच गंवाए चैंपियन बनने में सफल रहे।

जब उनसे पूछा गया कि उन्हें हराने के लिए प्रतिद्वंद्वी को क्या करना होगा, तो कार्लसन ने कहा कि मौजूदा फॉर्मेट में उन्हें हराना आसान नहीं है। उन्होंने अलिरेजा के पास उन्हें हराने का अच्छा मौका होने की बात भी कही।

अमेरिका के हिकारू नाकामुरा ने अलिरेजा फिरोजा को 4-1 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

चैंपियनशिप मुकाबले में बेस्ट ऑफ थ्री सेट का प्रारूप था। पहले दो सेट में चार-चार गेम खेले गए, जबकि जरूरत पड़ने पर तीसरे सेट में दो गेम के जरिए विजेता का फैसला होना था।

महिला हॉकी वर्ल्डकप में भारत-चीन मैच 2-2 से ड्रॉ

नवनीत-दीपिका ने गोल दागे

एम्सटेलवीन, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भारत ने महिला हॉकी वर्ल्ड कप में अपने पहले मैच में चीन को 2-2 के ड्रॉ पर रोक लिया है। रविवार को मैच के 56वें मिनट में चीन के पास पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करने का मौका था, लेकिन वहां की ड्रैग फ्लिकर गोल स्कोर नहीं कर सकी। वैगनर स्टेडियम में मैच के 8वें मिनट में नवनीत कौर ने फील्ड गोल करके इंडिया को 1-0 की बढ़त दिलाई। उसके बाद 15वें मिनट में चीन को पेनल्टी स्ट्रोक मिला। इस पर झांग यिंग ने गोल स्कोर किया। 25वें मिनट में दीपिक ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके भारत को आगे कर दिया। 39वें मिनट में मा निंग ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके स्कोर बराबर किया। वर्ल्ड रैंकिंग में चीन चौथे और भारत नौवें स्थान पर है। चीन का पलड़ा हमेशा से भारी रहा है। दोनों की पिछली भिड़ंत 2025 एशिया कप फाइनल में हुई थी। चीन ने भारत को 4-1 से हराकर खिताब जीता था। इसके बाद पेरिस ओलिंपिक में भी चीनी टीम ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया था। गोलकीपर सविता पुनिया का 313 इंटरनेशनल मैच खेल चुकी हैं। यह उनका तीसरा हॉकी वर्ल्ड कप है। वे दो ओलिंपिक और तीन एशियन गेम्स भी खेल चुकी हैं। उनपर प्रेशर सिचुएशन में टीम को संभालने की जिम्मेदारी होगी। भारत 20 खिलाड़ियों के स्क्वाड के साथ टूर्नामेंट में उतरा है। इसमें से 11 खिलाड़ी पहली बार वर्ल्ड कप खेल रही हैं।

श्रीलंका के खिलाफ दूसरे दिन भारत मजबूत स्थिति में, स्कोर-460/9

पडिक्कल ने 167 रन की पारी खेली; ध्रुव जुरेल और केएल राहुल की फिफ्टी

कोलंबो, 17 अगस्त (एजेंसियां)। गॉल टेस्ट का आज दूसरा दिन था. दूसरे दिन के खेल में पहले बल्लेबाजी कर रही टीम इंडिया रणनीति अपने स्कोर बोर्ड को और बड़ा करने की थी. टीम इंडिया ने पहले दिन 2 विकेट पर 288 रन बनाए थे. लेकिन दूसरे दिन श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अच्छी वापसी की.

दूसरे दिन के खेल के बाद भारत का स्कोर 9 विकेट के नुकसान पर 460 रन हो गया है. कुलदीप यादव 12 रन और प्रसिद्ध कृष्णा 1 रन बनाकर नाबाद लौटे हैं. इससे पहले केएल राहुल 82 रन और देवदत्त पडिक्कल 167 रनों की शानदार पारी खेलकर आउट हुए. वहीं, ध्रुव जुरेल ने भी 51 रन बनाए.

श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या ने सबसे ज्यादा 4 विकेट और केशारा नुवांता ने 3 विकेट लिए हैं. दूसरे दिन बारिश के चलते 2 सेशन का ही खेल खेला जा सका और श्रीलंकाई गेंदबाज दोनों सेशन में हावी रहे. उन्होंने आज कुल 7 विकेट चटकाए. इस दौरान एक सेशन श्रीलंका के नाम रहा और एक सेशन शेयर रहा.श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या ने सबसे ज्यादा 4 विकेट और केशारा नुवांता ने 3 विकेट लिए हैं. दूसरे दिन बारिश के चलते 2 सेशन का ही खेल खेला जा सका और श्रीलंकाई गेंदबाज दोनों सेशन में हावी रहे. उन्होंने आज कुल 7 विकेट चटकाए. इस दौरान एक सेशन श्रीलंका के नाम रहा और एक सेशन शेयर रहा.

पीवी सिंधू को 2019 वाला प्रदर्शन दोहराने की उम्मीद

भारत में आयोजन पर जताई खुशी

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप 2026 का आयोजन 17 अगस्त से 23 अगस्त 2026 तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होना है। चैंपियनशिप में भारत के शीर्ष शटलर हिस्सा ले रहे हैं। ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने कहा है कि चैंपियनशिप का आयोजन भारत में होना बेहद खास है। सिंधू ने इस दौरान उम्मीद जताई कि वह इस टूर्नामेंट में अपना 2019 वाला प्रदर्शन दोहराने में सफल रहेंगी।

पीवी सिंधू ने कहा, विश्व चैंपियनशिप का भारत में होना बेहद खास है। मैं बहुत उत्साहित और खुश हूं। लंबे समय बाद चैंपियनशिप का आयोजन भारत में हो रहा है। मैंने 2019 में विश्व चैंपियनशिप जीती थी। लगभग सात साल बाद, मुझे फिर से अच्छा करने की उम्मीद है। जापान ओपन ने मुझे बहुत आत्मविश्वास दिया। मुझे उम्मीद है कि मैं उसे बनाए रखूंगी। सब कुछ ठीक चल रहा है। मैं एक बार में एक मैच पर ध्यान दे रही हूं और प्रतियोगिता का इंतजार कर रही हूं। हमें स्थानीय लोगों का बहुत समर्थन मिलेगा। मैं पदक जीतने की कोशिश करूंगी।

फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव ने कहा, मुझे लगता है कि यह मेरे आत्मविश्वास के लिए एक बड़ी उपलब्धि रही है। वर्ल्ड टूर फाइनल से गुजरना। यूरोपियन चैंपियन, जापान ओपन में अच्छे परिणाम रहे। मुझे यह भी लगता है कि मैं वर्ल्ड टूर और बड़े टूर्नामेंट्स में अच्छा कर सकता हूं और निरंतर रह सकता हूं। वर्ल्ड चैंपियनशिप के लिए तैयारी भी अच्छी रही है। भारत में श्रेष्ठ प्रदर्शन की कोशिश रहेगी।

फ्रांस के एलेक्स लैनियर ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमने अच्छी तैयारी की है। हम थोड़ा फ्रेश होने के लिए, थोड़ी और तैयारी करने के लिए चीन में थे। मुझे लगता है कि हमें वहां सही ऊर्जा मिली।' 2023 में हुए विश्व चैंपियनशिप के विजेता थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसार्न ने कहा, मुझे लगता है कि पुरुष एकल सच में मुश्किल है। हर पोजीशन बहुत मुश्किल है। मैं फिर से इंडिया आया हूं और सच में बहुत खुश हूं। मैं इस टूर्नामेंट में अपना बेस्ट देने की कोशिश करूंगा।

बिहार की नूतन सिंह ने दिया डब्ल्यूपीएल के लिया ट्रायल

वैभव सूर्यवंशी के कोच से लिया ट्रेनिंग, बोलीं-मेरी बॉलिंग पर मारते थे चौके-छक्के

हरमनप्रीत को आउट करना सपना

पटना, 17 अगस्त (एजेंसियां)। वैभव सूर्यवंशी के बाद समस्तीपुर से एक नए खिलाड़ी का उदय हुआ है। विमेंस प्रीमियर लीग के लिए बिहार की नूतन सिंह का 'यूपी वॉरियर्ज' टीम के ट्रायल के लिए चयन हुआ है। नूतन बिहार से पहली महिला क्रिकेटर हैं, जो ट्रायल के लिए डब्ल्यूपीएल में गई थी। नूतन ने उसी कोच और अकादमी में ट्रेनिंग ली है, जहां से वैभव सूर्यवंशी खेला करते थे। यहां तक की नूतन ने वैभव के साथ भी प्रैक्टिस की है और उनके बॉल पर वैभव चौके-छक्के लगाए करते थे। नूतन ब्रेट ली और डेल स्टेन को अपना आइडल मानती है और उनका सपना हरमनप्रीत कौर को आउट करना है।

नूतन ने 11 अगस्त से 14 अगस्त तक बेंगलुरु में आयोजित हुए ट्रायल में हिस्सा लिया था। अपने अनुभव को साझा करते हुए नूतन ने कहा, 'काफी अच्छा एक्सपीरियंस रहा। इस डब्ल्यूपीएल प्लेटफार्म से हमें आगे इंडिया टीम में खेलने का भी मौका मिलेगा। यूपी वॉरियर्ज टीम से कोच और सीनियर खिलाड़ी मौजूद थे। सभी ने ट्रायल के दौरान मदद की और मार्गदर्शन भी दिया।'

क्रिकेट को अपने पैशन के रूप में चुनने पर नूतन ने बताया कि उनके परिवार में उनके पिता को क्रिकेट काफी पसंद था और सभी लोग मिलकर मैच देखते थे। खासकर आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के सभी फैन थे। एक साथ मिलकर टीवी पर मैच देखा करते थे। नूतन बताती हैं, '2018 में जब सीएसके ने फाइनल मैच जीता, तब मेरे मन में क्रिकेट को और जानने की इच्छा जागी। 2020 में कोविड के दौरान मैंने अकादमी में एडमिशन लिया और क्रिकेट खेलना शुरू किया था।'

जब नूतन ने क्रिकेट को अपना करियर बनाने का फैसला किया तो उनके माता-पिता ने भी उनका सपोर्ट किया। नूतन ने उसी कोच और अकादमी में ट्रेनिंग ली है जहां से वैभव सूर्यवंशी खेला करते थे। समस्तीपुर क्रिकेट अकादमी में कोच ब्रजेश के अंडर उन्होंने 2 साल तक बॉलिंग की ट्रेनिंग ली। यहीं से उन्होंने पहली बार अंडर-19 भी खेला था। उसके बाद पटना के जेन एक्स अकादमी में कोच अशोक से उन्होंने ट्रेनिंग ली।

नूतन ने आगे बताया कि जब वह अकादमी में ट्रेनिंग के लिए गई थी तो वहां पर पहले से ही वैभव सूर्यवंशी प्रैक्टिस कर रहे थे। यहां तक की दोनों ने साथ में कई बार प्रैक्टिस भी की और कई मैच भी खेले। नूतन के माता-पिता दोनों मेडिकल लाइन में है। तीन बहनों में वह मंझली है। यहां तक पहुंचने की जर्नी को लेकर उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता का मेरे क्रिकेट करियर में बहुत बड़ा रोल रहा है।

अफगानिस्तान ने आयरलैंड को 6 विकेट से हराया

299 रन का अपना सबसे बड़ा वनडे चेज किया

4-0 से जीती सीरीज, रहमत शाह का नाबाद शतक

ब्रेडी (उत्तरी आयरलैंड), 17 अगस्त (एजेंसियां)। अफगानिस्तान ने आयरलैंड के खिलाफ 299 रन का लक्ष्य 48.5 ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। टीम ने 5वें और आखिरी वनडे में आयरलैंड को 6 विकेट से हराया और सीरीज 4-0 से अपने नाम की। बेलफास्ट के सिविल सर्विस क्रिकेट क्लब में खेले गए मुकाबले में रहमत शाह ने नाबाद 143 रन की पारी खेली। उन्होंने सिद्दीकुल्लाह अटल (98) के साथ तीसरे विकेट के लिए 201 रन जोड़े। यह अफगानिस्तान के वनडे इतिहास में तीसरे विकेट की सबसे बड़ी साझेदारी है।

अफगानिस्तान ने 299 रन का लक्ष्य हासिल कर वनडे में अपना सबसे बड़ा सफल रन चेज किया। इससे पहले टीम का सबसे बड़ा सफल रन चेज 295 रन था। इस जीत के साथ अफगानिस्तान ने 5 मैचों की सीरीज 4-0 से जीत ली। सीरीज का पहला मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था।

22 रन पर 2 विकेट गंवाए: मैकार्थी ने दोनों ओपनर्स को आउट किया

299 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत खराब रही। टीम ने 6 ओवर के अंदर 22 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। आयरलैंड के तेज गेंदबाज लियम मैकार्थी ने रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान को आउट किया।

इसके बाद रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने पारी को संभाला। दोनों ने शुरुआती दबाव से निकलते हुए धीरे-धीरे रन गति बढ़ाई और आयरलैंड के गेंदबाजों पर दबाव बनाना शुरू किया।

रहमत शाह और सिद्दीकुल्लाह अटल ने तीसरे विकेट के लिए 201 रन की साझेदारी की। यह अफगानिस्तान की वनडे में तीसरे विकेट की नई रिकॉर्ड साझेदारी है।

पाकिस्तान हॉकी वर्ल्डकप में पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूला

सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में छोड़ा, कप्तान को ग्रीन कार्ड; इंग्लैंड ने 4-1 से हाराया

वावर (बेल्जियम), 17 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान हॉकी वर्ल्ड कप में इंग्लैंड के खिलाफ पेनल्टी कॉर्नर का सामान लाना भूल गया। टीम की सेफ्टी किट ड्रेसिंग रूम में ही रह गई। इसके कारण कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखाया गया और उन्हें 2 मिनट के लिए मैदान से बाहर बैठना पड़ा। टीम को मैच में हार का सामना भी करना पड़ा। इंग्लैंड ने 4-1 से हराया। इंग्लैंड के 1-0 से आगे होने के कुछ देर बाद करीब 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला। पाकिस्तान के खिलाड़ी गोल के पीछे जरूरी प्रोटेक्टिव गियर तलाशने लगे, लेकिन किट वहां मौजूद नहीं थी। बाद में पता चला कि सामान ड्रेसिंग रूम में ही छूट गया था। एक खिलाड़ी को दौड़कर किट लानी पड़ी। किट आने में हुई देरी के बाद रेफरी ने पाकिस्तान के कप्तान अबू बकर महमूद को ग्रीन कार्ड दिखा दिया। उन्हें दो मिनट के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान सलमान अकबर ने इस घटना पर नाराजगी जताई। उन्होंने इसे पाकिस्तान हॉकी का एक और 'अनवॉन्टेड रिकॉर्ड' बताया। उनका कहना था कि वर्ल्ड कप जैसे बड़े टूर्नामेंट में पेनल्टी कॉर्नर के लिए जरूरी सुरक्षा उपकरण भूलना नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि तैयारी सिर्फ रणनीति, फिटनेस और स्किल तक सीमित नहीं है। टीम में अनुशासन और बेहतर संगठन भी जरूरी है। उनके मुताबिक ऐसी घटना वर्ल्ड कप जैसे बड़े मंच पर टीम की तैयारियों पर सवाल खड़े करती है। किट विवाद के बीच पाकिस्तान मैच भी नहीं बचा सका। इंग्लैंड ने 4-1 से जीत दर्ज की। स्टुअर्ट रशमेयर ने 12वें मिनट में इंग्लैंड का पहला गोल किया।

नोवाक जोकोविच को शुरुआती दौर में ही मिली हार

गर्मी से दिखे परेशान; डॉक्टर की लेनी पड़ी मदद

सिनसिनाटी, 17 अगस्त (एजेंसियां)। सर्बिया के स्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को सिनसिनाटी ओपन के शुरुआती दौर में ही हार का सामना करना पड़ा है। जोकोविच इस मैच के दौरान गर्मी से काफी परेशान दिखे और उन्हें डॉक्टर की भी मदद लेनी पड़ी। सिनसिनाटी मास्टर्स में भीषण गर्मी और उमस का शिकार हुए 39 वर्षीय नोवाक जोकोविच को अपने शुरुआती मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा है। 24 बार के ग्रैंडस्लैम विजेता जोकोविच को अर्जेंटीना के थियागो तिरांते ने ढाई घंटे से अधिक चले कड़े मुकाबले में 2-6, 6-4, 6-4 से हराया। विंबलडन सेमीफाइनल में यानिक सिनर से हारने के एक महीने से अधिक समय बाद यह जोकोविच का पहला मैच था। 2023 के चैंपियन जोकोविच ने पहला सेट आसानी से जीत लिया था, लेकिन दूसरे सेट में गर्मी ने उन्हें बेहाल कर दिया। दूसरे सेट के 18 मिनट तक चले गेम में संघर्ष करने के बाद जोकोविच कोर्ट पर ही घुटनों के बल बैठ गए और उन्हें मेडिकल टाइमआउट के साथ-साथ फिजियो व डॉक्टर की मदद लेनी पड़ी। दोनों खिलाड़ियों ने ब्रेक के दौरान लॉकर रूम में जाकर खुद को ठंडा किया। तीसरे सेट में जोकोविच ने वापसी की कोशिश की, लेकिन नौवें गेम और फिर मैच प्वाइंट पर ड्रॉप शॉट चूकने से तिरांते ने अपने करियर की सबसे बड़ी जीत दर्ज की। जोकोविच ने स्वीकार किया कि गर्मी और उमस ने उन पर भारी असर डाला और शायद यह सिनसिनाटी में उनका आखिरी मैच था। अब वह 30 अगस्त से शुरू होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों में जुटेंगे। पुरुष वर्ग के अन्य मुकाबलों में सातवें वरीय और फ्रेंच ओपन के उपविजेता फ्लेवियो कोबोली ने मियोमिर केत्मानोविच को 6-1, 4-6, 6-3 से हराया। वहीं, मार्टिन लांडालुस ने माटेओ अर्नाल्डी को 6-4, 4-6, 6-4 से मात दी और अब तीसरे दौर में उनका सामना जोकोविच को हराने वाले तिरांते से होगा। महिला वर्ग में फिलीपींस की खिलाड़ी एलेक्जेंड्रा इयाला ने तीसरे दौर में जगह बना ली है। इयाला 6-1, 3-0 से आगे थीं, तभी तूफान के कारण 90 मिनट तक खेल रुका रहा और इसी दौरान चोटिल एलेना-गैब्रिएला रूसे (रोमानिया) ने मैच बीच में ही छोड़ने का फैसला किया। रूसे को मैच रुकने से ठीक पहले टखने में चोट के कारण उपचार मिला था।

सीएम ने मेडारम में सम्मक्का-सरलाम्मा गदेलु में प्रार्थना की

साड़ी, हल्दी और कुमकुम अर्पित किया और पारंपरिक अनुष्ठान किए

मुलुगु में नए कलेक्ट्रेट भवन का भी उद्घाटन किया

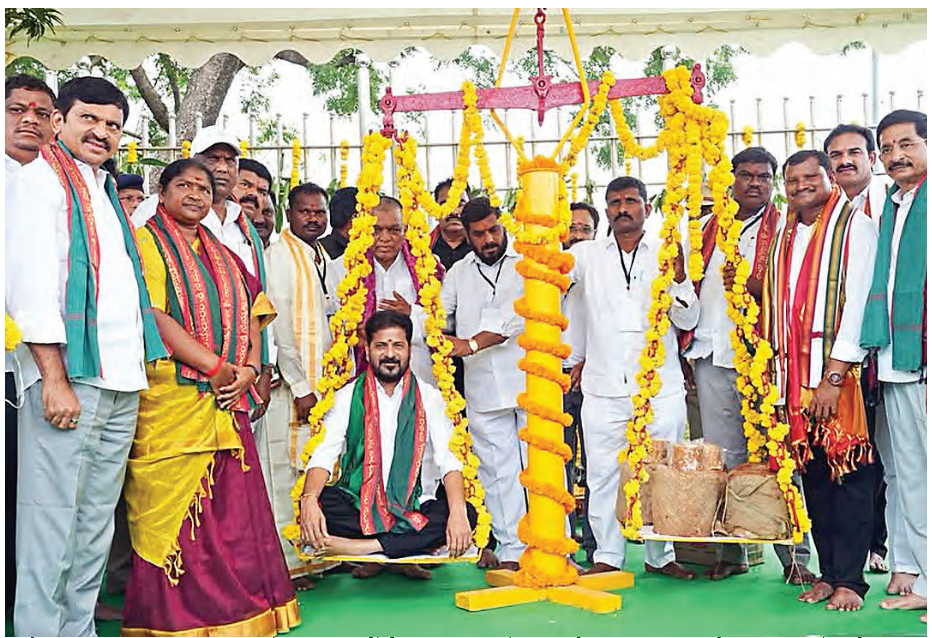

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को मुलुगु जिले के मेडारम में पवित्र सम्मक्का-सरलम्मा गदेलु का दौरा किया और आदिवासी देवताओं की पूजा की। पुजारियों ने आदिवासी संस्कृति और रीति-रिवाजों के अनुरूप पारंपरिक ढोल की थाप के साथ मुख्यमंत्री का मंदिर परिसर में स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने सम्मक्का और सरलम्मा को बंगाराम (गुड़), साड़ी, साड़ी, हल्दी और कुमकुम अर्पित किया और पारंपरिक अनुष्ठान किए। मुख्यमंत्री के साथ मंत्री सीतक्का, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और अडलुरी लक्ष्मण कुमार, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ और स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधि भी थे। एक प्रतीकात्मक संकेत के रूप में, मंत्री सीतक्का ने आदिवासी देवताओं की उपस्थिति में मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों को राखी बांधी। बाद में, मुख्यमंत्री ने गट्टम्मा मंदिर के पास पंचायत राज विभाग के स्तंभ का अनावरण किया और फिर मेडारम से मुलुगु और परकाल के लिए रवाना हुए। परकाल में मुख्यमंत्री ने 443.42 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जबकि मुलुगु में उन्होंने 868 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने मुलुगु में नए कलेक्ट्रेट भवन का भी उद्घाटन किया।

आज मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी करेंगे टिम्स सनतनगर का उद्घाटन

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी सोमवार को सनतनगर स्थित डॉ. मरी चन्ना रेड्डी तेलंगाना चिकित्सा विज्ञान संस्थान का उद्घाटन करेंगे। इसे राज्य की महत्वाकांक्षी सार्वजनिक स्वास्थ्य परियोजनाओं में शामिल किया गया है। अस्पताल में आम लोगों को निजी बड़े अस्पतालों के स्तर की आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। 22.6 एकड़ में फैले इस एकीकृत चिकित्सा परिसर का निर्मित क्षेत्र 11.70 लाख वर्गफुट है। चार मुख्य भवनों में विकसित अस्पताल को पर्यावरण अनुकूल सुविधाओं के लिए आईजीबीसी गोल्ड प्रमाणन मिला है। अस्पताल में 1,082 बिस्तर हैं, जिनमें 300 गहन चिकित्सा कक्ष के बिस्तर शामिल हैं। कुल क्षमता का लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा गंभीर और आपात मरीजों के उपचार के लिए निर्धारित है। अस्पताल का निर्माण एक ही चरण में एक समग्र योजना के तहत किया गया है। तेलंगाना सरकार ने निर्माण कार्य मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर्स लिमिटेड को अभियांत्रिकी, खरीद और निर्माण पद्धति के तहत सौंपा था। कंपनी ने भवन निर्माण के साथ आधुनिक चिकित्सा उपकरण और तकनीकी सुविधाएं भी स्थापित की हैं। अस्पताल में 31 बड़े और छह छोटे शल्य चिकित्सा कक्ष हैं। यहां 17 रोगविज्ञान, 12 सूक्ष्मजीव विज्ञान, 10 जैव रसायन और पांच विशेष प्रयोगशालाएं हैं। छह प्रमुख उत्कृष्टता केंद्र अंग प्रत्यारोपण, हृदय चिकित्सा, कैंसर उपचार, तंत्रिका विज्ञान, गुर्दा चिकित्सा और आघात चिकित्सा के लिए विकसित किए गए हैं। यहां गुर्दा, यकृत, हृदय और बहु-अंग प्रत्यारोपण की सुविधा उपलब्ध होगी। अस्पताल की प्रमुख तकनीकी विशेषताओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित वायवीय नली प्रणाली शामिल है। इसके माध्यम से रक्त के नमूने, दवाएं, चिकित्सकीय रिपोर्ट और अन्य जरूरी सामग्री हवा के दबाव से संचालित बंद नलियों के जरिए एक से दो मिनट में संबंधित प्रयोगशाला, वार्ड, औषधालय और रक्त बैंक तक पहुंचाई जा सकेंगी। इससे जांच में लगने वाला समय कम होने और नमूनों के दूषित होने का जोखिम घटने की उम्मीद है।

अस्पताल में 3.0 टेस्ला एमआरआई, 128 स्लाइस सीटी स्कैन, आधुनिक मैमोग्राफी और पांच एक्स-रे मशीनें भी स्थापित की गई हैं। छह मंजिला धर्मशाला में मरीजों के साथ आने वाले 200 तीमारदारों के ठहरने की व्यवस्था है। पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। परिसर में जल शोधन और अपशिष्ट जल उपचार संयंत्र लगाए गए हैं। वर्षाजल का संचयन कर हरित क्षेत्रों और पौधों की सिंचाई में उपयोग किया जाएगा। अस्पताल में 75 प्रतिशत तक पानी बचाने की व्यवस्था का दावा किया गया है। निर्माण के दौरान 35 लाख सुरक्षित कार्य घंटे पूरे किए गए।

उत्तर प्रदेश सरकार में स्टाम्प, कोर्ट फीस और रजिस्ट्रेशन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवींद्र जायसवाल ने लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की।

अटल बिहारी वाजपेयी की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री और 'भारत रत्न' से सम्मानित स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी की 8वीं पुण्यतिथि पर तेलंगाना राज्य में उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यहां भाजपा के प्रदेश मुख्यालय में वाजपेयी के चित्र को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद, इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रामचंद्र राव ने वाजपेयी द्वारा राष्ट्र को दी गई विशिष्ट सेवाओं को याद किया और उनके अनुकरणीय जीवन सफर पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए राव ने कहा, वाजपेयी ने छह वर्षों से अधिक समय तक प्रधानमंत्री के रूप में कुशलतापूर्वक देश का नेतृत्व किया।

उनके कार्यकाल में शुरू किए गए सुधारों में राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण, दूरसंचार क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव और आम आदमी के लिए भी एलपीजी गैस कनेक्शन की सुलभता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि दिवंगत वाजपेयी द्वारा शुरू किए गए सुधारों ने देश के विकास की मजबूत नींव रखी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वाजपेयी का शासनकाल भारतीय राजनीतिक इतिहास में 'स्वर्ण युग' माना जाता है। वाजपेयी द्वारा अपनाई गई मूल्य-आधारित राजनीति का जिक्र करते हुए उन्होंने याद दिलाया कि संसद में जब उनकी सरकार मात्र एक वोट के अंतर से गिरने के कगार पर थी, तब भी वे एक ऐसे महान नेता बने रहे जिन्होंने नैतिक मूल्यों पर अडिग रहते हुए कभी समझौता नहीं किया।

वाजपेयी ने सत्ता से ऊपर लोकतांत्रिक मूल्यों को प्राथमिकता दी। आज की पीढ़ी के राजनेताओं और युवाओं के लिए उन उच्च मूल्यों से प्रेरणा लेना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा, वाजपेयी की निस्वार्थ देशभक्ति और राष्ट्र सेवा में जीवनभर के समर्पण को पहचानते हुए और सम्मानित करते हुए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, 'भारत रत्न' से सम्मानित किया। हालांकि वाजपेयी शारीरिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श और सिद्धांत हर भारतीय के हृदय में अमर रहेंगे। उनके जीवन का अध्ययन करना और उनके दिखाए मार्ग पर चलना ही वर्तमान पीढ़ी की ओर से उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि है। इससे पहले, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदर्शनी मैदान में जैन समुदाय के प्रवचन में भाग लिया और कहा कि युवाओं को सही मार्गदर्शन प्रदान करने में आध्यात्मिक नेताओं की भूमिका महत्वपूर्ण है। राव ने इस बात पर जोर दिया कि आज के युवाओं को सही दिशा और स्पष्ट मार्गदर्शन की सख्त जरूरत है और आने वाली पीढ़ी पूज्य गुरुदेव जैसे महान व्यक्तित्वों के आशीर्वाद और मार्गदर्शन से ही सही रास्ते पर चल पाएगी। उन्होंने गुरुदेव की आध्यात्मिक उपस्थिति में भाग लेने पर अपार खुशी और आध्यात्मिक अनुभूति व्यक्त की, और कहा कि आने वाली पीढ़ी के बारे में उनके द्वारा कहे गए प्रत्येक शब्द शत प्रतिशत सत्य हैं। राव ने इस बात पर जोर दिया कि गुरुदेव की शिक्षाओं ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया है, और उन्होंने पुष्टि की कि वे गुरुदेव द्वारा दिए गए संदेश का बिना किसी चूक के पालन करेंगे, और निरंतर स्वयं को सामाजिक सेवा और मानव कल्याण के लिए समर्पित करेंगे।

चेर्लापल्ली-गोरखपुर मार्ग पर चलेगी अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस

जुड़वां शहरों से एक और अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय ने चेर्लापल्ली-गोरखपुर-चेर्लापल्ली मार्ग पर अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस चलाने को मंजूरी दे दी है। ट्रेन संख्या 22075/22076 चार्लापल्ली-गोरखपुर-चार्लापल्ली अमृत भारत साप्ताहिक एक्सप्रेस मौजूदा साप्ताहिक विशेष रेलगाड़ी संख्या 07075/07076 को नियमित करते हुए संचालित की जाएगी। इससे इस मार्ग पर यात्रियों को स्थायी और भरोसेमंद लंबी दूरी की रेल सेवा उपलब्ध होगी। नई सेवा के शुरू होने के बाद यह जुड़वां शहरों से संचालित होने वाली छठी अमृत भारत एक्सप्रेस होगी, जबकि तेलंगाना से होकर गुजरने वाली अमृत भारत एक्सप्रेस की संख्या सात हो जाएगी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार चेर्लापल्ली-गोरखपुर-चेर्लापल्ली अमृत भारत एक्सप्रेस की नियमित वाणिज्यिक सेवा अक्टूबर से शुरू होगी।

ट्रेन संख्या 22075 चार्लापल्ली से गोरखपुर के लिए 2 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। वहीं ट्रेन संख्या 22076 गोरखपुर से चार्लापल्ली के लिए 4 अक्टूबर 2026 से प्रत्येक रविवार को संचालित होगी। अमृत भारत एक्सप्रेस लंबी दूरी की यात्रा के लिए कम किराये वाली, बिना वातानुकूलन वाली द्रुतगामी रेल सेवा है। इसमें तेज गति से गति पकड़ने के लिए धक्का-खींच तकनीक का इस्तेमाल किया गया है।

रेलगाड़ी में आधुनिक बिना वातानुकूलन वाले शयनयान और सामान्य श्रेणी के डिब्बे, सीलबंद गलियारे तथा प्रत्येक सीट पर मोबाइल और अन्य उपकरण चार्ज करने की सुविधा उपलब्ध है। इस रेलगाड़ी में सामान्य अनारक्षित और शयनयान श्रेणी के डिब्बे होंगे तथा यह 110 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से संचालित की जाएगी। इसका उद्देश्य निम्न और निम्न-मध्यम आय वर्ग के यात्रियों को सस्ती, आरामदायक और आधुनिक लंबी दूरी की यात्रा सुविधा उपलब्ध कराना है।

एनएमसी पूरे भारत में डॉक्टरों के लिए 'वन नेशन, वन लाइसेंस' सिस्टम शुरू करेगा

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। डॉक्टर जल्द ही देश में कहीं भी प्रैक्टिस कर सकेंगे, इसके लिए उन्हें हर बार राज्य की सीमा पार करने पर अलग-अलग रजिस्ट्रेशन की ज़रूरत नहीं होगी। नेशनल मेडिकल कमीशन (एनएमसी) 'वन नेशन, वन लाइसेंस' सिस्टम लागू करने के लिए 'रजिस्ट्रेशन ऑफ़ मेडिकल प्रैक्टिशनर्स एंड लाइसेंस टू प्रैक्टिस मेडिसिन (संशोधन) नियम, 2026' शुरू करने जा रहा है।

जब मौजूदा डॉक्टर एक सेंट्रलाइज़्ड इलेक्ट्रॉनिक पोर्टल के ज़रिए अपनी जानकारी अपडेट करके नेशनल मेडिकल रजिस्टर से जुड़ा एक यूनिक आइडेंटिफिकेशन नंबर हासिल कर लेंगे, तो उस एक क्रेडेंशियल से उन्हें पूरे देश में प्रैक्टिस करने की पूरी कानूनी पात्रता मिल जाएगी।

राज्यों और राष्ट्रीय स्तर पर पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए, नए नियमों में एथिक्स और मेडिकल रजिस्ट्रेशन बोर्ड के तहत सख्त डिजिटल तालमेल और जवाबदेही के उपाय अनिवार्य किए गए हैं। नेशनल रजिस्टर और राज्य रजिस्टरों के बीच इलेक्ट्रॉनिक तालमेल बनाए रखना अनिवार्य होगा, ताकि योग्यता में बदलाव या अनुशासनात्मक कार्रवाई जैसी कोई भी जानकारी अपने आप सभी डेटाबेस में रियल-टाइम में अपडेट हो जाए। नए नियमों के अनुसार, मेडिकल प्रैक्टिस लाइसेंस केवल पांच साल के लिए मान्य होंगे। अगर एक्सपायरी के तीन महीने के भीतर रिन्यूअल के लिए आवेदन नहीं किया जाता है, तो डॉक्टर का स्टेटस अपने आप 'इनएक्टिव' हो जाएगा और मामला सुलझने तक उनकी प्रैक्टिस करने का अधिकार तुरंत सस्पेंड कर दिया जाएगा।

'लाइसेंस टू प्रैक्टिस मेडिसिन (संशोधन) नियम, 2026' में पेशेवर कदाचार और मेडिकल लापरवाही से निपटने के तरीके को भी स्थानीय स्तर पर तय किया गया है। शिकायतों की जांच उस राज्य की मेडिकल काउंसिल करेगी जहां घटना हुई है।

राज्य मेडिकल काउंसिल द्वारा ऐसी शिकायतों पर लिए गए अंतिम फैसले की जानकारी तुरंत राज्य रजिस्ट्रेशन काउंसिल और राष्ट्रीय डेटाबेस के साथ साझा की जाएगी। यूनिफाइड रजिस्ट्रेशन के अलावा, नए नियम 'ओवरसीज़ सिटिज़न ऑफ़ इंडिया' और विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट के लिए प्रक्रियाओं को आसान बनाते हैं। जो विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट 'फ़ॉरेन मेडिकल ग्रेजुएट एग्जामिनेशन' या 'नेशनल एग्ज़िट टेस्ट' जैसे क्वालिफ़ाइंग एग्ज़ाम पास कर लेते हैं, उन्हें प्रोविज़नल इंटर्नशिप में शामिल किया जाएगा।

मौजूदा प्रैक्टिशनर, जो पुराने स्टेट या इंडियन मेडिकल रजिस्टर में रजिस्टर्ड हैं, उन्हें बिना प्रोसेसिंग फ़ीस दिए अपना एनएमआर यूआईडी पाने के लिए ईएमआरबी वेब पोर्टल पर अपनी जानकारी (एक बार) अपडेट करनी होगी।

नई संशोधित गाइडलाइंस के तहत, विदेशी नागरिकों के लिए टेम्परेरी रजिस्ट्रेशन की अवधि अब उनके कोर्स की अवधि के बराबर होगी (अधिकतम 24 महीने तक, जो पहले 12 महीने थी)। इसके बाद एक साल का अनिवार्य 'कूलिंग-ऑफ़ पीरियड' होगा। यह एक साल का अनिवार्य और पहले से तय इंतज़ार का समय है, जिसे भारत में पोस्ट-ग्रेजुएट या सुपर-स्पेशियलिटी मेडिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा करने के बाद विदेशी नागरिक को पूरा करना होता है।

मादक पदार्थों और मानव तस्करी पर अंकुश लगाने में एसएसबी की सेवाएं सराहनीय हैं : बंडी संजय

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने रविवार को कहा कि चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में देश की सीमाओं पर नशीले पदार्थों, हथियारों और मानव तस्करी के साथ-साथ अवैध प्रवासन, नकली मुद्रा प्रचलन, वन्यजीव संबंधी अपराधों और अन्य संगठित अपराधों पर प्रभावी ढंग से अंकुश लगाने के लिए सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) श्रेय का पात्र है।

उन्होंने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि एसएसबी ने सीमा प्रबंधन में आधुनिक प्रौद्योगिकी और समकालीन तरीकों के उपयोग को प्राथमिकता दी है। केंद्रीय मंत्री ने रंगारेड्डी जिले के इब्राहिमपटनम के पास 50 एकड़ भूमि पर एसएसबी द्वारा निर्मित 48 जवानों के लिए नए आवासीय भवनों का उद्घाटन किया। उन्होंने अधिकारियों के साथ नवनिर्मित आवास परिसर का निरीक्षण भी किया। उन्होंने जवानों को प्रदान की जा रही सुविधाओं और कल्याणकारी उपायों के बारे में जानकारी ली। इसके बाद, केंद्रीय मंत्री, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक संजय सिंघल और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक निर्धारित कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सशस्त्र सीमा बल के परिवारों के साथ हैदराबाद के इब्राहिमपटनम परिसर में निर्मित 48 समर्पित पारिवारिक आवासीय क्वार्टरों का उद्घाटन करके उन्हें बेहद खुशी हो रही है।

मैं उन सभी अधिकारियों, इंजीनियरों, निर्माण कंपनियों और अन्य कर्मचारियों को विशेष बधाई देता हूँ जिन्होंने इन आवासीय क्वार्टरों के निर्माण को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की। ये 48 आवासीय इकाइयाँ केवल इमारतें नहीं हैं, बल्कि ये केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों और उनके परिवारों के कल्याण के प्रति केंद्र सरकार की प्राथमिकता और प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं। यह सरकार और संगठन दोनों का दायित्व है कि देश की सीमाओं पर सुरक्षा के लिए तैनात जवानों के परिवार सम्मान और सुख-शांति से सुरक्षित जीवन जी सकें। जब एक जवान अपने परिवार की सुरक्षा और कुशलक्षेम की चिंता से मुक्त होता है, तो वह पूरी तरह से सीमा सुरक्षा और राष्ट्र सेवा पर ध्यान केंद्रित कर सकता है। यही कारण है कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों का कल्याण और बेहतर आवास सुविधाओं का प्रावधान सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को एसएसबी जवानों पर बहुत गर्व है, जो खुली सीमाओं पर नशीले पदार्थों, हथियारों और मानव तस्करी, अवैध प्रवासन, नकली मुद्रा का प्रचलन, वन्यजीव अपराध और संगठित अपराध के अन्य रूपों जैसी चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें खुशी है कि सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) सीमा प्रबंधन में आधुनिक तकनीक और समकालीन तरीकों के उपयोग को प्राथमिकता दे रहा है।

आंध्र प्रदेश के वेस्ट गोदावरी में कार नहर में गिरी; दो की मौत, दो लापता

अमरावती, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने रविवार को बताया कि आंध्र प्रदेश के वेस्ट गोदावरी ज़िले में एक कार के नहर में गिर जाने से उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लापता हो गए।

यह घटना शनिवार देर रात हुई। पुलिस के अनुसार, कार का नियंत्रण बिगड़ गया और वह इरगावरम मंडल के आइटमपुडी के पास नरसापुरम नहर में गिर गई। कार में सवार चार लोग लापता हो गए, जबकि एक व्यक्ति सुरक्षित बाहर निकलने में कामयाब रहा। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और गोताखोरों व अग्निशमन कर्मियों की मदद से लापता लोगों की तलाश शुरू की। रविवार को लापता लोगों में से दो के शव बरामद किए गए।

यह हादसा तब हुआ जब पीड़ित पेरावली गांव में एक दोस्त की शादी में शामिल होने के बाद पूर्वी गोदावरी ज़िले के मोरी गांव जा रहे थे। लापता लोगों की पहचान पोथुला लक्ष्मी भानु (18), राजाराम (17), डी. नागी रेड्डी (18) और साई सूर्या (19) के रूप में हुई।

रविवार सुबह अग्निशमन कर्मियों ने लक्ष्मी भानु और नागी रेड्डी के शव नहर से बाहर निकाले। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा गया। बचाव कर्मियों ने कार को नहर से बाहर निकाला। बाकी लापता लोगों की तलाश जारी थी।

पुलिस जांच से पता चला कि युवकों का समूह एक दोस्त से मिलने मोरी गांव जा रहा था। इलाके में बारिश हो रही थी और कार चला रहे व्यक्ति का नियंत्रण बिगड़ गया। पीड़ित पानी के बहाव में बह गए। उनमें से एक ने एक पेड़ को पकड़ लिया और स्थानीय लोगों की मदद से बाहर निकलने में कामयाब रहा। इस बीच, तेलंगाना के नलगोंडा ज़िले में नागार्जुन सागर बैकवाटर्स में एक युवक डूब गया। यह घटना तब हुई जब दोस्तों का एक ग्रुप विज़ाग कॉलोनी बैकवाटर्स में घूमने गया था। वे तैर रहे थे, तभी उनमें से एक युवक कृष्णा नदी की तेज़ धारा में बह गया। स्थानीय अधिकारियों की दो घंटे से ज़्यादा चली खोजबीन के बाद दुर्गा तिरुमलेश का शव बरामद किया गया।

गोदावरी के स्नान घाटों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी से श्रद्धालुओं को खतरा

मंचेरियल, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। गोदावरी नदी में पवित्र स्नान करना न केवल इस जिले के, बल्कि पड़ोसी कुमराम भीम आसिफाबाद जिले के श्रद्धालुओं के लिए भी एक पारंपरिक धार्मिक रीति-रिवाज है, खासकर त्योहारों और पवित्र महीनों के दौरान। लेकिन, नदी के किनारे बने कुछ लोकप्रिय स्नान घाटों या जगहों पर बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा हो रही है।

श्रद्धालु हिंदू कैलेंडर के पवित्र श्रावण और कार्तिक महीनों के दौरान और दिवाली व संक्रांति त्योहारों से पहले मुल्काला, सीतारामपल्ली और लक्सेट्टीपेट में गोदावरी नदी में पवित्र डुबकी लगाते हैं, खासकर जब पानी का स्तर कम होता है। लोग परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु के बाद इन गांवों में नदी में डुबकी लगाते हैं। कुछ लोग अपनी भलाई के लिए नदी देवी का धन्यवाद करने के लिए इन जगहों पर पूजा-अर्चना भी करते हैं।

मुल्काला, सीतारामपल्ली और लक्सेट्टीपेट गांवों में पवित्र स्नान की जगहों पर बुनियादी सुविधाओं की कमी है। यहां श्रद्धालुओं के लिए आसानी से पवित्र डुबकी लगाने के लिए सीढ़ियां नहीं हैं और न ही महिलाओं के लिए कपड़े बदलने के कमरे हैं। यहां पीने के पानी और परिवहन की भी कोई सुविधा नहीं है। इन जगहों के आसपास गंदगी, प्लास्टिक के कवर, फेंके गए कपड़े और देवी-देवताओं की तस्वीरें पड़ी रहती हैं।

तिरुमला में दो गरुड़ सेवाएँ

तिरुमला, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इस महीने श्रद्धालुओं को दोहरा धमाका देखने को मिलेगा, जिसमें वे दो गरुड़ सेवाओं के साक्षी बनेंगे। गरुड़ पंचमी के उपलक्ष्य में सोमवार, 17 अगस्त को तिरुमाला में गरुड़ वाहन सेवा का आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर, श्री मलयप्पा स्वामी अपने प्रिय गरुड़ वाहन पर सवार होकर शाम 7 बजे से 9 बजे के बीच चारों मदा सड़कों पर दिव्य शोभायात्रा निकालेंगे और भक्तों को आशीर्वाद देंगे। तिरुमला में श्रावण पूर्णिमा 28 अगस्त को मनाई जाती है।

फॉरेस्ट बीट ऑफिसर की मौत के मामले में चार लोग गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने फॉरेस्ट बीट ऑफिसर बनोथ नवीन की मौत के मामले में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। जंगली जानवरों के शिकार के लिए गैर-कानूनी तौर पर लगाए गए बिजली के जाल के संपर्क में आने से उन्हें बिजली का झटका लगा था।

याद दिला दें कि 11 अगस्त की रात, नवीन और अन्य कर्मचारी ज़िले के नकिरेपेट वन क्षेत्र में गए थे। उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ लोगों ने जंगली जानवरों के शिकार के लिए बिजली के जाल बिछाए हैं। मौके पर संदिग्धों की तलाश के दौरान उन्हें बिजली का झटका लगा। डीआरओ अनारकली की शिकायत के आधार पर बुरगमपाड पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई। पुलिस ने आरोपियों - अवुला नागी रेड्डी, दसारी नरेश और थाती वीरबाबू - को लक्ष्मीपुरम गांव में नागी रेड्डी के घर से गिरफ्तार किया, जहां वे छिपे हुए थे। तीनों से मिली जानकारी के आधार पर, चौथे आरोपी कन्नेदारी अनंतैया को नागिनेनिप्रोलु रेड्डीपालेम स्थित उसके घर से गिरफ्तार किया गया। शनिवार को जारी एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि गिरफ्तार किए गए चारों आरोपियों को न्यायिक हिरासत के लिए अदालत में पेश किया जाएगा।

SBI

भारतीय स्टेट बैंक

केन्द्रीय भर्ती एवं पदोन्नति विभाग, कॉरपोरेट केंद्र, मुंबई

फोन: 022-22820427

आवेदन के लिए क्यूआर स्कैन करें

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) में लिपिक संवर्ग में कनिष्ठ सहयोगी (ग्राहक सहायता और विक्रय) की भर्ती

अ.जा./अ. ज. जा./अ. पि. व. बैकलॉग रिक्तियों के लिए विशेष भर्ती अभियान

भारतीय स्टेट बैंक में नियमित आधार पर कनिष्ठ सहयोगी (ग्राहक सहायता और विक्रय) के पद पर नियुक्ति के लिए पात्र भारतीय नागरिकों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं.

रिक्तियों की संख्या : 1538

पात्रता मानदंड (आयु, शैक्षणिक योग्यता, आदि), आवश्यक शुल्क, ऑनलाइन आवेदन करने एवं ऑनलाइन शुल्क भुगतान के लिए बैंक की वेबसाइट **https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings** पर विज्ञापन क्र. **CRPD/CR/SPLDRIVE/2026-27/16** के अंतर्गत लिंक उपलब्ध है. प्रत्याशियों को परामर्श दिया जाता है कि वे विस्तृत विज्ञापन देखें और आवेदन करने एवं शुल्क भुगतान करने से पहले अपने पात्रता मानदंडों और अन्य विवरणों को सुनिश्चित कर लें.

- **ऑनलाइन पंजीकरण और शुल्क के भुगतान की तिथि: 07.08.2026 से 27.08.2026 तक.**

अधिक जानकारी के लिए **"CONTACT US" → "Post Your Query"** लिंक के माध्यम से हमें लिखें, जो ऊपर उल्लिखित बैंक की आधिकारिक वेबसाइट **https://sbi.bank.in/web/careers/current-openings** पर उपलब्ध है.

स्थान: मुंबई

दिनांक: 07.08.2026

महाप्रबंधक (आरपी एंड पीएम)

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.